दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

आज का विचार

इंसान ही इंसान की दवा होता है। कोई इंसान दुख देता है तो कोई सुकून बन जाता है।

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ I सोमवार, 30 मार्च, 2026 वर्ष 24, अंक 76, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

देश में युवाओं की सोच और बदलाव से राष्ट्र निर्माण को मिल रही है गति: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने भाजपा जिला कार्यालय कुरुक्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 132 वां संस्करण सुना

सिटी दर्पण संवादादता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं की सोच में बहुत बड़ा बदलाव आया है। इस सोच में हुए परिवर्तन से राष्ट्र निर्माण को गति मिल रही है। इतना ही नहीं मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को दुनिया का सबसे युवा देश बताया है। इस दौरान यमुनानगर के युवा प्रथम बराड़ की सोच ग्रीन व क्लीन भारत को ही समृद्ध भारत कहने की प्रधानमंत्री ने सराहना की है। इसके साथ ही देश के विकास के लिए प्रदेश के युवा भी लगातार तत्पर हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को भाजपा जिला कार्यालय कुरुक्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 132 वां संस्करण सुन रहे थे। इस मौके पर हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी, जिला प्रभारी दीपक शर्मा मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए प्रधानमंत्री जी ने जल संरक्षण और जल संचय की अपील करते हुए अलग-अलग हिस्सों के लोगों की कहानी के साथ जल ही जीवन है की प्रेरणा दी है। राज्य सरकार ने अमृत सरोवर के माध्यम से बरसाती पानी इकट्ठा करने का अभियान चलाया है। इन अमृत सरोवरों की सफाई करके बरसात के पानी को रोककर भूजल स्तर बढ़ाने का कार्य किया जाएगा। इससे हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी मुहैया करवा सकते है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में बरसाती पानी को इकट्ठा कर उस पानी का किसानों द्वारा खेती उपज बढ़ाने जैसे अनूठे उदाहरण देकर जल बचाने के लिए प्रति जागरूक किया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस योजना का अधिक से अधिक नागरिकों को लाभ देने के लिए सरकार की तरफ से अलग से सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। एक लाख 80 हजार से कम आय वाले नागरिकों को दो किलोवाट का सोलर सिस्टम फ्री में दिया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री के आग्रह पर कहा कि नागरिकों को शुगर इनटेक पर काम करना चाहिए। इसके तहत अपने खाने में 10 प्रतिशत की कटौती करते हुए मोटापा और बीमारियों को कम करना चाहिए। इसके साथ ही शिक्षा, खेल, पौधे

रोपण, मछली पालन और योग पर भी जोर दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस कार्यक्रम में सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व के मुद्दों पर चर्चा की जाती है। सरकार की नीतियों को नागरिकों तक पहुंचाना और उनकी प्रतिक्रिया जानना भी इसका एक महत्वपूर्ण पहलू है। मन की बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आम जनता के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम है। इस कार्यक्रम के जरिए देशभर में हो रहे सकारात्मक प्रयासों, सामाजिक नवाचारों और जनभागीदारी की प्रेरक कहानियों को सामने लाया जाता है, जो समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं और समाज में मेलजोल की भावना को बढ़ावा देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सामाजिक मुद्दे जैसे कि स्वच्छता, जल संरक्षण, पर्यावरण, सांस्कृतिक विरासत, शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकार की विभिन्न योजनाएं का भी जिक्र करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर उन व्यक्तियों और समुदायों की प्रेरणादायक कहानियां भी साझा करते हैं जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। इस कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि जनता के विचारों को साझा के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल माई जीओवी भी बनाया गया है। इस पर नागरिक अपने विचार और सुझाव भेज सकते हैं। कुछ चुनिंदा संदेशों को कार्यक्रम में शामिल भी किया जाता है। मन की बात कार्यक्रम का देश में गहरा प्रभाव पड़ा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधे देश के नागरिकों से जुड़ने का एक अनूठा मंच प्रदान करता है। रेडियो की व्यापक पहुंच के कारण, यह देश के दूर-दराज के क्षेत्रों तक भी पहुंचता है। इस कार्यक्रम में हरियाणा के लोगों की उपलब्धियों का भी अनेक बार जिक्र हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संवाद स्थापित करना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री के विचारों को भारत के आम लोगों तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करते हुए उन्हें गर्व महसूस होता है। इसके साथ ही दूसरे लोगों को भी लगता है कि हमें भी उनकी तरह मेहनत करनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कार्यक्रम विशेष रूप से युवाओं को नवाचार आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करता है। मन की बात कार्यक्रम न केवल विचारों को दिशा देता है, बल्कि देशवासियों को विकास, सेवा और जिम्मेदारी की भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश भी देता है।

मन की बात: ऊर्जा संकट पर अफवाहों से बचने और एकजुटता का आह्वान

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संघर्ष की वैश्विक स्थिति और ऊर्जा संकट पर चिंता जताते हुए रविवार को ह्यमन की बातह्ल कार्यक्रम से एक बार फिर देशवासियों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और एकजुटता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संघर्ष के कारण पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता प्रभावित हो रही है। ऐसे समय में अफवाहों से दूर रहना और आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करना जरूरी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम ह्यमन की बातह्ल के 132वें एपिसोड में आज उक्त बातें कहीं। उन्होंने खाड़ी देशों के संघर्ष के बीच वहां रह रहे भारतीयों को संभालने के लिए दिए सहयोग पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि दुनिया की ऊर्जा आवश्यकताएं इस क्षेत्र से जुड़ी हैं, जिससे मौजूदा संघर्ष का असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों का उपयोग कर स्थिति का सामना कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने इस विषय पर राजनीति करने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह 140 करोड़ लोगों से जुड़ा मुद्दा है

और इसमें स्वार्थ की राजनीति का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों को देश के लिए हानिकारक बताया और नागरिकों से अपील की कि वे केवल सरकारी जानकारी पर भरोसा करें।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे कई देशों में ईंधन संकट की स्थिति बनी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ह्यमन की बातह्ल कार्यक्रम के माध्यम से देश की पांडुलिपि धरोहर के संरक्षण में जनभागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि ह्यज्ञान भारतम्ह्ल पहल के तहत पांडुलिपियों का संरक्षण और उनसे जुड़ी जानकारी एकत्र की जा रही है। इसके लिए एक ऐप भी विकसित किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने पास सुरक्षित पांडुलिपियों की जानकारी साझा करें।

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में देश में खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह और उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने आईसीसी टी-20 विश्व कप में भारतीय पुरुष टीम की जीत और रणजी ट्रॉफी में जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक उपलब्धि की चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश के एथलीट कुलवीर सिंह की उपलब्धि का जिक्र किया, जिन्होंने न्यूयॉर्क सिटी हाफ मैराथन में तीसरा स्थान प्राप्त किया। वह एक घंटे से कम समय में हाफ मैराथन पूरा करने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने अनाहत सिंह द्वारा स्क्वैश ऑन फायर ओपन जीतने और 8 मार्च को ह्यअस्मिताह्ल महिला लीग के आयोजन का भी उल्लेख किया और कहा कि देश में नारी शक्ति खेलों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्रधानमंत्री ने हर बार की तरह इस बार भी स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने नियमित व्यायाम, योग और संतुलित आहार की आवश्यकता पर बल दिया। एक प्रसंग में उन्होंने बताया कि उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक कंटेंट क्रिएटर युवराज दुआ के अनुरोध का उत्तर दिया, जिसका उनके पिता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा और उन्होंने शुगर का सेवन कम कर दिया।

उन्होंने बेंगलुरु के ह्यप्रयोग इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन रिसर्चह्ल के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह संस्थान बच्चों को विज्ञान के व्यावहारिक अनुभव से जोड़ रहा है। इसके साथ ही उन्होंने नागा समुदाय की ह्यमोरुंगह्ल प्रणाली का उल्लेख किया, जो परंपरा और आधुनिक शिक्षा का समन्वय प्रस्तुत करती है।

प्रधानमंत्री ने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए जल संरक्षण के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने त्रिपुरा के वांगमुन गांव, छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले और तेलंगाना के मुधिगुंटा गांव के उदाहरण दिए, जहां वर्षा जल संचयन और भूजल संरक्षण के प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने मछुआरों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में नवाचार हो रहे हैं और मछुआरे भाई-बहन आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने बताया कि हाल ही में वाराणसी में एक घंटे के भीतर 2 लाख 51 हजार से अधिक पौधे लगाकर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया गया। वहीं, नागालैंड के चिजामी गांव की महिलाएं 150 से अधिक पारंपरिक बीजों की किस्मों को संरक्षित कर रही हैं। सामूहिक प्रयासों के माध्यम से इन बीजों को कम्युनिटी सीड बैंक में सुरक्षित रखा जा रहा है।

उन्होंने ह्यप्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजनाह्ल से देशभर में लोगों के जीवन में आ रहे सकारात्मक बदलाव के विषय को भी अपने कार्यक्रम में शामिल किया।

प्रधानमंत्री ने बताया कि कैसे माय भारत युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ रहा है। इसके माध्यम से हाल ही में आयोजित बजट क्वेस्ट से युवाओं के विचार सामने आए, जो देश के विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी को दर्शाते हैं।

कांग्रेस ने अपनी नीतियों से राज्य में अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दिया : अमित शाह

एजेंसी (हि.स.)

शोणितपुर

असम के दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शोणितपुर में एक जनसभा के दौरान कांग्रेस पर अपना हमला और तेज कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पार्टी ने ऐतिहासिक रूप से अपनी नीतियों के जरिए राज्य में अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दिया है और अब केंद्र सरकार द्वारा उठाए जा रहे सुधारात्मक कदमों का विरोध कर रही है।

सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने ह्यअवैध प्रवासी (ट्रिब्यूनल द्वारा निर्धारण) अधिनियमह्ल (आईएमडीटी) इसलिए बनाया था ताकि असम में घुसपैठियों को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने अवैध प्रवासियों की पहचान करने और उन्हें हटाने के केंद्र सरकार के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि यह मुद्दा सरकार के लिए हमेशा से ही एक प्राथमिकता रहा है।

पूरे देश में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान का ज़िक्र करते हुए कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर इस प्रक्रिया का विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस तरह के विरोध से अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर कांग्रेस के रुख को लेकर कई सवाल खड़े होते हैं। असम कांग्रेस के नेता और लोकसभा सांसद गौरव गोगोई को निशाने पर लेते हुए अमित शाह ने उन्हें चुनौती दी कि वे राज्य की जनता के सामने अपना रुख स्पष्ट करें। कहा कि अगर गौरव गोगोई यहां आते हैं, तो उनसे पूछिए कि वे एसआईआर का विरोध क्यों कर रहे हैं। उन्हें यह साफ करना चाहिए कि वे घुसपैठियों के साथ खड़े हैं या उनके खिलाफ। उल्लेखनीय है कि, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपने असम दौरे की शुरूआत में शनिवार शाम को गुवाहाटी में एक भव्य रोड शो किया था, जिसमें लाखों की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। आज भी शाह नलबाड़ी समेत अन्य चुनावी कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले हैं।

अमित शाह ने असम चुनाव पर नेताओं से चर्चा की

गुवाहाटी। भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार रात असम दौरे के दौरान राज्य भाजपा मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति पर चर्चा की गई। शाह असम विधानसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार को गति देने के उद्देश्य से शाह राज्य में पहुंचे हैं। यहां पहुंचते ही उन्होंने मध्य गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया। इसके साथ ही उन्होंने आर्य विद्यापीठ कॉलेज से नेपाली मंदिर तक आयोजित एक रैली में भी भाग लिया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। रैली के बाद शाह ने राज्य भाजपा कार्यालय में आयोजित अहम बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक में मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं चुनाव प्रभारी बैजयंत जय पांडा, सह-प्रभारी दर्शना जरदोश, प्रदेश प्रभारी हरीश द्विवेदी तथा चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक एवं सांसद प्रदान बरुवा सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक में चुनाव प्रचार की प्रगति की समीक्षा की गई और आगामी चुनाव में भाजपा गठबंधन की मजबूत जीत सुनिश्चित करने के लिए रणनीति तय की गई।

टेली-लॉ पहल न्याय सुलभ बनाने का सशक्त माध्यम: उपराष्ट्रपति

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने टेली-लॉ पहल पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यक्रम में कहा कि न्याय तक पहुंच लोकतंत्र की आधारशिला है और यह सुनिश्चित करना सामूहिक जिम्मेदारी है कि न्याय कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं बल्कि सभी के लिए उपलब्ध अधिकार बने।

उपराष्ट्रपति ने रविवार को यहां विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा दिशा योजना के अंतर्गत आयोजित टेली-लॉ पहल पर राष्ट्रीय परामर्श को संबोधित किया। इस अवसर पर विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

उपराष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर टेली-लॉ पहल को कानूनी सेवाओं का लोकतंत्रीकरण करने वाला सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए, खासकर महिलाओं, ग्रामीण क्षेत्रों और वंचित वर्गों के लिए। यह राष्ट्रीय परामर्श न्याय प्रणाली को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करना ही सच्चे अर्थों में लोकतंत्र को मजबूत करता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि सरकार की विभिन्न पहलों का उद्देश्य यह है कि कोई भी व्यक्ति आर्थिक या भौगोलिक कारणों से न्याय से वंचित न रहे। टेली-लॉ जैसी पहलें इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

भारतीयों में पेट की चर्बी सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट: डॉ. जितेन्द्र सिंह

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि पेट के आसपास जमा चर्बी यानी केंद्रीय मोटापा, सामान्य मोटापे की तुलना में अधिक खतरनाक है। भारतीय संदर्भ में कई बार दुबले-पतले दिखने वाले लोगों में भी आंतरिक चर्बी अधिक होती है, जो गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने यहां हृदय रोग विज्ञान की व्यापक पाठ्य पुस्तक का लोकार्पण करते हुए कहा कि केंद्रीय मोटापा, भले ही व्यक्ति सामान्य दिखे,

फिर भी मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, वसायुक्त यकृत और वसा विकार जैसी कई चयापचय संबंधी बीमारियों का जोखिम बढ़ाता है। पेट की चर्बी अपने आप में एक स्वतंत्र जोखिम कारक है।

उन्होंने कहा कि भारत में मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है लेकिन पेट के आसपास चर्बी का अनुपात असामान्य रूप से अधिक है, जो हृदय एवं चयापचय संबंधी जोखिम को बढ़ाता है। ऐसे में समय पर पहचान और लक्षित उपचार जरूरी है। बदलती जीवनशैली, खानपान की आदतें और शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण युवाओं में भी टाइप-2 मधुमेह और हृदय संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक प्रधानमंत्री मोदी की उस अपील के अनुरूप है, जिसमें उन्होंने मोटापे से निपटने के लिए जागरूकता बढ़ाने और जीवनशैली में बदलाव, विशेषकर तेल और अस्वास्थ्यकर भोजन के सेवन को कम करने पर जोर दिया है। यह पहल विकसित भारत, स्वस्थ भारत और मोटापा मुक्त भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाती है। डॉ. सिंह ने कहा कि मोटापा और वसा असंतुलन भारत और दुनिया में सार्वजनिक स्वास्थ्य के बड़े संकट बनते जा रहे हैं। उन्होंने 2050 तक भारत में मोटापे के मामलों में तेज वृद्धि की आशंका जताते हुए जागरूकता, समय पर जांच और रोकथाम पर जोर दिया।

जीरो टॉलरेंस की हमारी नीति केवल अपराध और अपराधियों के प्रति ही नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के प्रति भी: योगी

सिटी दर्पण संवाददाता

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा रहा है, यह प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ मेरिट तथा आरक्षण के नियमों का पालन करते हुए सम्पन्न हो रही है। इसका परिणाम है कि कहीं भी किसी भी प्रकार का कोई व्यवधान नहीं है। माननीय न्यायालय का किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं है। नौजवानों में कोई अनरेस्ट नहीं है।

मुख्यमंत्री जी आज यहाँ लोक भवन में डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के नवचयनित 665 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के उपरान्त अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जब नियुक्ति प्रक्रिया पारदर्शी होती है, तो उसके परिणाम भी हम सबको देखने को मिलते हैं। उत्तर प्रदेश देश की सर्वाधिक आबादी वाला राज्य है। यहां 25 करोड़ की आबादी निवास करती है। विगत 09 वर्षों में हमने प्रदेश में 09 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। किसी भी चयन प्रक्रिया की शुचिता व पारदर्शिता पर विरोधी भी प्रश्न नहीं उठा सकते हैं, जबकि वर्ष 2017 के पहले सभी नियुक्ति प्रक्रियाएं बाधित थी। वर्ष 2017 के पहले भी यह नियुक्तियां पारदर्शिता से सम्पन्न हो सकती थीं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह 09 लाख नया मैनपावर प्रतिभाशाली और नयी ऊर्जा से भरपूर हैं। इसका लाभ यह हुआ है कि जो राज्य बीमारू था, आज वह देश की इकोनॉमी का ग्रोथ इंजन बन गया है। जिस राज्य के पास पहले वेतन देने के लिए पैसे नहीं थे, आज वह रेवेन्यू सरप्लस स्टेट हो गया है। जो राज्य देश की आबादी में सबसे पहले पायदान पर था, लेकिन प्रति व्यक्ति

आय में सबसे नीचे खड़ा था, आज वह राज्य देश में टॉप-3 अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और अपनी प्रति व्यक्ति आय तथा अर्थव्यवस्था को वर्ष 2016 की तुलना में तीन गुना बढ़ाने में सफल हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जब भी प्रतिभा का सम्मान होगा और उसे प्लेटफॉर्म प्राप्त होगा, तो उसका लाभ राज्य और देश को भी मिलेगा। विगत 09 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा और उनके मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार ने उसी भाव से कार्य किया है। जीरो टॉलरेंस की हमारी नीति केवल अपराध और अपराधियों के प्रति ही नहीं है, बल्कि यह भ्रष्टाचार के प्रति भी है। हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर पहले दिन से ही चल रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रत्येक भर्ती बोर्ड और आयोग को स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भर्ती में किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर ऐसी कठोर कार्यवाही की जाएगी, जो नजीर बने। बड़ी कार्यवाही इसलिए की जाती है कि उत्तर प्रदेश के सामने पहचान का संकट न खड़ा हो। चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता हो तथा किसी भी प्रकार का मानवीय हस्तक्षेप न हो, इसे ध्यान में रखकर पूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। इसी का परिणाम है कि हम लगातार विभिन्न नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रमों से जुड़ रहे हैं।

यह नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम इस बात को भी दर्शाता है कि शासन की निगाह चयन के प्रत्येक स्तर पर है, जिससे प्रतिभाशाली युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जा सके। यदि वर्ष 2017 से पहले यह नियुक्ति प्रक्रिया सम्पन्न हुई होती, तो आप में से किसी की नियुक्ति नहीं होती। क्योंकि बहुत लोगों के अभिभावकों के पास अनैतिक तरीके से नियुक्ति पाने के लिए पैसा नहीं होगा। प्रत्येक योग्य अभ्यर्थी का अधिकार है कि उसकी उसकी योग्यता के अनुसार कार्य मिले। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले यह माना जाता था कि अस्पताल की बिल्डिंग बन जाए और डॉक्टर की नियुक्ति हो जाए, तो स्वास्थ्य सुविधाएं मिल जाएंगी। लेकिन हमारा मानना है कि डॉक्टर सलाह देता है, जबकि चिकित्सीय सेवा की बैकबोन तो नर्सिंग स्टाफ एवं पैरामेडिक्स है। यदि अच्छा व प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ है, तो चिकित्सा सेवाएं सुगमता से आगे बढ़ेंगी। वर्ष 2017 के पूर्व इस दिशा में ध्यान नहीं दिया गया। वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या कम थी। वर्ष 2017 से पहले स्वास्थ्य सुविधाएं भी भगवान भरोसे थी। नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों ने अपने अनुभव व्यक्त करते हुए कहा कि आज मुख्यमंत्री जी के कर-कमलों से नियुक्ति पत्र पाकर उन्हें बहुत खुशी मिल रही है। विगत वर्षों में उत्तर प्रदेश ने मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रगति के नए आयाम स्थापित किए हैं। हमारा चयन पूर्ण पारदर्शिता व निष्पक्षता से आयोजित परीक्षा के माध्यम से हुआ है। हम सभी अपने दायित्वों का पूरी ईमानदारी से निर्वहन करने के लिए तत्पर हैं।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य श्री अमित कुमार घोष, अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति मेजर जनरल डॉ0 अमित देवगन, डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो0 डॉ0 सी0एम0 सिंह, के0जी0एम0यू0 की कुलपति प्रो0 सोनिया नित्यानन्द तथा नवचयनित नर्सिंग अधिकारी उपस्थित थे।

जम्मू का ऐतिहासिक संडे: बारिश की बौछारों के बीच पहली इंटरनेशनल मैराथन का आगाज

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने धावकों संग लगाई 21 किमी की दौड़

एजेंसी (हि.स.)

जम्मू

लगातार बारिश के बावजूद, हजारों उत्साही धावकों ने जम्मू के पहले अंतर्राष्ट्रीय मैराथन में रविवार को हिस्सा लिया जिसे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हरी झंडी दिखाई जो प्रतिभागियों में भी शामिल हुए। मैराथन एम ए स्टेडियम से सूर्योदय के समय शुरू हुई जिसमें तीन दौड़ श्रेणियां शामिल थीं जिनमें हाफ मैराथन (21 किमी), 10 किमी फिटनेस रन और 5 किमी फन रन शामिल थीं। विजेताओं के बीच कुल 1.33 करोड़ रुपये का पुरस्कार वितरित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मनोरंजन और सेलिब्रिटी की भागीदारी के साथ फिटनेस का मिश्रण किया गया। फिटनेस आइकन मिलिंद सोमन और उनकी पत्नी अंकिता कोंवर 21 किलोमीटर की दौड़ में अब्दुल्ला के साथ शामिल हुए जबकि अभिनेत्री गुल पनाग फ्लैग-ऑफ

90 अंतरराष्ट्रीय एथलीटों सहित 4,000 धावकों ने दिखाया दमखम, विजेताओं पर होगी 1.33 करोड़ रुपये के इनामों की बारिश

समारोह में शामिल हुईं। कमाल खान और प्रतीक नरूला की संगीतमय प्रस्तुतियों ने उत्सव के माहौल को और बढ़ा दिया। उद्घाटन संस्करण में 4,000 से अधिक धावकों ने भाग लिया जिनमें जम्मू-कश्मीर के बाहर से 1,000 से अधिक और 90 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय एथलीट शामिल थे। कार्यक्रम में विधायक, और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी सक्रिय रूप से भाग लेते दिखे मुख्यमंत्री के बेटे जहीर और जमीर को भी मैराथन में भाग लेते देखा गया। संयुक्त निदेशक पर्यटन ऐजाज कैसर ने इस अवसर को जम्मू के लिए ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा कि बारिश के बावजूद लोग बड़ी संख्या में बाहर आए हैं जो जम्मू में बढ़ती फिटनेस संस्कृति को दर्शाती है। उन्होंने व्यवस्थाओं के बारे में उन्होंने कहा कि धावकों की सुविधा के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। कैसर ने कहा कि सड़क अच्छी तरह से बनी है इसलिए फिसलन भरी नहीं होगी। हां कुछ ऊंचाई है लगभग 450-500 मीटर, लेकिन प्रतिभागियों को पहले से सूचित किया गया था। यह सबसे कठिन शहरी मैराथन में से एक होगी और लोग अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। पर्यटन प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि 4,000 से अधिक प्रतिभागी इस आयोजन के पैमाने को रेखांकित करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि पर्यटक दो दिन भी रुकते हैं, तो इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलता है जैसे ही यह एक वार्षिक कार्यक्रम बन जाता है, पर्यटन और बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि मैराथन को अंतरराष्ट्रीय धावकों को आकर्षित करते हुए जम्मू के स्थलों और संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन किया गया है। संयुक्त निदेशक ने कहा कि हम केवल स्थानीय लोगों को ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर चल रही बिरादरी को सेवाएं दे रहे हैं। कन्या के अंतरराष्ट्रीय धावकों सहित प्रतिभागियों ने इस आयोजन की भावना की सराहना की। पहली बार जम्मू आए फ्रैंकलिन ने कहा कि बारिश में दौड़ना असामान्य नहीं है और उन्होंने जम्मू को अनुकूल परिस्थितियों के साथ एक शांत और बेहतर जगह बताया। एक अन्य एथलीट एडविन ने मौसम को चुनौतीपूर्ण बताया लेकिन सुचारू व्यवस्था और आतिथ्य की सराहना की।

हिमाचल कांग्रेस की नई टीम घोषित 27 महासचिव, 12 उपाध्यक्ष नियुक्त

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने करीब 17 महीने बाद हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की नई राज्य कार्यकारिणी का ऐलान कर दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के सी वेणुगोपाल की ओर से शनिवार देर रात जारी अधिसूचना के अनुसार सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं। इस बार संगठन में 27 महासचिव और 12 उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। खास बात यह है कि कई नए और युवा चेहरों को महासचिव जैसे अहम पदों पर जगह दी गई है, जबकि ऐसे कई नेताओं को भी संगठन में जिम्मेदारी दी गई है जिन्हें विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिल पाया था। पूर्व कुछ विधायकों को उपाध्यक्ष बनाया गया है। वर्ष 2027 के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए इन नियुक्तियों को अहम माना जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस में महासचिव पद पर जिन नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है उनमें विनोद जिंटा, पवन ठाकुर, अनीता वर्मा, अमित भरमौरी, हरि कृष्ण हिमराल, सुरिंदर मनकोटिया, यश पाल तनेक, विकास ठाकुर, यशवंत खन्ना, रंजीत सिंह राणा, धर्मेंद्र धामी, मनमोहन कटोच, सुरेश नागटा, विवेक कुमार, देविंदर जग्गी, महेंद्र स्टन, हरि चंद शर्मा, सत्यजीत नेगी, रमेश चौहान, ज्योति खन्ना, यदुपति ठाकुर, सोनिया चौहान, बलविंदर बबलू, रमेश ठाकुर, चंदर शेखर शर्मा, उपेंद्र कांत मिश्रा और दीपक शर्मा शामिल हैं। उपाध्यक्ष पद पर पूर्व मंत्री प्रकाश चौधरी, पूर्व विधायक नीरज भारती, बंबर ठाकुर और सतपाल रायजादा, रजनीश किमटा, परस राम, मोहिंदर चौहान, जीवन ठाकुर, करण सिंह पठानिया, अमित नंदा, चेत राम ठाकुर और चंद्र प्रभा नेगी को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं मदन चौधरी को प्रदेश कांग्रेस का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राजनीतिक मामलों की समिति में अध्यक्ष विनय कुमार सहित मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, मुकेश अग्निहोत्री, आनंद शर्मा, प्रतिभा सिंह, अनुराग शर्मा, कौल सिंह ठाकुर, कुलदीप कुमार, आशा कुमारी, चंदर कुमार चौधरी, कर्नल धनी राम शांडिल, हर्षवर्धन चौहान, रोहित ठाकुर, जगत सिंह नेगी, अनिरुद्ध सिंह, विक्रमादित्य सिंह, राजेश धर्माणी, यादवेंद्र गोमा, राम लाल ठाकुर, नंद लाल, आरएस बाली, भवानी सिंह पठानिया, केहर सिंह खाची, सुरेंद्र शर्मा तथा महासचिव (संगठन) को सदस्य बनाया गया है। कार्यकारी समिति में सुखविंद्र सिंह सुक्खू, मुकेश अग्निहोत्री, आनंद शर्मा, प्रतिभा सिंह, आशा कुमारी, धनी राम शांडिल, विप्लोव ठाकुर, कौल सिंह ठाकुर, चंद्र कुमार, कुलदीप कुमार, कुलदीप सिंह राठौर, हर्षवर्धन चौहान, जगत सिंह नेगी, रोहित ठाकुर, अनिरुद्ध सिंह, विक्रमादित्य सिंह, राजेश धर्माणी, यादवेंद्र गोमा, राम लाल ठाकुर, गंगूराम मुसाफिर और अनीता वर्मा को शामिल किया गया है। अनुशासनात्मक समिति का अध्यक्ष पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप सिंह राठौर को बनाया गया है। इसके सदस्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान, विधायक आशीष बुटेल, भवानी सिंह पठानिया, बाबा हरदीप सिंह, नीरज नायर, अनुराधा राणा और महासचिव (संगठन) होंगे।

डॉ. मीर शाहनवाज को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने किया सम्मानित

एजेंसी (हि.स.)

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के प्रमुख त्वचा विशेषज्ञ डॉ. मीर शाहनवाज को वर्ष 2026 के सबसे भरोसेमंद त्वचा विशेषज्ञ और कॉस्मेटोलॉजिस्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान 28 मार्च 2026 की शाम हरि निवास पैलेस में आयोजित एक समारोह के दौरान दिया गया। इस अवसर पर चिकित्सा क्षेत्र, प्रशासन और नागरिक समाज की कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं, जिन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान का उत्सव मनाया। त्वचाविज्ञान और कॉस्मेटिक चिकित्सा के क्षेत्र में अग्रणी पहचान रखने वाले डॉ. शाहनवाज ने जम्मू-कश्मीर में त्वचा और बालों के उपचार को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्रीनगर स्थित डर्मिस स्किन लेजर एंड हेयर ट्रांसप्लांट क्लिनिक के संस्थापक और निदेशक के रूप में उन्होंने एक आधुनिक और तकनीक-

आधारित चिकित्सा केंद्र स्थापित किया है, जहां उन्नत और प्रमाण-आधारित उपचार उपलब्ध कराए जाते हैं। डॉ. शाहनवाज अत्याधुनिक लेजर तकनीक और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सौंदर्य प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने जिद्दी रंजकता, मेलास्मा, मुंहासों के निशान और बाल झड़ने जैसी जटिल समस्याओं के उपचार में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उनका कार्य वैज्ञानिक सटीकता और मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण का संतुलित उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस अवसर पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने डॉ. शाहनवाज की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे समर्पित विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं के स्तर को ऊंचा उठाने में अहम भूमिका निभाते हैं और क्षेत्र में विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में

अवैध खनन पर कार्रवाई: जम्मू पुलिस ने 2 वाहन जब्त किय

जम्मू। अवैध खनन के खिलाफ अपनी मुहिम जारी रखते हुए जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में खनन सामग्री के अवैध परिवहन में शामिल दो वाहनों को जब्त किया। चिनोर पुलिस चौकी की एक पुलिस टीम ने पंजीकरण संख्या जेके02डीएम-9912 वाली एक ट्रैक्टर ट्रॉली को रोका जिसमें खनन सामग्री (पत्थर) लदी हुई थी। वाहन वैध अनुमति के बिना चल रहा था और उसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया। एक अन्य कार्रवाई में डोमाना पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने अकालपुर में एक ट्रैक्टर ट्रॉली को रोका जिसमें खनन सामग्री लदी हुई थी। वाहन वैध अनुमति के बिना पाया गया और उसे जब्त कर लिया गया। दोनों मामलों में जिला खनिज अधिकारी (डीएमओ), जम्मू को खनन कानूनों के संबंधित प्रावधानों के तहत आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए सूचित कर दिया गया है।

व्यक्ति एवं राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण करना ही संघ का लक्ष्य : होसबाले

एजेंसी (हि.स.)

धर्मशाला

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला कांगड़ा द्वारा रविवार को धर्मशाला में एक जन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले बतौर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी संघ कार्य कि 100 वर्षों की यात्रा को पूर्ण किया है। इन सौ वर्षों में संघ ने सेवा एवं समर्पण भाव से देश सेवा एवं राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दिया। स्वतन्त्रता सेनानी एवं संघ संस्थापक डा. हेडगेवार जी ने भारत को स्वतंत्र एवं शक्तिशाली बनाने के लिए विजयदशमी 1925 के दिन संघ का कार्य प्रारम्भ किया। देश भक्ति से ओत प्रोत एवं समाज का भला करने वाले व्यक्ति संघ की नित्य शाखा से निर्माण हो रहे हैं। संघ का कार्य हिन्दू समाज को संगठित, सशक्त एवं समर्थ बनाने के लिए चल रहा है। उन्होंने कहा की संघ देश को अच्छा करने के लिए सामान्य

व्यक्ति के व्यक्तिगत चरित्र एवं राष्ट्रीय चरित्र दोनों को ठीक करने की दृष्टि से कार्य कर रहा है। समाज की उन्नति के लिए समाज का संगठन करना, सामूहिक प्रयास करना, सबको साथ लेकर चलना यह भी अति आवश्यक है। देश के सवार्गीण विकास में सभी का योगदान होना चाहिए। संघ सभी प्रकार के भेदभाव को समाप्त कर समाज के लिए कार्य करता है। संघ केवल एक संगठन नहीं बल्कि राष्ट्रीय आंदोलन है और संघ कार्यकताओं के लिए एक जीवन शैली है।

वर्तमान में अपना भारत देश दुनिया में अग्रणी देशों में से एक है। संघ कार्य का लक्ष्य भारत को समरस, समर्थ एवं समर्थ बनाने का है। भारत दुनिया को जीवन जीने की शैली बता रहा है। अन्य देश भारत का अनुसरण कर रहे हैं। कार्यक्रम में प्रमुख जनों द्वारा सामाजिक, आर्थिक राजनैतिक, सेवा कार्य एवं देश दुनिया की वर्तमान परिस्थिति, शिक्षा नीति, संस्कार पक्ष, संघ में महिलाओं की सहभागिता को लेकर प्रश्न भी पूछे गए जिनका सरकार्यवाह द्वारा समाधान किया गया।

सरकार्यवाह दत्तात्रेय ने कहा कि आज देश में एक लाख से अधिक सेवा कार्य चल रहे हैं। एक लाख से अधिक स्थानों पर शाखा मिलन संघ मंडली चल रही है। संघ के स्वयंसेवक समाज जीवन में अनेक क्षेत्रों, गतिविधियों में समाज के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं।

संक्षिप्त-समाचार

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में आपसी झड़प में 3 सैनिक घायल

श्रीनगर। कुपवाड़ा जिले में शनिवार रात एक सैन्य शिविर के भीतर फायरिंग की घटना में तीन सैनिक घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार यह घटना त्रेहगाम इलाके में स्थित एक सैन्य कैंप में हुई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, एक सैनिक ने कथित तौर पर अपने ही साथियों पर गोलियां चला दीं। घटना के बाद कैंप में अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा बलों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपित जवान को काबू में कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि इस फायरिंग में तीन सैनिक घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए स्थानीय सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। फिलहाल घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। सेना और संबंधित एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं। घटना के बारे में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

10 अप्रैल तक करवा सकते हैं परिवार पंजीकरण : जफर इकबाल

धर्मशाला। धर्मशाला नगर निगम के तहत आने वाले सभी वार्डों के जो परिवार अपना पंजीकरण नही करवा पाए हैं वह आगामी 10 अप्रैल तक पंजीकरण करवा सकते हैं। आयुक्त नगर निगम धर्मशाला जफर इकबाल ने बताया कि धर्मशाला नगर निगम के सभी वार्डों में परिवार रजिस्टर सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के लिए विभिन्न वार्डों में कैम्प का आयोजन भी किया गया था, परन्तु अब भी जो परिवार रजिस्ट्रेशन नहीं करवा पाए है, उनके लिए अंतिम बार 10 अप्रैल तक का समय दिया गया है। ऐसे परिवार परिवार रजिस्ट्रेशन के लिए 1 से 10 वार्ड के लिए गठित टीम के इंचार्ज आकाश के मोबाईल नंबर 9805843438 पर तथा 11 से 17 वार्ड के इंचार्ज अंकेश के मोबाईल नंबर 7807318965 पर सम्पर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि परिवार रजिस्ट्रेशन के लिए पहचान पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड, परिवार के सदस्यों का विवरण अवश्य दें ताकि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्य शीघ्रता से पूर्ण किया जा सके।

हिमाचल में पंचायत चुनाव से पहले 870 पीईटी भर्ती पूरी करने की मांग

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में 870 शारीरिक शिक्षकों (पीईटी) की प्रस्तावित भर्ती प्रक्रिया एक बार फिर देरी की आशंका के कारण चर्चा में है। बेरोजगार शारीरिक कल्याण संगठन ने चिंता जताई है कि यदि जिलों से जरूरी रिकॉर्ड समय पर शिक्षा विभाग को नहीं भेजा गया तो पंचायत चुनाव से पहले भर्ती प्रक्रिया पूरी करना मुश्किल हो सकता है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राजपूत ने कहा कि 19 मार्च को शिक्षा विभाग, शिमला की ओर से सभी जिलों के उपनिदेशकों से भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक दस्तावेज और आंकड़े पांच दिनों के भीतर भेजने को कहा गया था। उनका कहना है कि अब तक कई जिलों से यह जानकारी विभाग को नहीं मिल पाई है, जिससे प्रक्रिया आगे बढ़ने में देरी हो रही है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि यह स्थिति बनी रहती है तो आगामी पंचायत चुनाव के दौरान लागू होने वाली आचार संहिता के कारण भर्ती प्रक्रिया एक बार फिर रुक सकती है। संगठन का कहना है कि प्रदेश सरकार की ओर से पहले यह भरोसा दिया गया था कि पंचायत चुनाव से पहले भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए बेरोजगार अभ्यर्थियों में फिर से चिंता बढ़ गई है। संगठन ने सभी जिला उपनिदेशकों से अपील की है कि आवश्यक दस्तावेज तुरंत उपलब्ध कराए जाएं, जिससे लंबे समय से लंबित इस भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके और पात्र अभ्यर्थियों को राहत मिल सके।

शिमला में दो चिट्टा सप्लायर गिरफ्तार

शिमला। शिमला जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने चिट्टे की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क पर एक और बड़ी कार्रवाई की है। मामले में पहले गिरफ्तार किए गए आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें इस खेप का सप्लायर बताया जा रहा है। पुलिस दोनों आरोपियों को रविवार को अदालत में पेश कर रही है। पुलिस के अनुसार 12 मार्च को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर बडियारा इलाके में कार्रवाई की गई थी। इस दौरान पुलिस ने ललित कुमार उर्फ बनी, निवासी गांव सुंधा भौंडा, तहसील चिडगांव, जिला शिमला को गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से करीब 6 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ था। इस मामले में थाना में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत केस दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को अदालत में पेश किया गया था और वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है।

हाईवे किनारे स्टॉल लगाने पर दो लोगों पर केस दर्ज, यातायात बाधित करने का आरोप

शिमला। शिमला जिले के रामपुर उपमंडल में राष्ट्रीय राजमार्ग-05 पर नोगली बाजार क्षेत्र में सड़क किनारे खाद्य स्टॉल लगाकर यातायात में बाधा पहुंचाने के आरोप में पुलिस ने दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। दोनों मामलों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 285 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार पहला मामला हेड कांस्टेबल हरीश की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया। शिकायत में बताया गया कि शनिवार शाम करीब 6:45 बजे जब पुलिस टीम नोगली बाजार में गश्त पर थी, तब दीप प्रकाश (32 वर्ष), निवासी वार्ड नंबर-1 पिपटी, राष्ट्रीय राजमार्ग-05 के किनारे सड़क के हिस्से पर कब्जा करके खाद्य स्टॉल चला रहे थे। इससे यातायात प्रभावित हो रहा था और आम लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही थी। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसी तरह दूसरा मामला भी हेड कांस्टेबल राजेश कुमार की शिकायत पर दर्ज किया गया।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

लाखों लोगों को राहत देने वाली योजनाओं के प्रति मुख्यमंत्री के मन में घृणा का भाव: जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)

मंडी

मंडी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के उपरांत पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में जब से कांग्रेस की सरकर बनी है, कभी संस्थान बंद कर, कभी हमारी योजनाओं को बंद करते हुए साढ़े तीन साल का कार्यकाल पूरा किया है। उन्होंने कहा कि मैं पहले दिन से इस बात को देख रहा था कि हमारी सरकार की योजनाओं के प्रति मुख्यमंत्री के मन में बहुत घृणा का भाव है।

तीन साल के कार्यकाल में उनसे कोई बड़ी लकीर खींची नहीं जा सकी इसलिए वह औरों की खींची हुई लकीर मिटाने में लगे हैं। यह किसी नेता का बड़प्पन नहीं होता। उन्होंने कहा कि जिन झूठी गारंटियों के दम पर कांग्रेस पार्टी सत्ता में आई, आज उन पर बात करने से ही कांग्रेस के नेता भागते हैं। मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों के पास

उनकी झूठी गारंटियों पर बोलने के लिए एक शब्द नहीं है। इसलिए वह अब पूर्व सरकार की योजनाओं को बदनाम कर रहे है। जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री इस समय हिटलर के प्रोपेगेंडा मंत्री जोसेफ गोएबल्स की तरह एक ही झूठ को बार-बार बोलकर, अपने सरकारी तंत्र से उसे प्रचारित करवा कर, अपने झूठ को सही साबित करना चाहते हैं।

इसलिए वह हिम केयर के बारे में भी सिर्फ झूठ बोलने के मॉडल को ही आगे बढ़ा रहे हैं। लेकिन वह भूल रहे हैं कि जिस योजना की वजह से प्रदेश में 11 लाख से ज्यादा लोगों को निःशुल्क इलाज मिला, लाखों लोगों को जिंदगी मिली। उसे योजना के बारे में उनका झूठ काम नहीं करेगा, वह बेनकाब होंगे। उनका झूठ उनकी नीयत को भी सामने लाएगा। जिस योजना पर भाजपा सरकार ने 450 करोड़ रुपए खर्च किए हों उसे 1100 करोड़ रुपए का घोटाला कोई मुख्यमंत्री कैसे बोल सकता है। जयराम ठाकुर ने सुखविंदर सिंह सुक्खू को झूठ बोलने और षडयंत्र रचने में माहिर करार दिया। जयराम ठाकुर ने कि मुख्यमंत्री की कार्यशैली के बारे में स्वयं छह बार के मुख्यमंत्री रहे स्वर्गीय वीरभद्र सिंह भी अक्सर यही टिप्पणी किया करते थे और आज वर्तमान में खुद कांग्रेसी नेता भी अपनी ही सरकार से दुखी हैं।

जम्मू (ग्रामीण) पुलिस के लिए बड़ी सफलता; दोमाना में तीन ड्रग तस्कर गिरफ्तार

जम्मू। नशीली दवाओं की तस्करी और मादक द्रव्यों के सेवन के खिलाफ अपनी निरंतर कार्रवाई जारी रखते हुए जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार कर और 7.21 ग्राम हेरोइन जैसा प्रतिबंधित पदार्थ बरामद करके एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। विशिष्ट सूचना पर पुलिस स्टेशन डोमाना की एक पुलिस टीम ने एसएचो डोमाना के नेतृत्व में मुथी डोमाना में एक त्वरित अभियान चलाया और तीन ड्रग तस्करों को पकड़ा जिनकी पहचान मोहित शर्मा पुत्र पवन कुमार शर्मा निवासी ड्रीम सिटी, मुथी जम्मू, अंकित महाजन पुत्र अनिल गुप्ता निवासी चौधरी लेन, रूप नगर, जम्मू, अंकित भट्ट पुत्र चमन लाल भट्ट निवासी रूप नगर जम्मू के रूप में हुई है। उनकी व्यक्तिगत तलाशी के दौरान उनके कब्जे से एक इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन के साथ 7.21 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया। बरामद तस्करी और अन्य आपत्तिजनक सामग्री को मौके पर ही जब्त कर सील कर दिया गया। इसके अतिरिक्त पंजीकरण संख्या जेके02सीयू-7166 वाला एक वाहन भी जब्त कर लिया गया जिसका इस्तेमाल अपराध को अंजाम देने में किया जा रहा था। इस संबंध में एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धारा 8/21/22/29 के तहत पुलिस स्टेशन दोमाना में एफआईआर संख्या 70/2026 दर्ज की गई है।

कालाअंब में फैक्ट्री में बॉयलर फटने से हड़कंप, धमाके से मशीनरी के उड़े परखच्चे

एजेंसी (हि.स.)

नाहन

औद्योगिक क्षेत्र कालाअंब में रविवार सुबह एक भीषण औद्योगिक हादसा पेश आया है। यहाँ वाहनों के सेफ्टी ग्लास तैयार करने वाली प्रमुख इकाई हिम सेफ्टी ग्लास में अचानक बॉयलर फटने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। धमाका इतना जोरदार था कि फैक्ट्री के एक बड़े हिस्से में अफरा-तफरी मच गई और मशीनरी को काफी क्षति पहुँची है।

मिली जानकारी के मुताबिक यह हादसा सुबह करीब 7:30 बजे हुआ, जब यूनिट में कामकाज शुरू किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक बॉयलर का एक हिस्सा जोरदार धमाके के साथ फट गया। विस्फोट की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बॉयलर का ऊपरी भारी धातु कवर उखड़कर काफी दूर जा गिरा, जिससे यूनिट के भीतर भारी दबाव की स्थिति पैदा हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुँची।

पुलिस अधीक्षक सिरमौर निश्चित सिंह नेगी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि इस हादसे में फैक्ट्री की मशीनरी और बुनियादी ढांचे को भारी क्षति पहुँची है। हालांकि, राहत की बात यह रही कि कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। एसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि विस्फोट की चपेट में आने से आधा दर्जन (6) श्रमिकों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें तुरंत प्राथमिक उपचार उपलब्ध करवा दिया गया है। फिलहाल सभी घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। शुरूआती तौर पर इसे बॉयलर विस्फोट का मामला माना जा रहा है, लेकिन धमाका तकनीकी खराबी के कारण हुआ या किसी और वजह से, इसका खुलासा विशेषज्ञों की गहन जांच के बाद ही हो पाएगा।

भारी बर्फबारी के कारण बांदीपोरा-गुरेज रोड वाहनों के लिए बंद

एजेंसी (हि.स.)

बांदीपुरा

85 किलोमीटर लंबी बांदीपुरा-गुरेज सड़क पर वाहनों की आवाजाही एहतियात के तौर पर निलंबित कर दी गई है क्योंकि गुरेज और तुलैल समेत बांदीपुरा जिले के ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी जारी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 28-31 मार्च तक व्यापक रूप से हल्की से मध्यम बर्फबारी और बारिश होने की संभावना है 30 मार्च को कश्मीर घाटी में अलग-अलग स्थानों पर भारी बर्फबारी होने की संभावना है। एक दिन पहले कठुआ में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था जबकि गुलमर्ग अधिकतम 13.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 3.5 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा था। पहलगाम में कुल न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कटरा में 5.6 डिग्री सेल्सियस की सबसे अधिक वृद्धि देखी गई, जबकि गुलमर्ग, जम्मू और भद्रवाह में तापमान में मामूली कमी देखी गई।

कश्मीर के ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी, घाटी के मैदानी इलाकों में बारिश

श्रीनगर। मौसम विभाग ने रविवार को कहा कि कश्मीर के ऊंचाई वाले कई इलाकों में ताजा बर्फबारी के कारण दो राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गए हैं जबकि घाटी के मैदानी इलाकों में बारिश हुई है। अधिकारियों ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के तहत, गुलमर्ग, पहलगाम, युसमर्ग, गुरेज, राजदान टॉप और सोनमर्ग-जोजिला एक्सिस सहित ऊंचे इलाकों में रात भर हल्की से मध्यम बर्फबारी हुई।

मौसम

हिमाचल में बारिश-बर्फबारी से फिर लौटी ठंड

अटल टनल रोहतांग में बर्फबारी, मार्च के अंत में दिसंबर जैसी ठंड

ऑरेंज अलर्ट के बीच ओलावृष्टि का साया

एजेंसी (हि.स.)

शिमला/मनाली

हिमाचल प्रदेश में मार्च के विदा होते दिनों में कुदरत ने एक बार फिर करवट बदली है। मैदानी इलाकों में जहां लोग गर्मी की आहट महसूस कर रहे थे, वहीं देवभूमि के ऊंचे पहाड़ों पर हुई ताजा बर्फबारी और निचले इलाकों में झमाझम बारिश ने दिसंबर-जनवरी जैसी सिहरन पैदा कर दी है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से समूचे प्रदेश के तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। आलम यह है कि पर्यटन स्थलों पर सैलानी और स्थानीय लोग एक बार फिर भारी ऊनी कपड़ों और जैकेटों में लिपटे नजर आ रहे हैं।

विशेष रूप से सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अटल टनल रोहतांग के साउथ पोर्टल पर रविवार सुबह से ही बर्फबारी का दौर जारी है। बर्फ की सफेद

चादर बिछने के कारण लाहौल-स्पीति और कुल्लू घाटी के बीच यातायात प्रभावित हुआ है। लाहौल प्रशासन ने एहतियात के तौर पर सोलंग बैरियर से आगे केवल फोर-व्हील ड्राइव (44) वाहनों को ही जाने की अनुमति दी है, जबकि दोपहिया और सामान्य पर्यटकों के वाहनों पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने प्रदेश के पांच जिलों–शिमला, चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। विभाग के अनुसार, इन क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ ओलावृष्टि और आसमानी बिजली गिरने की प्रबल संभावना है। इसके साथ ही ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर और सोलन जैसे मैदानी व मध्यम ऊंचाई वाले जिलों में 'येलो अलर्ट' के तहत 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अंधड़ चलने की चेतावनी दी गई है। आंकड़ों पर गौर करें तो पिछले 24 घंटों में कांगड़ा में सर्वाधिक 14.5 मिमी और जोत में 15 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। धर्मशाला, मनाली, नाहन और जुब्बड़हट्टी में भी हल्की से मध्यम वर्षा का क्रम जारी है। इस बेमौसम बारिश ने जहां बागवानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं (विशेषकर सेब की फ्लावरिंग सेटिंग के समय ओलावृष्टि का डर), वहीं सैलानियों के लिए यह सुहावना तोहफा बनकर आया है। तापमान के आंकड़ों ने मार्च के महीने में सर्दी की वापसी की पुष्टि कर दी है। प्रदेश के जनजातीय जिले लाहौल-स्पीति के ताबो में न्यूनतम तापमान 3.1 डिग्री और केलांग में 3.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

वहीं कुफरी (8.6 डिग्री) और कल्पा (6.6 डिग्री) जैसे पर्यटन केंद्र भी कड़ाके की ठंड की चपेट में हैं। राजधानी शिमला में न्यूनतम तापमान 12.0 डिग्री रहा, जो सामान्य से कम है। कुल्लू और लाहौल-स्पीति जिला प्रशासन ने पर्यटकों और स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे खराब मौसम के दौरान नदी-नालों के समीप न जाएं और बहुत जरूरी होने पर ही ऊंचाई वाले क्षेत्रों का रुख करें। अटल टनल के पास फिसलन बढ़ने के कारण ड्राइविंग जोखिम भरी हो गई है। बीआरओ (इफ्ढ) की टीमें सड़कों से बर्फ हटाने के काम में जुटी हैं, लेकिन लगातार हो रही बर्फबारी काम में बाधा डाल रही है।

सरकार ने गोहाना विधानसभा के विकास के लिए 1,794 करोड़ रुपये खर्च किए: नायब सिंह सैनी

113.62 करोड़ रुपये के 16 विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को गोहाना में राज्य सरकार के रिकॉर्ड विकास पर बल देते हुए कहा कि पिछले 11.5 सालों में की गई 97 घोषणाओं में से 87 पूरी हो चुकी हैं, और बाकी प्रोजेक्ट्स पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार से एकदम अलग मौजूदा सरकार ने गोहाना विधानसभा क्षेत्र के विकास में 1,794 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जो 10 साल के कांग्रेस शासन के दौरान खर्च किए गए 741 करोड़ रुपये से अधिक है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के दौरान खर्च किए गए पैसे भ्रष्टाचार में डूबे हुए थे और उनमें सही जवाबदेही तय नहीं थी।

मुख्यमंत्री रविवार को गोहाना में हुई धन्यवाद एवं विकास रैली में भारी भीड़ को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 113.62 करोड़ रुपये के 16 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किया। इनमें 20.52 करोड़ रुपये की सात परियोजनाओं का उद्घाटन और 93.10 करोड़ रुपये की नौ विकास कार्यों का शिलान्यास शामिल है। उन्होंने गोहाना विधानसभा क्षेत्र का तेज गति से विकास करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

हरियाणा की प्रगति पर बल देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी नेतृत्व में राज्य और देश दोनों विकास की नई ऊंचाइयों से दुनिया भर में पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि ह्नडबल इंजन सरकारह्व ने यह वादा किया है कि विकास का लाभ हर घर तक पहुंचे। किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त, युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाए और महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान बढाया जाए।

उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी के संकल्प पत्र में किए गए 217 वादों में से 60 पूरे हो चुके हैं, जबकि 153 वादों पर काम चल रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी वादे पांच साल के समय में पूरे कर लिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने जनहित कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि 5,000 करोड़ रुपये के साथ शुरू की गई दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत करीब 10 लाख महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपये की वितिय सहायता दी जा रही है। अब तक इस स्कीम के तहत 834 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं, और मौजूदा बजट में 1.8 लाख रुपये तक की सालाना आय वाले परिवारों को कवर करने के लिए 6,500 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य में सभी फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही हैं। कृषि क्षेत्र में पिछले 11 सालों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 16,160 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया है, जबकि पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान 1,138 करोड़ रुपये दिए गए थे। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार 69 करोड़ रुपये 2014 में सरकार संभालने के बाद मौजूदा सरकार ने किसानों को दिए गए है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत, 20.18 लाख किसानों के खाते में 22 किश्तों में 7,562 करोड़ रुपये सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाकर 3,200 रुपये प्रति महीना कर दिया गया है। मुख्यमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत, 18,470 परिवारों को प्लॉट और फ्लैट दिए गए हैं, जबकि मुख्यमंत्री ग्रामीण योजना के तहत 12,031 प्लॉट आवंटित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने आयुष्मान भारत-चिरायु योजना, किडनी के मरीजों के लिए फ्री डायलिसिस सेवा और बिना ह्नखर्ची-पर्चीह्व के सरकारी नौकरियों में पारदर्शी भर्ती जैसी खास नागरिक-केंद्रित सेवाओं के बारे में भी अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए बिना रुकावट निर्बाध बिजली सप्लाई करने के लिए तीसरी पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, हरियाणा एग्री डिस्कॉम बनाई गई है। इसके अलावा, 1.40 लाख हेक्टेयर खारी पानी की जमीन को खेती लायक बनाया जाएगा।

भाजपा प्रधान मोहन लाल कौशिक ने बोलते हुए कहा कि मौजूदा सरकार ने मेरिट के आधार पर रोजगार, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं, किसानों के लिए सही फसल के दाम और महिलाओं के लिए सामाजिक सुरक्षा मजबूत की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलते हुए विकास कार्य कर रहे हैं।

सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि लोगों ने 2024 में लगातार तीसरी बार बीजेपी को सत्ता में लाने के लिए वोट दिया है, जिससे यह जनता की सरकार बन गई है। उन्होंने गोहाना में पार्टी की पहली जीत के लिए समाज के सभी वर्गों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि आज लोगों को भरोसा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के हाथों में उनके हित सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ह्नहरियाणा एक-हरियाणवी एकह्व के सिद्धांत पर काम कर रही है। डॉ. शर्मा ने कहा कि मौजूदा बजट को विकास पर आधारित बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने 5,000 से ज्यादा सुझाव लिए। लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ राज्य में 10 लाख से अधिक पात्र महिलाओं को मिल रहा है और अब आय लिमिट 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.80 लाख रुपये कर दी गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की नेतृत्व में गोहाना में तेजी से इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट हो रहा है और गोहाना को गुरुग्राम और फरीदाबाद की तरह विकसित करने का विजन तैयार किया गया है। उन्होंने गोहाना को जिले का दर्जा देने की मांग का जिक्र करते हुए आश्वस्त किया कि मुख्यमंत्री आने वाले समय में इस उम्मीद को पूरा करेंगे। उन्होंने गोहाना विधानसभा क्षेत्र की कई मांगें भी मुख्यमंत्री को सौंपीं। इस मौके पर विकास और पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा, राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, विधायक निखिल मदान, कृष्णा गहलावत, पूर्व मेयर राजीव जैन, किरण कलकल और दूसरे गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

प्रदेश में शिक्षा, चिकित्सा और सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता : कृष्ण कुमार बेदी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रदेश सरकार हर नागरिक को शिक्षा, चिकित्सा और सुरक्षा प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध करवाने को लेकर संकल्पित है। हरियाणा शिक्षा के क्षेत्र में नई-नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है।

श्री बेदी रविवार को रेवाड़ी के जैन पब्लिक स्कूल के 40वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार देश और प्रदेश में नागरिकों को सभी जरूरी सुविधाएं देने के उद्देश्य से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश के हर नागरिकों को शिक्षा, चिकित्सा और सुरक्षा मुहैया करवाने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के सरकारी व निजी संस्थानों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करवाया जा रहा है। वहीं आवश्यकता अनुसार विद्यार्थियों को सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश का एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

उन्होंने इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन कमेटी की ओर से रखी गई मांगों को भी पूरा करने का आश्वासन दिया और उन्होंने स्कूल के होनहार विद्यार्थियों को पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र वितरित कर प्रोत्साहित भी किया।

समाज में एकजुटता, सहयोग और सेवा की भावना को मजबूत करते सामाजिक आयोजन : प्रो. असीम कुमार घोष

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम घोष ने कहा कि सामाजिक आयोजन समाज में एकजुटता, सहयोग और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। यह हम सभी की साझा जिम्मेदारी है कि हम एक ऐसे संवेदनशील और समावेशी समाज का निर्माण करें, जहां जाति, धर्म या क्षेत्र से परे प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण को सुनिश्चित किया जा सके। राज्यपाल रविवार की देर शाम स्थानीय अपैरल हाउस में बंगिया परिषद की स्थापना वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल प्रो. असीम घोष ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करने उपरांत अपने संबोधन में संस्था के सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान की प्रशंसा करते कहा कि रक्तदान, अंगदान, जरूरतमंद बच्चों को पुस्तकें एवं वस्त्र उपलब्ध कराने जैसी पहलें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सामुदायिक संगठनों को अपनी भूमिका का विस्तार करते हुए सरकार, प्रशासन, कॉर्पोरेट क्षेत्र और अन्य सामाजिक संस्थाओं के साथ समन्वय बढ़ाना चाहिए। इससे स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, आपदा राहत और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में अधिक प्रभावी और व्यापक कार्य किया जा सकता है।

राज्यपाल ने बंगिया परिषद के सदस्यों से आह्वान करते हुए कहा कि सभी मिलकर एक ऐसा मजबूत तंत्र विकसित करें, जिसमें सामुदायिक संगठनों को सशक्त बनाकर विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंच सके।

बंगिया परिषद के अध्यक्ष मलय नंदी ने राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष का पुष्पगुच्छ भेंट कर कार्यक्रम में पहुंचने पर स्वागत किया। उन्होंने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पहुंचे राज्यपाल को स्मृति स्वरूप देवी की प्रतिमा भेंट की। उल्लेखनीय है कि दो दशक पूर्व वर्ष 2006 में बंगिया परिषद की स्थापना की गई थी। इस अवसर पर बर्टोल्ट ब्रेख्त के नाटक द एक्सेप्शन एंड द रूल पर आधारित ह्नव्यातिक्रमह्व नाटक का भी मंचन हुआ। नंदीकर द्वारा तैयार इस प्रस्तुति का रुपांतरण रुद्रप्रसाद सेन गुप्ता व निर्देशन सोहिनी सेन गुप्ता ने किया। राज्यपाल व समारोह में पहुंचे लोगों ने नाटक के कथानक और पात्र कलाकारों के अभिनय की सराहना की।

पंजाब में झूठ के सहारे कब तक सियासत चलेगी, जनता चाहती है बदलाव: सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज हम एक ऐसे दौर में खड़े हैं, जहां जागरूक जनता सब कुछ देख रही है, समझ रही है और अपने अनुभव के आधार पर निर्णय ले रही है। पंजाब की जनता ने पहले कांग्रेस और फिर आम आदमी पार्टी को मौका दिया। उन्होंने बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन, आज पंजाब का हर वर्ग पूछ रहा है कि कहां गए वो वादे और कहां है वह बदलाव, जिसकी बात की गई थी। मुख्यमंत्री रविवार को पंजाब के कुराली में लोगों को समूह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी खुद को ईमानदारी का प्रतीक बताती है। लेकिन, इनके राज में आज पंजाब में नशा, अपराध, अराजकता, वित्तीय संकट और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति किसी से भी छुपी नहीं है। इसके विपरित भाजपा ऐसी पार्टी है जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ सबका विश्वास और सबका प्रयास के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झूठ के सहारे कब तक सियासत चलेगी, सच की हवा आएगी, तो तस्वीर बदलेगी। पंजाब को आज जरूरत है एक ऐसी डबल इंजन सरकार की, जो केवल वादे न करे, बल्कि उन्हें पूरा करने की क्षमता भी रखे। जरूरत है एक ऐसे नेतृत्व की, जो निर्णय लेने से न डरे, जो जनता के हित को सर्वोपरि रखे और जो देशहित में काम करे। उन्होंने कहा कि अब एक बार भारतीय जनता पार्टी को भी मौका दीजिए। आपको विश्वास दिलाते हैं कि हम जनता के भरोसे पर खरा उतरेंगे। पंजाब को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि आने वाला चुनाव पंजाब के भविष्य को बदलने वाला है। यह आपके बच्चों के भविष्य का चुनाव है और हर खेत-खलिहानों की समृद्धि के साथ व्यवसाय और रोजगार के अवसरों का चुनाव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपका एक-एक वोट इस बदलाव का आधार बनेगा। जनता का समर्थन भारतीय जनता पार्टी को मजबूत बनाएगा और एक मजबूत डबल इंजन भाजपा सरकार पंजाब को नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की स्पष्ट नीति, नीयत और विकास के प्रति समर्पण का भाव है। यही मॉडल पंजाब में भी लागू करना कर पंजाब को फिर से समृद्ध, सुरक्षित और प्रगतिशील बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में हमारी डबल इंजन सरकार ने बीते 11 वर्षों में जो काम किए हैं, वे आमजन के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी हैं। सरकार ने पारदर्शी शासन दिया, बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचाया। ह्नपर्ची और खर्चीह्व की व्यवस्था को समाप्त करके हमने लगभग 2 लाख युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरियां दीं। हरियाणा का युवा गर्व से कहता है कि उसे उसकी मेहनत का फल मिला रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गोहाना को दी बड़ी सौगात

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को गोहाना विधानसभा क्षेत्र के लिए करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की घोषणा की। सरकार के पूरे राज्य में सबको साथ लेकर चलने वाले विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के अपने वादे को फिर से मजबूत किया।

मुख्यमंत्री ने गोहाना में आयोजित धन्यवाद एवं विकास रैली में भारी भीड़ को संबोधित करते हुए खेल स्टेडियम बनाने की घोषणा की। उन्होंने ड्रेन नंबर 8 पर भगवान परशुराम विरासत पार्क के साथ जॉगिंग ट्रैक तथा जमीन मुहैया करवाने पर पीपीपी मोड पर कमर्शियल के साथ एक मल्टी-स्टोरी पार्किंग भी बनाने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने भगत फूल सिंह गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज खानपुर कलां में पीपीपी मोड पर एक कार्डियक कैथ लैब बनाने का ऐलान किया। उन्होंने यह भी कहा कि बिल्डिंग बनने के बाद एकेडमिक सेशन 2027-28 से इस संस्थान में फिजियोथेरेपी कॉलेज की कक्षाएं शुरू की जाएंगी। सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा द्वारा आयोजित की गई जनसभा को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने नागरिकों की सुविधा के लिए दूसरे इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के उद्देश्य से कई आवश्यक घोषणाएं की। इनमें भूमि उपलब्धता के आधार पर सोनीपत रोड पर शिवधाम बनाने, महम रोड पर बिजली का नया 33 केवी सबस्टेशन बनाने और खानपुर कलां में 33 केवी सबस्टेशन को अपग्रेड करना शामिल है। उन्होंने जनगणना, परिसीमन और एसआईआर का कार्य पूरा होने के बाद खानपुर कलां सब-तहसील को तहसील में अपग्रेड करने, बरोदा और फरमाना को सब-तहसील बनाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायतों के प्रस्ताव पर गांव गढ़ी उजालेखां का नाम बदलकर कृष्ण नगर और गांव गढ़ी नामदारखां का नाम सुंदर नगर रखने की भी घोषणा की।

पर्यटन और शहरी विकास को बढ़ावा देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायत द्वारा दो एकड़ जमीन उपलब्ध कराए जाने पर गोहाना में एक टूरिज्म रिसॉर्ट बनाया जाएगा। एचएसवीपी द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर विकसित किया जाएगा। इसके अलावा गोहाना में बनाए जाने वाले सेक्टरों में सामाजिक संस्थाओं के लिए प्लॉट निर्धारित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कटरा एक्सप्रेसवे के साथ गांव रुखी से आहुलाना तक सर्विस लेन बनाने के लिए नेशनल हाईवे से अनुमति ली जाएगी। गोहाना में सिंचाई भवन, जल शक्ति भवन और रेस्ट हाउस का नवीनीकरण किया जाएगा। बडोता बस्ती क्षेत्र से गुजरने वाली ड्रेन नंबर 4 को पक्का किया जाएगा और गोहाना माइनर को फिर से बनाया जाएगा। पूरे विधानसभा क्षेत्र में अलग-अलग नालों पर पुलों के नवीनीकरण और निर्माण की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिडिल स्कूल गढ़ी सराय नामदारखां को सीनियर सेकेंडरी स्तर पर अपग्रेड करने पर विचार करने के लिए शिक्षा विभाग की एक कमेटी बनाई जाएगी। गोहाना विधानसभा क्षेत्र के सभी स्कूलों में 1 करोड़ रुपये की राशि से विकास कार्य करवाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने पेयजल सरंचना को मजबूत करने के लिए महिपुर-कवरेड़ी गांवों में 8 करोड़ रुपए की लागत से नहर आधारित पेयजल कार्ये की घोषणा की। खानपुर कलां में 5.5 करोड़ रुपए की लागत से पेयजल सप्लाई और सीवर पाइपलाइन बिछाई जाएगी। सरकथल, बडोता, किलोहड़त और डोढवा रतनगढ़ गांवों में भी 12.50 करोड़ रुपए की लागत से पेयजल लाइन बिछाई जाएगी। खेड़ी दमगन में पाइपलाइन के साथ दो गहरे ट्यूबवेल लगाए जाएंगे तथा हसनयारपुर, तिहाड़कलां और बड़वासनी गांवों में महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती योजना के तहत पाइपलाइन भी बिछाई जाएगी।

केयू ऑडिटोरियम में हरियाणवी गायक मासूम शर्मा की एंट्री से छाया धमाल, दर्शकों हुए झूमने को मजबूर

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

8वें फिल्म फेस्टिवल के समापन अवसर पर प्रसिद्ध हरियाणवी गायक मासूम शर्मा तथा अंजलि 99 की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। दोनों कलाकार विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र (एलुमनाई) हैं, जिससे विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इसके अलावा प्रसिद्ध गायिका नितिन त्रिखा की गायिकी और प्रसिद्ध हरियाणवी गायक एवं कलाकार जगबीर राठी के गीतों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इस अवसर पर एस.डी. कॉलेज महाविद्यालय, पानीपत के विद्यार्थियों द्वारा हरियाणवी नृत्य लूर भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। समारोह में भजन सम्राट अनूप जलोटा, अभिनेत्री अमिता नांगिया, लेखक-निमार्ता-निर्देशक यश बाबू, यश भारद्वाज तथा सौरभ चौधरी सहित अनेक गणमान्य हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंच संचालन एवं प्रेरणादायक संवाद के माध्यम से डॉ. आबिद अली ने अपने दशकों के अनुभव साझा करते हुए युवाओं का उत्साहवर्धन किया।

फिल्म महोत्सव के सुचारु संचालन में धर्मेंद्र डांगी ने प्रबंधन, अनुशासन और समन्वय की जिम्मेदारी प्रभावी रूप से निभाई। राजेश पोखर (स्टेज एप) तथा विनय लखर(चौपाल एप) भी सम्मिलित थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेपाल से आए निर्देशक डाबी क्षेत्री तथा डिप्टी डायरेक्टर सविता भारती की उपस्थिति ने आयोजन को वैश्विक आयाम प्रदान किया। इसके साथ ही हनु रोज (जयपुर अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव एवं नई दिल्ली फिल्म महोत्सव के संस्थापक) भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सिनेमा समाज और संस्कृति का सशक्त दर्पण : प्रो. सोमनाथ सचदेवा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित 8वें हरियाणा अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के अंतिम दिन भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों, आकर्षक संगीत प्रस्तुतियों के साथ गरिमामयी अवार्ड सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि भारतीय सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है बल्कि यह समाज एवं संस्कृति का भी सशक्त दर्पण है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म महोत्सव युवा कलाकारों को सिनेमा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा।

इस मौके पर कुवि कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने भजन गायक अनूप जलोटा को पंड़ित जसराज एक्सिलेंस हरियाणा अवार्ड देकर सम्मानित किया। वहीं हरियाणवी गायक मासूम शर्मा, अभिनेत्री अमिता नांगिया सहित अभिनेताओं, कलाकारों एवं फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कलाकारों को अवार्ड देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के शुभारम्भ में एस.डी. कॉलेज महाविद्यालय, पानीपत के विद्यार्थियों द्वारा हरियाणा लूर नृत्य की प्रस्तुति दी।इस अवसर पर चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के कुलपति प्रो. आरपी सैनी ने कहा कि फिल्में आधुनिक समाज का आईना है। इनके माध्यम से जहां एक ओर सामाजिक बुराइयों को प्रतिबिम्बित किया जाता है वहीं पर दूसरी ओर संस्कार एवं संस्कृति को भी मंच प्रदान किया जाता है। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेपाल से आए निर्देशक डाबी क्षेत्री तथा डिप्टी डायरेक्टर सविता भारती ने कहा कि नेपाल की ओर से 20 से अधिक नेपाली फिल्में अगले वर्ष आयोजित होने वाले हरियाणा फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित की जाएंगी। समारोह में मंच का संचालन डॉ. आबिद अली ने किया।

जानकारियां, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल व डीजल पर एक्साइज ड्यूटी को कम करके तेल के दामों को किया कम

देश के नागरिकों को एकजुट होकर विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध की परिस्थितियों का करना होगा सामना: सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई देशों के बीच चल रहे युद्ध की परिस्थितियों से अवगत करवाते हुए देश के नागरिकों से एकजुट होकर कार्य करने की अपील की है। हम अलग-अलग अफवाहों और झूठ पर ध्यान देने की जरुरत नहीं है। ऐसे कठिन समय में भी विपक्षी पार्टियों लगातार अफवाहों और झूठ को फैला रही हैं। ऐसी कांग्रेस पार्टी के लोगों के घरों में लॉकडाउन लगा हुआ है और वो ही ऐसी अफवाहें फैला रहे हैं। उन्होंने प्रदेश के नागरिकों से सरकार द्वारा जारी की जाने वाली जानकारियों के आधार पर फैसला लेने की अपील करते हुए कहा कि देश व प्रदेश में सभी प्रकार की स्थिति सामान्य है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को कुरुक्षेत्र भाजपा जिला कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुनने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी, जिला प्रभारी दीपक शर्मा मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कुछ तो झूठ फैलाना ही था। पहले केजरीवाल खुद और अपने नेताओं को ईमानदार बता रहा था, पर देश की जनता के सामने पूरा सच आ चुका है। पंजाब में केजरीवाल की सरकार में नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही है। वहां के किसान, महिला, युवा और गरीब वर्ग सुविधाओं से वंचित है। उन्होंने कहा कि पंजाब के साथ लगते हरियाणा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यहां पर सभी वर्गों को सभी मूलभूत सुविधाओं मिल रही हैं। पंजाब में भी आने वाले समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनेगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी को दिल्ली में भी टेंशन थी, अब पंजाब में टेंशन हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले दिल्ली की टेंशन दूर की और अब पंजाब में भी कर दी जाएगी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जो काम करते हैं, उसमें दिखावा नहीं है। जबकि कांग्रेस व आम आदमी के समय में काम कम और बात ज्यादा होती रही हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों के शासन के समय में आमजन के लिए योजनाएं बनाई जाती थी और वो योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती थी।

ऐसे में नुकसान जनता का होता है। ऐसा ही पहले दिल्ली के नागरिक और अब पंजाब के नागरिक खुद को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। वहां की सरकार काम करने की बजाए भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे हालात को पांच साल की टर्म तक कोई कुछ नहीं कर सकता है, पर चुनाव के दौरान उनके साथ हो रहे भेदभाव को जवाब देगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पत्रकारों के सवाल पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल व डीजल पर एक्साइज ड्यूटी को कम करके तेल के दामों को कम किया है, जबकि कई देशों के बीच चल रहे युद्ध के दौरान दूसरे देशों ने तेल के दामों में बढ़ोतरी की है। इससे पहले भी जब देश में कोई महामारी या आपदा आई तो उसको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उसका एकजुट होकर सामना किया गया है। कोरोना के दौरान को देश ने दूसरे देशों को वैक्सीन तक मुहैया करवाई थी। अब इस आपदा में भी एकजुट होकर बाहर निकला जाएगा।

इस मौके पर चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, उपाध्यक्ष धूमन सिंह किरमच, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन, जिप चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, भाजपा नेता जयभगवान शर्मा डीडी, भाजपा प्रदेश सचिव राहुल राणा, प्रदेश प्रवक्ता रविंद्र सागवान, महिला जिलाध्यक्ष वंदना गौरी, परमजीत कौर कश्यप, नरेंद्र पाल डाबला, जिला उपाध्यक्ष अनु मालयन , देवी दयाल शर्मा , कार्यालय सह प्रभारी सोमपाल राणा, रमेश सैनी, अमन सैनी, दीपक शर्मा, हन्नू चक्रपाणि, सभी जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

संपादकीय

केरल चुनाव 2026: मोदी का बड़ा हमला–एल डी एफ-यू डी एफ पर भ्रष्टाचार के आरोप, भाजपा बोली 'हम ही असली गेमचेंजर

केरल में विधानसभा चुनाव 2026 की आहट के साथ ही राजनीतिक माहौल पूरी तरह चुनावी रंग में रंग चुका है। इस बार मुकाबला केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि राज्य की राजनीतिक दिशा तय करने का भी माना जा रहा है। इसी क्रम में नरेंद्र मोदी ने अपने हालिया चुनावी संबोधनों में सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एल डी एफ) और विपक्षी युनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यू डी एफ) पर दशकों से भ्रष्टाचार में लिप्त रहने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को केरल के लिए 'रियल ए-टीम' बताते हुए जनता से राजनीतिक बदलाव का समर्थन करने की अपील की। प्रधानमंत्री का यह रुख केवल एक सामान्य चुनावी बयान नहीं है, बल्कि केरल की पारंपरिक द्विध्रुवीय राजनीति को चुनौती देने की एक संगठित रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। लंबे समय से राज्य में एल डी एफ और यू डी एफ के बीच सत्ता का आवर्तन होता रहा है, जहां एक गठबंधन के खिलाफ जनता का असंतोष दूसरे को सत्ता तक पहुंचा देता है। लेकिन बीजेपी अब इस स्थापित राजनीतिक चक्र को तोड़कर खुद को एक मजबूत विकल्प के रूप में पेश करने की कोशिश कर रही है। अपने भाषणों में मोदी ने आरोप लगाया कि केरल की जनता को वर्षों से केवल वादों और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा है, जबकि वास्तविक विकास और पारदर्शिता की कमी बनी रही। उन्होंने कहा कि एल डी एफ और यू डी एफ के शासनकाल में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिन्होंने प्रशासनिक विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं। बीजेपी का यह अभियान भ्रष्टाचार के मुद्दे को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें वह खुद को एक साफ-सुथरी और जवाबदेह सरकार के विकल्प के रूप में प्रस्तुत कर रही है। यह रणनीति खासकर उन मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश है, जो पारंपरिक राजनीति से असंतुष्ट हैं और बदलाव की तलाश में हैं। प्रधानमंत्री द्वारा बीजेपी को 'रियल ए-टीम' बताना केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक व्यापक राजनीतिक संदेश है। इसके जरिए पार्टी यह बताने की कोशिश कर रही है कि वह केवल तीसरा विकल्प नहीं, बल्कि सबसे बेहतर विकल्प है। बीजेपी का दावा है कि उसके पास विकास, पारदर्शिता और सुशासन का स्पष्ट एजेंडा है, जो केरल को नई दिशा दे सकता है। पार्टी रोजगार सृजन, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, स्टार्टअप इकोसिस्टम और पर्यटन विकास जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठा रही है। इन क्षेत्रों में सुधार के जरिए वह युवा मतदाताओं और मध्यम वर्ग को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रही है। केरल की राजनीति लंबे समय से वैचारिक रूप से स्पष्ट रही है, जहां वामपंथी और कांग्रेस-नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला होता रहा है। लेकिन बीजेपी का बढ़ता प्रभाव इस समीकरण को बदलने की क्षमता रखता है। हालांकि, यह भी एक सच्चाई है कि बीजेपी को अब तक केरल में सीमित चुनावी सफलता ही मिली है। पार्टी का वोट शेयर धीरे-धीरे बढ़ा है, लेकिन वह अभी तक सत्ता के करीब नहीं पहुंच पाई है। ऐसे में इस बार का चुनाव बीजेपी के लिए एक बड़ी परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है। इस चुनाव में एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या विकास और सुशासन का मुद्दा वैचारिक और पहचान आधारित राजनीति पर भारी पड़ेगा। बीजेपी जहां विकास और भ्रष्टाचार-मुक्त शासन की बात कर रही है, वहीं एल डी एफ और यू डी एफ सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और क्षेत्रीय पहचान जैसे मुद्दों को प्रमुखता दे रहे हैं। केरल के मतदाता आमतौर पर राजनीतिक रूप से जागरूक और मुद्दा-आधारित निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में सभी दलों के लिए यह जरूरी होगा कि वे केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित न रहें, बल्कि ठोस नीतिगत प्रस्ताव भी सामने रखें। बीजेपी के लिए सबसे बड़ी चुनौती राज्य में अपने संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत करना है। पार्टी को स्थानीय स्तर पर प्रभाव बढ़ाने और जमीनी कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की जरूरत है। वहीं, एल डी एफ को सत्ता विरोधी लहर से निपटना होगा और अपने कामकाज के आधार पर जनता का विश्वास बनाए रखना होगा। दूसरी ओर, यू डी एफ को अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन वापस पाने के लिए मजबूत रणनीति बनानी होगी। इस बार चुनाव में सोशल मीडिया और डिजिटल प्रचार की भूमिका भी अहम रहने वाली है। युवा मतदाताओं तक पहुंच बनाने के लिए सभी दल डिजिटल प्लेटफॉर्म का व्यापक इस्तेमाल कर रहे हैं। केरल विधानसभा चुनाव 2026 केवल एक नियमित चुनाव नहीं, बल्कि राज्य की राजनीतिक संरचना में संभावित बदलाव का संकेत भी है। नरेंद्र मोदी के आक्रामक अभियान और बीजेपी के 'रियल ए-टीम' नैरेटिव ने चुनावी मुकाबले को और अधिक दिलचस्प बना दिया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या बीजेपी अपने दावों को जमीनी हकीकत में बदल पाती है या फिर केरल की पारंपरिक राजनीति एक बार फिर अपनी पकड़ बनाए रखती है। चुनाव परिणाम चाहे जो भी हो, इतना तय है कि इस बार का मुकाबला पहले से कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी और निर्णायक होने वाला है।

संकट के दौर में वैश्विक पर्यटन उद्योग

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा (हि.स)

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के साइड इफेक्ट के रुप में दुनिया का पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। एक अनुमान के अनुसार 152 करोड़ पर्यटकों से गुलजार रहने वाले वैश्विक पर्यटन उद्योग के मौजूदा हालात के चलते अतिमंदी के दौर से गुजरने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। वैसे तो सभी देशों में पर्यटन उद्योग पर विपरीत असर पड़ने जा रहा है पर सबसे अधिक असर मध्य पूर्व के देशों में देखा जा सकता है। जानकारों के अनुसार अकेले मध्य पूर्व को ही 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान भुगतना पड़ सकता है। दुनिया में सबसे अधिक पर्यटक फ्रांस की धरती पर जाते हैं और माना जाता है कि 9 से 10 करोड़ पर्यटक तो फ्रांस का रुख करते हैं। जहां तक भारत का प्रश्न है, हमारे यहां भी लगभग 2 करोड़ विदेशी पर्यटक देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों का रुख करते हैं। पर मौजूदा हालात के चलते विश्व के अन्य देशों की तरह भारत में भी विदेशी पर्यटकों की आवाजाही पर विपरीत प्रभाव पड़ना ही है।

एक सकारात्मक पक्ष यह देखा जा सकता है कि भारत और दुनिया के देशों में देशी पर्यटकों की संख्या में उछाल के चलते इस उद्योग को संजीवनी अवश्य मिलती लगती है।

वर्तमान दौर में दुनिया के चौधरी बने देशों को यह समझ लेना चाहिए कि अब वह जमाना गया जब हफ्ते दो हफ्ते में युद्ध का फैसला हो जाया करता था। आज छोटे-से छोटा देश भी युद्ध को लंबा खींचने की कूवत रखता है। इसे हम रुस-यूक्रेन युद्ध से अच्छी तरह से समझ सकते हैं। अमेरिका ने भी जब ईरान पर आक्रमण किया तो ट्रंप भी इसी मुगालते में थे कि दो-चार दिन में ईरान के घुटने टिकवा देंगे पर सारे कयास धरे के धरे रह गए और इनके चक्कर में दुनिया अस्थिरता और संकट में और आ गई। आज हालात यह हो गए हैं कि युद्ध तो आप शुरू कर सकते हैं पर युद्ध शुरू होने के बाद कब बंद होगा यह आपके हाथ में नहीं रहेगा।

युद्ध के चलते हालात ऐसे हो गए हैं कि चाह कर भी पर्यटक घूमने का रुख नहीं कर पा रहे हैं। केवल और केवल ट्रंप के दादागिरी के चलते दुनिया के देशों की जीडीपी में करीब 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी निभाने वाला पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। होटल और ट्रैवल उद्योग से जुड़ी एजेंसियों के सामने बड़ा संकट आ गया है तो दुनिया के देशों और संस्कृतियों से जुड़ने और समझ कर एक-दूसरे के नजदीक आने की जो पहल पर्यटन उद्योग के चलते हुई थी उस पर लगभग विराम के हालात होते जा रहे हैं। 10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का पर्यटन उद्योग आज संकट के दौर में आ गया है। उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो थाईलैंड की अर्थव्यवस्था में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी पर्यटन उद्योग की है और वह लगातार दूसरे साल गंभीर संकट के दौर में आ गई है। जैसे-तैसे पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए हजार डॉलर प्रतिदिन के लग्जरी कमरों की कीमत घटकर 300 डॉलर तक कर देने के बाद भी पर्यटक रुख नहीं कर रहे हैं। हालात विकट होते जा रहे हैं।

दरअसल वैश्विक हालात के चलते एक ओर उड़ानें रद्द होती जा रही है तो युद्ध के चलते लोगों में असुरक्षा की भावना घर कर रही है। ऐसी आशंका होती है कि कब कहां क्या हो जाए और कहीं जाएं वहीं पर बंद होकर न रह जाएं। मध्य-पूर्व के देशों में तो लगभग यही हालात है। कब किस देश और किस स्थान पर मिसाइल अटैक हो जाए, कहा नहीं जा सकता। क्योंकि अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध की खास नकारात्मक बात यह है कि इन दो देशों पर मिसाइल अटैक नहीं हो रहे बल्कि इनसे थोड़ी भी सहानुभूति रखने वाले देश कब निशाने पर आ जाएं, कहा नहीं जा सकता। मध्य-पूर्व में मिसाइल अटैक और हार्मुज जलडमरुमध्य के हालात इसके उदाहरण हैं।

हालात तो यहां तक खराब होने की आशंका है कि मध्य-पूर्व के देशों में पानी का गंभीर संकट हो सकता है। आज कच्चा तेल, एलपीजी की ही समस्या नहीं अपितु दुनिया को जोड़ने वाले इंटरनेट के बाधित होने की आशंकाओं को भी नकारा नहीं जा सकता। लगता है एक-दूसरे के अहम्के चलते आम आदमी कहीं हाशिये में चला गया है। युद्ध के सामान्य नियम ताक में रख दिए गए हैं और आम नागरिकों, बच्चों, अस्पतालों, घनी आबादी इलाकों में भी मिसाइल दागने से कोई परहेज नहीं रह गया है।

कोरोना के दौरान जिस तरह पर्यटन उद्योग प्रभावित हुआ था आज उसी तरह के हालात बनते दिख रहे हैं। कोरोना के बाद पिछले सालों में पर्यटन उद्योग ने तेजी पकड़ी थी और लगने लगा था कि 2030 तक पर्यटन उद्योग को जबरदस्त बूस्ट मिलेगा पर अब हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं और लगता नहीं है कि आने वाले दिनों में कोई सुधार दिखाई देगा। हालांकि सकारात्मक पक्ष यह देखा जा सकता है कि भारत सहित विश्व के देशों में देशी पर्यटन को अवश्य बढ़ावा मिलने लगा है। लोग अपने ही देश में आसपास के स्थानों को एक्सप्लोर करने लगे हैं। वर्तमान हालात पर्यटन उद्योग के लिए बेहद चुनौती भरा है, जिसके सामान्य होने के आसार दूर-दूर तक नहीं हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

'हैप्पीनेस इंडेक्स' के नाम पर भारत से छल! युद्धरत देश भी हैं भारत से आगे

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

वैश्विक स्तर पर किसी देश की प्रगति को लंबे समय तक उसकी आर्थिक ताकत, विशेषकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से मापा जाता रहा है, किंतु बदलती वैश्विक सोच ने तथ्यों एवं आंकड़ों से समझाया कि आर्थिक वृद्धि ही मानव जीवन की गुणवत्ता और संतुष्टि का पूर्ण मापदंड नहीं हो सकती। इसी दृष्टिकोण से 'विश्व खुशी रिपोर्ट' का जन्म हुआ, जिसका उद्देश्य नागरिकों के जीवन-संतोष को मापना है। इस साल की रिपोर्ट हाल ही में प्रकाशित हुई है, जिसमें भारत के साथ छल किया जाना स्पष्ट दिखाई देता है। भारत को 116वां स्थान दिया गया है, जबकि वह तीव्र आर्थिक प्रगति के दौर से गुजर रहा है।

यहां हम देखते हैं कि 'विश्व खुशी रिपोर्ट' भारत की रैंकिंग पिछले कुछ वर्षों में सीमित सुधार ही दशार्ती है, उदाहरण स्वरूप : 2021 में 139, 2022 में 136, 2023 और 2024 में 126 और अब 2026 में 116वां स्थान। अब इस संख्या को गहराई से देखें तो यह आंकड़ा का सुधार भारत के संदर्भ में बहुत ही सतही प्रतीत होता है, क्योंकि देश की आर्थिक और सामाजिक उपलब्धियों के अनुपात में यह प्रगति अत्यंत धीमी है। इससे यह स्पष्ट होता है कि खुशी सूचकांक और वास्तविक विकास के बीच एक गहरी खाई मौजूद है, जिसे कि 'विश्व खुशी रिपोर्ट' में नहीं बताया गया है। यहीं से इस रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर संदेह पैदा होता है और भारत के प्रति इस रिपोर्ट को बनानेवालों की दुराग्रह भावना समझ आती है।

भारत की आर्थिक प्रगति

आज विश्व भी इन आंकड़ों को भारत के संदर्भ में नजरअंदाज नहीं कर सकता कि वर्ष 2015 में 2.1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था 2025 तक बढ़कर 4.3 ट्रिलियन डॉलर हो गई, जो लगभग 105 प्रतिशत की वृद्धि को दशार्ती है। इस तेजी से भारत विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसका प्रभाव व्यापक सामाजिक बदलावों के रूप में भी सामने आया है।

भारत में अत्यधिक गरीबी में उल्लेखनीय गिरावट आई है। 2011-12 में 27.1 प्रतिशत रही गरीबी दर 2022-23 में घटकर लगभग 5.3 प्रतिशत रह गई। अनुमानतः 269 मिलियन लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। विभिन्न सरकारी योजनाओं, जिसमें कि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और आवास योजनाओं ने सामाजिक सुरक्षा को मजबूत किया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि विकास का लाभ समाज के निचले तबकों तक पहुंचा है।

आर्थिक विकास के साथ-साथ आय असमानता में भी गिरावट दर्ज की गई है। शहरी गिनी गुणांक 36.7 से घटकर 31.9 और ग्रामीण गिनी गुणांक 28.7 से घटकर लगभग 27.0 हो गया है। वस्तुतः यह प्रवृत्ति दशार्ती है कि विकास अपेक्षाकृत संतुलित रहा है। ऐसे में यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जीवन संतोष में भी वृद्धि होनी चाहिए, किंतु 'खुशी सूचकांक' इस वास्तविकता को पर्याप्त रूप से नहीं दशार्ता।

चौंकाने वाला विरोधाभास: संघर्षग्रस्त देशों से पीछे भारत

देखा जाए तो इस 'हैप्पीनेस इंडेक्स' का सबसे विवादास्पद पहलू यह है कि भारत कई ऐसे देशों से पीछे है जो गंभीर संकटों से जूझ रहे हैं। इजराइल (8), ईरान (99), इराक (101), फिलिस्तीन (108), पाकिस्तान (109) और यूक्रेन (111) जैसे देश भारत से खुशी के मामले में ऊपर हैं! यही वो तथ्य हैं, जो इस रिपोर्ट के विश्वसनीय होने का संदेह पैदा करते हैं। यह कैसे संभव है कि जिन देशों में युद्ध, राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक संकट व्यापक स्तर पर मौजूद हैं, वे खुशी के मामले में भारत से ऊपर हो जाएं? वास्तविकता में तो यह असंभव है।

इस संबंध में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के आर्थिक आंकड़े भी देखे जा सकते हैं, जो बताते हैं कि फिलिस्तीन में 80 प्रतिशत बेरोजगारी है। 238 प्रतिशत मुद्रास्फीति और अकाल जैसी स्थिति है। यानी जहां लाखों लोग गंभीर संकट में हैं। यूक्रेन युद्ध के कारण लोग जहां व्यापक जनहानि, विस्थापन और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रही है, वहां इन परिस्थितियों के बावजूद देशों की रैंकिंग भारत से बेहतर! ये कैसे संभव है?

पाकिस्तान और ईरान: अस्थिरता के बावजूद भारत से ऊपर

यह भी आश्चर्यचकित कर देनेवाला तथ्य है कि पाकिस्तान में आर्थिक अस्थिरता, बढ़ते आतंकी हमले और उच्च अपराध दर जैसी गंभीर समस्याएं मौजूद हैं। ईरान में सामाजिक दमन, महिलाओं पर प्रतिबंध और राजनीतिक अशांति बनी हुई है। इस वक्त अमेरिका, इजराइल और ईरान युद्ध से पूरा विश्व परेशान है, किंतु इसके बावजूद इन देशों को 'हैप्पीनेस इंडेक्स' में भारत से ऊपर दशार्या, आज वास्वत में यही बताता है कि इस सूचकांक में शामिल कारक वास्तविक जीवन की कठिनाइयों को पूरी तरह प्रतिबिंबित नहीं करते।

इस तरह देखें तो इस 'हैप्पीनेस इंडेक्स' की सबसे बड़ी कमी यह है कि इसमें अपराध, आतंकवाद, सामाजिक अशांति और सार्वजनिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल नहीं किया गया है, जबकि ये कारक किसी भी व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को सीधे प्रभावित करते हैं। यदि कोई समाज सुरक्षित और स्थिर है, तभी वह अपने आप में खुशी का एक महत्वपूर्ण आधार होता है, जिसे यहां इस रिपोर्ट में पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया है। इसके साथ ही इस 'हैप्पीनेस इंडेक्स' की विश्वसनीयता इसलिए भी संकट में है, क्योंकि इसमें जिस गैलप सर्वेक्षण के अंतर्गत प्रत्येक देश से औसतन 1000 लोगों का नमूना लिया है, उसमें भारत जैसे विशाल देश के लिए ये सर्वेक्षण फिट नहीं बैठता, क्योंकि भारत जैसे देश में क्षेत्रीय, सामाजिक और आर्थिक विविधताएं अत्यधिक हैं, जिन्हें इतने छोटे नमूने में समाहित करना कठिन ही नहीं पूर्णतः असंभव है।

कुल मिलाकर कहना यही है कि जब तक खुशी के मापन में वास्तविक जीवन के सभी महत्वपूर्ण आयामों को शामिल नहीं किया जाएगा, तब तक यह सूचकांक पूर्ण सत्य का प्रतिनिधित्व नहीं करेगा। भारत का उदाहरण इस बात का प्रमाण है कि आर्थिक प्रगति और वास्तविक जीवन की संतुष्टि के बीच संबंध को समझने के लिए अधिक गहन और संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसका कि फिलहाल इस सर्वेक्षण 'हैप्पीनेस इंडेक्स' में पूरी तरह से अभाव दिखाई देता है। इसलिए भारतवासियों इस 'हैप्पीनेस इंडेक्स' को देखकर अपने देश की खुशी का अनुमान मत लगा लेना, भारत कल भी पाकिस्तान, फिलिस्तीन, युक्रेन समेत तमाम देशों से प्रसन्नता में आगे था और आज भी है। वास्तविकता में ये रिपोर्ट भारत के लोगों के साथ एक छलावा ही है, इससे अधिक अन्य कुछ नहीं!

आज का राशिफल

मेष: आज नए कार्यों की शुरूआत टालना बेहतर रहेगा। भाई-बहनों का सहयोग आपके लिए मददगार साबित हो सकता है। व्यापार विस्तार में कुछ बाधाएं आ सकती हैं, लेकिन धैर्य बनाए रखें। गूढ़ विषयों में रुचि बढ़ेगी और विदेश से सकारात्मक समाचार मिलने के संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: कार्यक्षेत्र में आज थोड़ा उबाऊ माहौल महसूस हो सकता है। प्रेम संबंधों में उत्साह कम रहेगा, इसलिए संवाद बनाए रखना जरूरी है। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल है। खुद को आराम देने और मानसिक संतुलन बनाए रखने पर ध्यान दें। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: आज अपने काम पर पूरी एकाग्रता बनाए रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। सोशल मीडिया पर सक्रियता बढ़ सकती है। आपकी समझदारी और चतुराई से व्यापार में अच्छा लाभ मिलने के संकेत हैं। नकारात्मक विचारों में कमी आएगी और समस्याओं का समाधान मिलता नजर आएगा। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: पुरानी यादें आज आपको भावुक और खुश कर सकती हैं। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। स्वास्थ्य को लेकर सावधानी जरूरी है, खासकर डिहाइड्रेशन से बचें। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: आज आप अपने लक्ष्य के प्रति पूरी तरह समर्पित रहेंगे। नए विचार और योजनाएं मन में आती रहेंगी। विद्यार्थियों के लिए दिन सकारात्मक है। नए कामों को लेकर उत्साह बना रहेगा। किसी बड़े प्रोजेक्ट में निवेश करने की योजना बन सकती है। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: आज विरोधियों से सतर्क रहने की जरूरत है। निजी जानकारी साझा करने से बचें। काम का दबाव ज्यादा रहने से स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। ससुराल पक्ष के साथ संबंध मधुर बनाए रखें। अधूरे कार्यों को लेकर मन में बेचैनी बनी रह सकती है। *(सिटी दर्पण)*

तुला: यदि आप आज एकाग्र होकर काम करेंगे तो शानदार परिणाम मिल सकते हैं। सामाजिक कार्यों में योगदान देने का अवसर मिलेगा। नई नौकरी की तलाश पूरी हो सकती है। साझेदारी से जुड़े नए प्रोजेक्ट शुरू करने के संकेत हैं। आपके प्रयासों से कार्य सफलतापूर्वक पूरे होंगे। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: काम का दबाव ज्यादा रहेगा, लेकिन आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। राजनीति या नेतृत्व से जुड़े लोगों को सफलता मिल सकती है। प्रभावशाली लोगों से संबंध मजबूत होंगे। बच्चों के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। लंबे समय से प्रतीक्षित कार्य पूरे होने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

धनु: आज आप अपनी सामाजिक छवि को लेकर सजग रहेंगे। काम में मन कम लगेगा, लेकिन दूरदर्शिता के चलते व्यापार में लाभ होगा। पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें। अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है। किसी रिश्तेदार के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रह सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मकर: करियर और परिवार दोनों को लेकर मन में चिंता रह सकती है। जीवनसाथी के साथ मतभेद उभर सकते हैं, इसलिए संयम जरूरी है। अहंकार से बचें, वरना रिश्तों में दूरी आ सकती है। धन संबंधी मामलों में सतर्क रहें और अनावश्यक यात्राओं से बचें। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: आज आपकी दिनचर्या संतुलित और व्यवस्थित रहेगी। कार्यक्षेत्र में आसानी से काम पूरे करेंगे। दूसरों के मामलों में दखल देने से बचें। प्रेम संबंधों में खुलकर संवाद करेंगे। व्यवसाय में चुनौतियों के बावजूद लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। *(सिटी दर्पण)*

मीन: नए व्यापार की शुरूआत के लिए दिन अनुकूल है। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। बच्चों को डिजिटल गतिविधियों से दूर रखने की कोशिश करें। नए विचारों से प्रेरित रहेंगे। सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों के लिए दिन सकारात्मक है और काम का दबाव कम रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

सरकारी स्कूलों पर गहराता संकट, निजीकरण का बोलबाला

डॉ. सत्यवान सौरभ (हि.स)

भारत की शिक्षा व्यवस्था गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है। पिछले एक दशक में लगभग 94 हजार सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं, जबकि इसी अवधि में 51 हजार से अधिक निजी स्कूल खुल गए हैं। यह स्थिति न केवल सरकारी शिक्षा प्रणाली की कमजोरियों को उजागर करती है बल्कि बढ़ते निजीकरण के कारण उत्पन्न सामाजिक असमानता को भी सामने लाती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21अ के तहत प्रत्येक बच्चे को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार दिया गया है लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह अधिकार धीरे-धीरे कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है। साल 2014-15 से 2023-24 के बीच सरकारी स्कूलों की संख्या 11,07,101 से घटकर 10,17,660 रह गई, यानी लगभग 89,441 स्कूल कम हो गए, जबकि निजी स्कूलों की संख्या 2,88,164 से बढ़कर 3,31,108 हो गई। यह प्रवृत्ति विशेष रूप से ग्रामीण भारत के लिए चिंताजनक है, जहां गरीब और वंचित वर्गों के बच्चों के लिए शिक्षा तक पहुंच लगातार कठिन होती जा रही है।

सरकारी स्कूलों के संकट का एक प्रमुख कारण स्कूल मर्जर नीति है, जिसके तहत कम नामांकन वाले छोटे स्कूलों को बड़े स्कूलों में मिला दिया जाता है। इससे ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंच कठिन हो गई। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में हजारों स्कूल बंद हुए हैं, जो कुल बंदी का बड़ा हिस्सा हैं। इसके अलावा, शिक्षकों की कमी, कमजोर आधारभूत संरचना और मिड-डे मील जैसी योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन न होना भी नामांकन में गिरावट के प्रमुख कारण हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कुछ प्रावधान, जैसे एकल शिक्षक स्कूलों को हतोत्साहित करना भी इस प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी स्कूलों में नामांकन में भारी कमी आई है। जबकि निजी स्कूलों में छात्रों की संख्या तेजी से बढ़ी है। गरीब परिवारों के बच्चे अब मजबूरन निजी स्कूलों की ओर रुख कर रहे हैं लेकिन ऊंची फीस उनके लिए बड़ी बाधा बन जाती है।

निजी स्कूलों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है और शहरी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बच्चे निजी स्कूलों में पढ़ रहे हैं। हालांकि यह वृद्धि कई चिंताएं भी पैदा करती है। निजी स्कूलों में फीस में भारी वृद्धि देखी जा रही है, जिससे निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए शिक्षा प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। शिक्षा का यह बढ़ता निजीकरण उसे एक सामाजिक सेवा से अधिक एक व्यापार में बदलता जा रहा है। शिक्षा का अधिकार कानून के तहत 25 प्रतिशत सीटें गरीब बच्चों के लिए आरक्षित हैं, लेकिन इसका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है, जिससे सामाजिक असमानता और गहरी हो रही है। एक ओर संपन्न वर्ग बेहतर संसाधनों और सुविधाओं वाले निजी स्कूलों में शिक्षा प्राप्त करता है, वहीं दूसरी ओर गरीब वर्ग सीमित संसाधनों वाले सरकारी स्कूलों तक ही सीमित रह जाता है।

इस असंतुलन का सीधा प्रभाव ड्रॉपआउट दर पर भी पड़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में लाखों बच्चों ने स्कूल छोड़ दिया है, जिनमें बड़ी संख्या किशोरियों की है। इसके पीछे गरीबी, बाल श्रम, परिवार का प्रवास, स्कूलों की दूरी और सुरक्षा की कमी जैसे कई कारण जिम्मेदार हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों के लिए शिक्षा प्राप्त करना अधिक कठिन हो जाता है। जब परिवार निजी स्कूलों की फीस वहन नहीं कर पाते और आसपास सरकारी स्कूल उपलब्ध नहीं होते तो बच्चों का शिक्षा से बाहर होना लगभग तय हो जाता है। यह स्थिति आने वाले समय में बेरोजगारी और सामाजिक असमानता को और अधिक बढ़ा सकती है।

शिक्षा का निजीकरण केवल शैक्षिक समस्या नहीं है बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक असमानता को भी गहराता है। जब सभी वर्गों को समान शिक्षा के अवसर नहीं मिलते, तो समाज में अवसरों का असंतुलन बढ़ता जाता है। भारत में शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 3 प्रतिशत ही खर्च किया जाता है, जबकि इसे 6 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य अभी भी अधूरा है। इसका प्रभाव महिलाओं के सशक्तिकरण, रोजगार के अवसरों और देश के समग्र आर्थिक विकास पर पड़ता है। यदि यह स्थिति बनी रही, तो यह लोकतंत्र के लिए भी खतरा बन सकती है क्योंकि एक शिक्षित समाज ही जागरूक और जिम्मेदार नागरिक तैयार करता है।

इस संकट से निपटने के लिए सरकार को ठोस और प्रभावी कदम उठाने होंगे।

स्कूल मर्जर नीति पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए और ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे स्कूलों को संरक्षित किया जाना चाहिए। रिक्त शिक्षक पदों को शीघ्र भरा जाए और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। सभी स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं जैसे शौचालय, स्वच्छ पेयजल और डिजिटल संसाधन सुनिश्चित किए जाएं। मिड-डे मील योजना की गुणवत्ता में सुधार किया जाए और निजी स्कूलों की फीस पर नियंत्रण तथा निगरानी बढ़ाई जाए। शिक्षा का अधिकार कानून के प्रावधानों को सख्ती से लागू किया जाए और शिक्षा पर सार्वजनिक निवेश बढ़ाकर इसे सकल घरेलू उत्पाद के 6 प्रतिशत तक पहुंचाया जाए।

निजीकरण का बढ़ता प्रभाव सरकारी स्कूलों के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। सरकारी स्कूलों की घटती संख्या और निजी स्कूलों की बढ़ती संख्या यह संकेत देती है कि शिक्षा धीरे-धीरे एक मौलिक अधिकार से हटकर एक व्यापार का रूप लेती जा रही है। इसका सबसे अधिक प्रभाव गरीब और वंचित वर्गों पर पड़ रहा है। यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए, तो यह असमानता समाज को गहराई तक प्रभावित करेगी। शिक्षा को बाजार की वस्तु नहीं, बल्कि सामाजिक विकास का आधार मानते हुए इसे मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य इसी पर निर्भर करता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में कैबिनेट की ओर से मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना शुरू करने को हरी झंडी; 97 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को हर महीने 1000-1500 रुपए सम्मान राशि मिलेगी

देश की सबसे बड़ी महिला-हितैषी डी.बी.टी. स्कीमों में शामिल यह योजना वित्तीय स्वतंत्रता और सम्मान में वृद्धि करेगी

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब कैबिनेट ने आज पूरे पंजाब में मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना को मंजूरी देकर इस योजना को शुरू करने का रास्ता साफ कर दिया है। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को हर महीने 1500 रुपए और बाकी सभी महिलाओं को 1000 रुपए सम्मान राशि मिलेगी। इस योजना से पंजाब की 97 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को लाभ पहुंचेगा। यह फैसला मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के दौरान लिया गया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा, मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना योजना पूरे राज्य में शुरू की जाएगी। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1500 रुपए और बाकी सभी महिलाओं को 1000 रुपए प्रतिमाह सम्मान राशि दी जाएगी। यह योजना महिलाओं को स्वतंत्र और सशक्त बनाकर उनकी प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगी। यह स्कीम महिलाओं को वित्तीय रूप से मजबूत करेगी, जिससे वे बचत और निवेश कर सकेंगी तथा घर-परिवार के लिए जरूरी इच्छाओं को पूरा करने में सक्षम बनेंगी।

उन्होंने आगे कहा, पंजाब सरकार ने पहले ही सामाजिक कल्याण और मानव विकास के क्षेत्र में बेमिसाल प्रगति की है, हालांकि राज्य भर में बड़ी संख्या में महिलाएं, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से संबंधित महिलाएं, वित्तीय सुरक्षा की कमी का सामना करती हैं। पारिवारिक कल्याण में सुधार करने, लिंग समानता को बढ़ावा देने और सामाजिक-आर्थिक फैसले लेने में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए महिलाओं को वित्तीय रूप से मजबूत करना अत्यंत जरूरी है। इस पहल के बारे में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय ने आगे कहा, इस योजना से 97 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को लाभ मिलने की संभावना है, जो इसे देश की सबसे महिला-हितैषी सामाजिक सुरक्षा पहलों में शामिल करता है। यह योजना राज्य भर में महिलाओं को सीधी आर्थिक सहायता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और महिलाओं के सशक्तिकरण के तहत उनके लिए वित्तीय स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के प्रति सरकार के विजन को दशार्ती है।

यह योजना सीधा लाभ प्रदान करने के लिए तैयार की गई है, जिसमें वित्तीय सहायता सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी। इस स्कीम के तहत एक परिवार में योग्य महिलाओं की संख्या पर कोई पाबंदी नहीं होगी और एक ही परिवार की कई महिलाएं इस योजना का लाभ ले सकेंगी। मौजूदा सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों को भी इस योजना के तहत अपनी पेंशन के अलावा पूरा वित्तीय लाभ मिलेगा, जिससे इसकी पहुंच और प्रभावशीलता बढ़ेगी। पंजाब में 18 साल या उससे अधिक उम्र की महिलाएं, जो वोटर के रूप में रजिस्टर्ड हैं, जिनके पास पंजाब निवास वाला आधार कार्ड और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी वोटर कार्ड है, इस योजना के तहत लाभार्थी के रूप में रजिस्टर होने के योग्य होंगी।

हर महिला तक इस योजना का लाभ पहुंचाने को सुनिश्चित करने के लिए भगवंत मान सरकार व्यापक पहुंच और रजिस्ट्रेशन संबंधी हर संभव प्रयास करेगी, जिसमें महिलाओं खासकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों की महिलाओं के लिए दस्तावेज पूरे करना, बैंक खाते सक्रिय करना और निर्बाध रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करने में सहायता शामिल है।

इस पहल को और मजबूत करते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में पहले ही 9,300 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की जा चुकी है और योजना के पैमाने व पहुंच को देखते हुए यह पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई सबसे बड़ी महिला-हितैषी सामाजिक कल्याण पहलों में से एक होने की उम्मीद है।

कैबिनेट ने योजनाबंदी विभाग में सीधी भर्ती के तहत 70 पद भरने की मंजूरी दे दी है। आर्थिक नीति एवं योजना बोर्ड और सांख्यिकी विभाग, पंजाब के विलय की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। इस अभ्यास को देखते हुए भरे जाने वाले रिक्त पदों की आवश्यकता को संशोधित किया गया है। इसलिए अधिकारियों की कमेटी द्वारा सीधी भर्ती के 70 पद भरने की मंजूरी दी गई है।

कैबिनेट ने पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पावरकॉम) और पंजाब स्टेट ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ट्रांसको) के चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर (सी.एम.डी.) तथा डायरेक्टर्स की नियुक्ति के लिए जरूरी योग्यताओं और अनुभव संबंधी शर्तों में संशोधन करने की भी मंजूरी दे दी है।

कैबिनेट ने झारखंड के जिला पाकुड़ स्थित पछवाड़ा केंद्रीय कोयला खदान (पीसीसीएम) के संचालन और रखरखाव के लिए पी.एस.पी.सी.एल. द्वारा ठेके के आधार पर मानव शक्ति और सहायक स्टाफ नियुक्त करने को भी हरी झंडी दे दी है। इसके लिए एक अधिकृत कमेटी बनाने का फैसला किया गया है, जिसमें प्रबंधकीय सचिव को चेयरमैन और चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर तथा डायरेक्टर/जनरेशन, पी.एस.पी.सी.एल. को सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा। इस कमेटी को पछवाड़ा केंद्रीय कोयला खदान, पाकुड़ के संचालन और रखरखाव के लिए सक्षम मानव शक्ति/सहायक स्टाफ की ठेके पर भर्ती और विस्तार संबंधी सभी मंजूरियां देने के लिए अधिकृत किया गया है।

गैंगस्टरों ते वार का 68वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 508 स्थानों पर छापेमारी; 188 गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

- पुलिस टीमों ने 95 व्यक्तियों के विरुद्ध की एहतियाती कार्रवाई, 99 को पूछताछ के बाद रिहा किया
- लोग गैंगस्टर विरोधी हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं
- युद्ध नशों विरुद्ध के 393वें दिन 112 नशा तस्कर काबू

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक गैंगस्टरों ते वार मुहिम के 68वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के साथियों के चिन्हित एवं मैप किए गए 508 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरों ते वार पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक अभियान है, जिसे 20 जनवरी, 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा शुरू किया गया था। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं।

68वें दिन पुलिस टीमों ने 188 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे इस अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 17,674 हो गई है।

इसके अलावा 95 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 99 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने 3 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया।

लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों से संबंधित सूचनाएं भी साझा कर सकते हैं।

इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम युद्ध नशों विरुद्ध को 393वें दिन भी जारी रखते हुए आज 112 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे से 463 ग्राम हेरोइन, 1.2 किलोग्राम अफीम, 471 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 62,400 रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इसके साथ ही केवल 393 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 56,071 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 26 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार के लिए प्रेरित भी किया।

अमृतसर में गोल्डी ढिल्लों मॉड्यूल से संबंधित दो आधुनिक सब-मशीन गन बरामद

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़/अमृतसर

- इन हथियारों का उपयोग राज्यभर में देश विरोधी और आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जाना था: डीजीपी गौरव यादव
- गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों समेत चार नामजद; फरार मोटरसाइकिल सवारों को पकड़ने के लिए छापेमारी जारी: सीपी अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने दो 9 एमएम सब-मशीन गन और एक खाली मैगजीन बरामद कर अवैध हथियार तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया है। यह जानकारी आज यहां पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

बरामद किए गए हथियारों पर गफार सिक्योरिटी लिखा हुआ था।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बरामद खेप कुख्यात गैंगस्टर गुरप्रीत सिंह उर्फ गोल्डी ढिल्लों से संबंधित है। उन्होंने बताया कि ये हथियार उसके नेटवर्क द्वारा राज्य में देश विरोधी और आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए सप्लाई किए जा रहे थे।

डीजीपी ने कहा कि फरार आरोपियों की पहचान करने और पूरे नेटवर्क का खुलासा करने के लिए आगे की जांच जारी है।

इस ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए कमिश्नर ऑफ पुलिस (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि विशेष खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने गुरु की वडाली, छेहरटा क्षेत्र में नाका लगाया और मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात युवकों को रोकने की कोशिश की। पुलिस को देखकर संदिग्ध युवक घबरा गए और भागने लगे। उन्होंने बताया कि भागते समय उनका एक किट बैग गिर गया।

सीपी ने बताया कि बरामद किट बैग की तलाशी लेने पर दो अवैध 9 एमएम सब-मशीन गन और एक खाली मैगजीन बरामद हुई।

उन्होंने बताया कि गैंगस्टर गुरप्रीत सिंह उर्फ गोल्डी ढिल्लों हत्या, डकैती, हत्या के प्रयास, अपहरण, दंगा, जबरन वसूली और अवैध हथियारों की सप्लाई सहित कई गंभीर अपराधों में शामिल है। पुलिस टीमों ने गुरप्रीत उर्फ गोल्डी ढिल्लों और उसके तीन साथियों को नामजद कर लिया है तथा फरार मोटरसाइकिल सवारों को पकड़ने के लिए छापेमारी जारी है।

इस संबंध में एफआईआर नंबर 66 दिनांक 29-03-2026 को अमृतसर के थाना छेहरटा में आर्म्स एक्ट की धारा 25 (आई-ए) के तहत दर्ज की गई है।

विजिलेंस ब्यूरो द्वारा 15,000 रुपये रिश्वत लेते एएसआई रंगे हाथों गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम के दौरान पुलिस चौकी किचलू नगर, थाना पीएयू लुधियाना के इंचार्ज के रूप में तैनात सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) लखविंदर सिंह को 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

यह जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को बैंक कॉलोनी, नूरवाला रोड, जिला लुधियाना के एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता के विरुद्ध एक मामला दर्ज किया गया था, जिसकी जांच एएसआई लखविंदर सिंह को सौंपी गई थी। इस सम्बन्ध में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी एएसआई ने उसकी बहन और मां को इस मामले में न फंसाने के बदले 30,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने इस रिश्वत मांगने की पूरी बातचीत को रिकॉर्ड भी कर लिया था। शिकायतकर्ता ने अवैध रिश्वत देने से इनकार करते हुए विजिलेंस ब्यूरो, रेंज लुधियाना से संपर्क किया। शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद विजिलेंस टीम ने जाल बिछाया और आरोपी एएसआई को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में आरोपी के विरुद्ध विजिलेंस ब्यूरो थाना लुधियाना में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

डायग्नोस्टिक सेंटर के उद्घाटन में दिखी धार्मिक सद्भाव और भाईचारे की मिसाल

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

यूटी के प्रशासक एवं पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने सेक्टर-46डी स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में आधुनिक डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन किया। यह केंद्र अत्याधुनिक मशीनों से सुसज्जित है, जहां समाज के सभी वर्गों को सुलभ एवं किफायती दरों पर जांच सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

उद्घाटन समारोह के दौरान धार्मिक सद्भाव और भाईचारे की अनूठी मिसाल देखने को मिली। इस अवसर पर श्री सनातन धर्म सभा सेक्टर-46 के अध्यक्ष जितेंद्र भाटिया और गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार कुलदीप सिंह ने प्रशासक का स्वागत किया। प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जनहितकारी प्रयास समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए बेहद लाभकारी साबित होंगे। उन्होंने गुरुद्वारा प्रबंधन समिति को इस कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं। गुरुद्वारा प्रबंधन के अनुसार डायग्नोस्टिक सेंटर में आधुनिक मशीनें जोड़ने से लोगों को बेहतर और सटीक जांच सुविधाएं मिलेंगी, जिससे मरीजों को बाहर जाने की आवश्यकता कम पड़ेगी।

गौरतलब है कि श्री गुरु हर राय डायग्नोस्टिक सेंटर द्वारा यहां आधुनिक एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड मशीनें स्थापित की गई हैं। यह सेंटर पिछले करीब 20 वर्षों से नाममात्र शुल्क पर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है। यहां पहले से ही फिजियोथेरेपी, डेंटल सेवाएं, लैब टेस्ट और न्यूरोथेरेपी सहित कई सुविधाएं उपलब्ध हैं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सेक्टर-45, 46, 47, 48 और 49 के निवासी भी इस अवसर के साक्षी बने। गुरुद्वारा प्रबंधन ने बताया कि नई सुविधाओं से क्षेत्र के लोगों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का और अधिक लाभ मिलेगा।

संक्षिप्त-समाचार

राजपुरा में 6 से 12 अप्रैल तक श्रीमद भागवत कथा का भव्य आयोजन

चंडीगढ़। राजपुरा शहर के टीडीआई कॉनॉट एस्टेट में 6 से 12 अप्रैल 2026 तक श्रीमद भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन में कथा वाचिका देवी चित्रलेखा जी श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराएंगी। आयोजकों के अनुसार कथा प्रतिदिन सायं 5 बजे से रात 8 बजे तक आयोजित होगी। कार्यक्रम की शुरूआत 5 अप्रैल 2026 को सुबह 10 बजे कलश यात्रा के साथ की जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। कथा के दौरान श्रद्धालुओं को श्रीमद भागवत के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से धर्म,भक्ति और जीवन मूल्यों का संदेश दिया जाएगा। इस अवसर पर श्री प्रयागराज गिरी जी महाराज (बिठाणिया वाले) श्री लाल गिरी जी महाराज (नलास वाले) की विशेष उपस्थिति भी रहेगी। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील की है। टीडीआई कनॉट एस्टेट के चेयरमैन श्री रविंद्र तनेजा जी,एमडी श्री प्रिंस छाबड़ा जी,एमडी श्री अक्षय तनेजा जी ने विनम्र निवेदन किया है कि सपरिवार पधारकर कथा का पुण्य प्राप्त करें

नेक्सस एलांते में सनम का शानदार कॉन्सर्ट, उमड़ी भारी भीड़

चंडीगढ़। ट्राइसिटी के सबसे प्रतिष्ठित शॉपिंग और लाइफस्टाइल गंतव्य नेक्सस एलांते ने मशहूर बैंड सनम का बहुप्रतीक्षित लाइव कॉन्सर्ट आयोजित किया, जिसने संगीत प्रेमियों को एक अविस्मरणीय शाम का अनुभव दिया। यह शाम ऊर्जा, पुरानी यादों और मनोरंजन से भरपूर रही। कोर्टयार्ड उस समय जीवंत हो उठा जब बड़ी संख्या में दर्शक बैंड के प्रदर्शन को देखने के लिए एकत्रित हुए। बैंड ने अपने लोकप्रिय गीतों–ह्लक्या हुआ तेरा वादाह्व, ह्लगुलाबी आंखेंह्व, ह्ललग जा गलेह्व और ह्लमेरे महबूब कयामत होगीह्व–की शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान दर्शकों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया–गीतों के साथ गुनगुनाते हुए, यादगार पलों को कैद करते हुए और पूरे माहौल को जीवंत बनाया। सनम कॉन्सर्ट के सफल आयोजन के साथ, नेक्सस एलांते ने एक बार फिर ट्राइसिटी क्षेत्र में बड़े स्तर के, अनुभव-आधारित आयोजनों और लाइव मनोरंजन के लिए अपनी मजबूत पहचान को और सुदृढ़ किया है।

चंडीगढ़ तमिल संगम ने जरूरतमंद बच्चों में बांटे साइकिल्स, स्टेशनरी आइटम्स, शूज और बुक्स

चंडीगढ़। चंडीगढ़ तमिल संगम ने भारती भवन सेक्टर 30 इ, चंडीगढ़ में अपने 11वें वार्षिक ₹विद्या दानं₹ कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। चंडीगढ़ तमिल संगम के जनरल सेक्रेटरी एस पी राजशेखरन की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में ट्राईसिटी के विभिन्न स्कूलों के 650 जरूरतमंद बच्चों को स्टेशबरी आइटम्स, बुक्स, शूज एंड बाईसाइकिल्स का वितरण किया गया। इस अवसर पर जे एम बालामुरुगन- आई ए एस मुख्य अतिथि थे। जनरल सेक्रेटरी एस पी राजशेखरन ने बताया कि चंडीगढ़ तमिल संगम एक प्रतिष्ठित संस्था है, जो पिछले 56 वर्षों से सामाजिक सेवा तथा अपनी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। चंडीगढ़ तमिल संगम विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से सामुदायिक कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है तथा क्षेत्रीय सीमाओं से परे सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज चंडीगढ़ तमिल संगम द्वारा 650 जरूरतमंद बच्चों को ₹विद्या दानं₹ समारोह के तहत लाभान्वित किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को 25 साइकल्स, 300 स्कूल बैग्स, 650 नोट बुक्स, 650 बुक्स तथा 650 स्टेशनरी आइटम्स और 200 शूज(जूते) वितरित किए गए। जिससे उन्हें आत्मविश्वास एवं प्रेरणा के साथ अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्य अतिथि जे एम बालामुरुगन ने कहा कि चंडीगढ़ तमिल संगम समाज के लिए एक नेक कार्य कर रहा है। उन्होंने ₹विद्या दानं₹ पहल के माध्यम से वंचित बच्चों में शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों की शिक्षा का समर्थन करके राष्ट्र निर्माण के प्रति आपके समर्पण को देखकर बहुत खुशी होती है।

संजीव अरोड़ा के लगातार प्रयासों के कारण लगभग 30 वर्षों की देरी के बाद हलवारा हवाई अड्डे से उड़ानें शुरू हुई

कुछ मौकापरस्त केवल वही दोहरा रहे हैं जो मैंने हलवारा हवाई अड्डे के बारे में सार्वजनिक किया: संजीव अरोड़ा

सिटी दर्पण संवाददाता-

चंडीगढ़ /लुधियाना

हलवारा हवाई अड्डे के विकास और प्रगति को लेकर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू द्वारा दिया गया हालिया बयान भ्रामक और जमीनी हकीकत से कोसों दूर है।

यह उल्लेखनीय है कि 26 मार्च को लुधियाना में आयोजित एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने पहले ही पुष्टि कर दी थी कि हलवारा के लिए उड़ानों की बुकिंग अगले सप्ताह से शुरू हो जाएगी। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि यही बात आज कैबिनेट मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने तीन दिन बाद दोहराई है। कुछ मौकापरस्त केवल वही दोहरा रहे हैं जो मैं पहले ही सार्वजनिक कर चुका हूं।

यह ऐतिहासिक उपलब्धि पूर्व राज्यसभा सांसद और वर्तमान पंजाब कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के निरंतर, समर्पित और बहु-स्तरीय प्रयासों का परिणाम है, जिन्होंने वर्षों तक इस मुद्दे को लगातार आगे बढ़ाया।

यह परियोजना कैबिनेट मंत्री अरोड़ा की क्षेत्रीय प्रतिबद्धता और पंजाब के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास, विशेषकर लुधियाना और आसपास के क्षेत्रों को मजबूत करने के प्रति उनकी दृढ़ निष्ठा को दशार्ती है।

मुख्य हस्तक्षेप और उपलब्धियों का कालक्रम

22 नवंबर 2022: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रुकी हुई प्रगति को पुनर्जीवित करने के लिए हस्तक्षेप किया।

11 दिसंबर 2022: निर्माण कार्य फिर से शुरू करने हेतु 50 करोड़ रुपये जारी किए गए।

17 जनवरी 2023: सांसद संजीव अरोड़ा ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय से दिल्ली-लुधियाना उड़ानें पुनः शुरू करने की अपील की।

14 अप्रैल 2023: अरोड़ा ने विभिन्न एयरलाइनों को हलवारा से उड़ानें शुरू करने हेतु पत्र लिखा।

7 मई 2023: हवाई अड्डे के शीघ्र पूर्ण होने की मांग की गई।

22 अगस्त 2023: नागरिक उड्डयन सचिव राजीव बंसल से एयरलाइनों को हलवारा से दिल्ली व मुंबई उड़ानें शुरू करने के लिए दबाव बनाने की स्वीकृति प्राप्त हुई।

26 अगस्त 2023: संजीव अरोड़ा ने प्रगति की समीक्षा के लिए हलवारा हवाई अड्डे का दौरा किया।

9 जनवरी 2024: मंत्रालय ने निर्माण प्रगति पर अद्यतन जानकारी दी।

31 जनवरी 2024: अंतरिम टर्मिनल भवन के उद्घाटन का अनुरोध किया गया।

19 जुलाई 2024: संजीव अरोड़ा ने एएआई, पीडब्ल्यूडी और भारतीय वायुसेना के अधिकारियों के साथ निर्माण की समीक्षा की गई।

13 अगस्त 2024: अरोड़ा जी की टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के साथ उड़ानों को लेकर चर्चा हुई।

29 अगस्त 2024: अरोड़ा जी एयर इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात, जल्द उड़ान शुरू होने का आश्वासन मिला।

3 सितंबर 2024:सांसद श्री अरोड़ा ने नागरिक उड्डयन मंत्री को पत्र लिखकर कार्य तेज करने की मांग की गई।

21 दिसंबर 2024: एएआई चेयरमैन विपिन कुमार से एयरपोर्ट कोड और संचालन तिथि पर चर्चा हुई।

8 जनवरी 2025: एयर इंडिया ने कमीशनिंग के बाद उड़ान संचालन शुरू करने की बात कही।

10 जनवरी 2025: एयर इंडिया ने हलवारा से उड़ानें संचालित करने पर सहमति दी।

4 फरवरी 2025: हलवारा को एच डबलयू आर एयरपोर्ट कोड प्राप्त हुआ।

19 फरवरी 2025: सांसद अरोड़ा जी द्वारा अंतिम चरण के कार्यों की समीक्षा की गई।

23 मई 2025: मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय से टर्मिनल चालू करने का अनुरोध किया।

जून 2025: बुनियादी ढांचा कार्य पूरा हुआ; टर्मिनल की फिनिशिंग भी पूरी हुई।

27 जुलाई 2025: तकनीकी कारणों से उद्घाटन स्थगित हुआ।

2 दिसंबर 2025: राज्यसभा में संचालन तेज करने की मांग उठी।

29 दिसंबर 2025: एयर इंडिया ने सप्ताह में पांच दिन संचालन की मंजूरी दी।

15 जनवरी 2026: अंतिम सुरक्षा ऑडिट पूरा हुआ; बीसीएएस से अनुमति मिली।

28 जनवरी 2026: अंतिम साइट निरीक्षण किया गया।

29 जनवरी 2026: 1 फरवरी को उद्घाटन की पुष्टि; एयर इंडिया ने सात दिन संचालन का अनुरोध किया।

1 फरवरी 2026: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टर्मिनल भवन का वर्चुअल उद्घाटन किया।

श्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि हलवारा हवाई अड्डे के शुरू होने से क्षेत्रीय हवाई संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, यात्रा समय कम होगा और उद्योग, निर्यात तथा निवेश को बड़ा बढ़ावा मिलेगा–विशेष रूप से लुधियाना जैसे प्रमुख औद्योगिक केंद्र को।

उन्होंने कहा कि उनके निरंतर प्रयास, नीतिगत पहल और नागरिक उड्डयन मंत्रालय, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, एयरलाइंस तथा पंजाब सरकार के साथ बेहतर समन्वय के कारण यह लंबे समय से लंबित परियोजना अंततः सफल हो पाई।

तेहरान में शक्तिशाली धमाके, इराक के कुर्द इलाके में हमला

तेहरान के आसमान में गूंजे धमाके और इराक में 'सराया औलिया अल-दाम' का कहर

एजेंसी (हि.स.)
तेहरान/बगदाद

ईरान की राजधानी तेहरान में रविवार सुबह एक साथ कई धमाके हुए हैं। ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने यह जानकारी दी। उधर, इराक के कुर्द इलाके में हमलों में तेजी से चिंता बढ़ गई है। अमेरिका-इजराइल और ईरान की इस लड़ाई में इराक में मौजूद हथियारबंद गुट ' सराया औलिया अल-दाम' ने अमेरिकी हितों पर हमला किया है।

अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, फार्स ने बताया कि आज सुबह करीब 7:20 बजे उत्तरी तेहरान में दो जोरदार धमाके हुए। हालांकि, यह साफ नहीं हो पाया निशाना किसे बनाया गया। उधर, इराक में खासकर स्वायत्त कुर्द इलाके में हमलों में अचानक तेजी आई है। दुहोक में कुर्द इलाके के राष्ट्रपति नेचिरवान बरजानी के घर को निशाना बनाने की कई कोशिश हुई है। एक बयान में, बरजानी ने बगदाद में केंद्र सरकार से इन हमलों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने की अपील की।

इराक में मौजूद हथियारबंद समूह 'सराया औलिया अल-दाम' ने विज्ञप्ति जारी की है। इस समूह के ईरान से संबंध हैं। समूह ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटों में उसने कम से कम छह ऐसे इलाकों को निशाना बनाया है जिनका संबंध अमेरिकी हितों से है। इस समूह ने कोया जिले में विस्थापितों के कैंप और हरीर में अमेरिका के सैन्य बेस पर हमला किया है। इस समूह ने एरबिल में अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन से हमला करने की भी कोशिश की। बताया गया है कि इन हमलों को अमेरिकी हवाई सुरक्षा प्रणाली ने विफल कर दिया। इस बीच बगदाद में भी कुछ देर पहले आसमान में धमाकों की तेज सुनी गई है। उल्लेखनीय है कि सराया औलिया अल-दाम इराक में स्थित ईरान समर्थित शिया मिलिशिया समूह है। यह समूह उत्तरी इराक, विशेष रूप से एरबिल में अमेरिकी ठिकानों पर ड्रोन और रॉकेट हमलों के लिए जिम्मेदार है। यह समूह मुख्य रूप से अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या का बदला लेने के लिए ईरान की सैन्य कार्रवाई में उसका साथ दे रहा है। इसे असाइब अहल अल-हक मिलिशिया से जुड़ा फ्रंट ग्रुप माना जाता है। यह इस्लामिक रेजिस्टेंस इन इराक का हिस्सा है। यह समूह खुद को इराकी प्रतिरोध के हिस्से के रूप में पेश करता है और ईरान के खिलाफ इजराइल-अमेरिका युद्ध के जवाब में सक्रिय है।

अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध क्षेत्र में जमे हुए हैं। ईरान ने बहरीन के एक एल्युमिनियम प्लांट पर हमला किया है। हमले में प्लांट के दो कर्मचारी घायल हो गए हैं। इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने ली है। यह औद्योगिक प्लांट बहरीन की प्रमुख एल्युमिनियम कंपनी एल्युमिनियम बहरीन (अल्बा) का है। औद्योगिक प्लांट पर हुए हमले ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित प्रमुख औद्योगिक इकाइयों को निशाना बनाया। आईआरजीसी के बयान में कहा गया कि उसकी एयरोस्पेस और नौसेना बलों ने मिसाइल और ड्रोन के जरिए एक संयुक्त अभियान चलाया। इस अभियान में यूएई के अमीरात ग्लोबल एल्युमिनियम और बहरीन के एल्युमिनियम बहरीन (अल्बा) प्लांट को लक्षित किया गया। ईरान ने मध्य पूर्व में स्थित इजराइली और अमेरिकी विश्वविद्यालयों पर हमले करने की धमकी दी है। यमन के हूती विद्रोहियों ने ईरान के समर्थन में इजराइल पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया है। ईरान ने कहा है कि इजराइल और अमेरिका देश पर लगातार हमले कर रहे हैं। बुशेहर प्रांत और खुजेस्तान प्रांत में हुए हमले का हर हाल में बदला लिया जाएगा। अमेरिका और इजराइल के बुशेहर प्रांत में किए गए हमले में एक परिवार के चार सदस्य मारे गए। दोनों देशों ने खुजेस्तान प्रांत में एक जल सुविधा पर हमला किया। इसके जवाब में, तेहरान ने मध्य पूर्व में स्थित इजराइली और अमेरिकी विश्वविद्यालयों पर जवाबी हमला करने की धमकी दी है। इसके अलावा यमन के हूती विद्रोहियों ने इजराइल पर मिसाइलों और ड्रोन से दूसरा हमला किया है। ईरान के प्रेस टीवी ने कहा कि शनिवार को हमले में इजराइली रडार सेंटर और एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया।

ईरान ने मध्य पूर्व के अमेरिकी-इजराइली विश्वविद्यालयों पर हमले की धमकी दी

तेहरान। ईरान ने मध्य पूर्व स्थित इजराइली और अमेरिकी विश्वविद्यालयों पर हमले करने की धमकी दी है। उधर, यमन के हूती विद्रोहियों ने ईरान के समर्थन में इजराइल पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया है। ईरान ने कहा है कि इजराइल और अमेरिका देश पर लगातार हमले कर रहे हैं। बुशेहर प्रांत और खुजेस्तान प्रांत में हुए हमले का हर हाल में बदला लिया जाएगा। अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और इजराइल के बुशेहर प्रांत में किए गए हमले में एक परिवार के चार सदस्य मारे गए। दोनों देशों ने खुजेस्तान प्रांत में एक जल सुविधा पर हमला किया। इसके जवाब में, तेहरान ने मध्य पूर्व में स्थित इजराइली और अमेरिकी विश्वविद्यालयों पर जवाबी हमला करने की धमकी दी है। इसके अलावा यमन के हूती विद्रोहियों ने इजराइल पर मिसाइलों और ड्रोन से दूसरा हमला किया है। अल जजीरा का दावा है कि इजराइल के तेल अवीव और अमेरिकी शहरों में प्रदर्शनकारी ईरान के खिलाफ युद्ध का विरोध करने के लिए रैलियां कर रहे हैं। वहीं, लेबनान में लोग इजराइल के हमले में तीन पत्रकारों को मारे जाने के विरोध में बेरूत की सड़कों पर उतर आए हैं। ईरान के जवाबी हमलों से इजराइल और खाड़ी क्षेत्र में जान-माल का नुकसान हुआ है। एल्युमीनियम बहरीन और एमिरेट्स ग्लोबल एल्युमीनियम ने अपनी सुविधाओं पर हमले होने की जानकारी दी है। ईरान के प्रेस टीवी ने कहा कि शनिवार को हमले में इजराइली रडार सेंटर और एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया। यह हमला इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी), ईरानी सेना और मध्य-पूर्व में तेहरान के सहयोगियों ने संयुक्त रूप से किया। ईरान ने दावा किया है कि हमले में आईआरजीसी ने एक अमेरिकी एमक्यू 9 ड्रोन को मार गिराया और एक एफ-16 लड़ाकू विमान को भी निशाना बनाया। ईरानी सेना ने हाइफा बंदरगाह शहर में इजराइली सैन्य एयरोस्पेस कॉम्प्लेक्स में स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और रडार सेंटर को निशाना बनाया। इस सेंटर को इजराइली रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी चलाती है।

ईरानी मीडिया की अमेरिका को सख्त चेतावनी, फ्रंट पेज पर लिखा–'नरक में स्वागत है'

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच ईरानी मीडिया ने कड़ा रुख अपनाते हुए अमेरिका को सीधी चेतावनी दी है। तेहरान टाइम्स ने अपने फ्रंट पेज पर नरक में स्वागत है शीर्षक के साथ एक तीखा संदेश प्रकाशित किया, जिसमें कहा गया है कि अगर अमेरिकी सेना ईरान की जमीन पर कदम रखती है, तो वह ताबूत में ही वापस जाएगी। यह बयान ऐसे समय सामने आया है जब खबरें हैं कि अमेरिका पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने पर विचार कर रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप संभावित जमीनी कार्रवाई (ग्राउंड ऑपरेशन) के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं, हालांकि इस पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। यदि अमेरिका ईरान के पास मौजूद संवेदनशील परमाणु सामग्री तक पहुंच बनाना चाहता है, तो उसे बड़े पैमाने पर सैन्य तैनाती करनी पड़ सकती है। बताया जा रहा है कि यह सामग्री जमीन के काफी अंदर सुरक्षित स्थानों पर रखी गई है, जिससे किसी भी ऑपरेशन को जटिल और जोखिमपूर्ण बनाया जा सकता है। ईरान पहले भी स्पष्ट कर चुका है कि यदि उस पर जमीनी हमला होता है, तो वह कड़ा जवाब देगा। अखबार में सैनिकों की तस्वीरें प्रकाशित कर यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि देश किसी भी संभावित हमले का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस घटनाक्रम ने क्षेत्र में पहले से जारी तनाव को और बढ़ा दिया है, जिससे वैश्विक स्तर पर चिंता भी बढ़ती जा रही है।

पाकिस्तान से संघर्ष खत्म करने के लिए अफगानिस्तान बातचीत को तैयार

एजेंसी (हि.स.)
काबुल

अफगानिस्तान के विदेशमंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने कहा है कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान के साथ सभी मुद्दों को बातचीत और आपसी समझ के जरिए हल करने का इच्छुक है। अफगान विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, मुत्ताकी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री अब्दुल्ला बिन जायेद अल नाहयान के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत के दौरान यह बातें कहीं।

पाकिस्तान के दुनिया न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इस चर्चा में द्विपक्षीय संबंध, अफगानिस्तान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच चल रहे मुद्दे, क्षेत्रीय स्थिति और अफगानिस्तान-पाकिस्तान संबंधों में हाल के घटनाक्रम शामिल रहे। मुत्ताकी ने एक अमेरिकी कैदी की रिहाई सुनिश्चित करने में सफल मध्यस्थता के लिए संयुक्त अरब अमीरात का आभार भी व्यक्त किया और कूटनीतिक जुड़ाव के माध्यम से मुद्दों को हल करने के प्रति अफगानिस्तान की प्रतिबद्धता को दोहराया। अफगान विदेशमंत्री ने ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल से जुड़े संघर्ष की आलोचना की और चेतावनी दी कि इस तरह के घटनाक्रम क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करते हैं। उन्होंने इस क्षेत्र में युद्ध के बढ़ने को चिंताजनक और निंदनीय बताया और यूएई के धैर्य और कूटनीतिक दृष्टिकोण की प्रशंसा की। पाकिस्तान के साथ संबंधों के संबंध में मुत्ताकी ने इस बात पर जोर दिया कि अफगानिस्तान एक पड़ोसी देश के रूप में चाहता है कि सभी विवाद शांतिपूर्ण बातचीत के माध्यम से सुलझाए जाएं।

बहरीन में अल्बा के एल्युमिनियम प्लांट पर ईरान का हमला

- दो कर्मचारी घायल, आईआरजीसी ने ली जिम्मेदारी

एजेंसी (हि.स.)
मनामा (बहरीन)

मध्य पूर्व में तनाव एक बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। शनिवार को ईरान की 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' ने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित प्रमुख औद्योगिक इकाइयों पर बड़ा हमला करने का दावा किया है। इस हमले का मुख्य निशाना बहरीन की दिग्गज एल्युमिनियम कंपनी एल्युमिनियम बहरीन और यूएई की अमीरात ग्लोबल एल्युमिनियम रहे।

इस सैन्य कार्रवाई ने न केवल खाड़ी देशों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और तेल-गैस की आपूर्ति श्रृंखला को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है। बहरीन न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अल्बा ने रविवार को आधिकारिक पुष्टि की कि उसके संयंत्र को निशाना बनाया गया है। इस हमले में कंपनी के दो कर्मचारी घायल हुए हैं, जिन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि हालांकि नुकसान का आकलन किया जा रहा है, लेकिन फिलहाल संचालन को सामान्य बनाए रखने की कोशिशें जारी हैं।

आईआरजीसी का दावा: 'अमेरिकी सैन्य तंत्र को जवाब', MQ-9 ड्रोन गिराने की भी बात

ईरान की सरकारी मीडिया एजेंसी 'आईआरआईबी' ने आईआरजीसी के हवाले से बताया कि यह एक संयुक्त अभियान था, जिसमें एयरोस्पेस और नौसेना बलों ने अत्याधुनिक मिसाइलों और ड्रोनों का उपयोग किया। ईरान का आरोप है कि बहरीन और यूएई के ये एल्युमिनियम प्लांट प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिकी रक्षा और एयरोस्पेस उद्योग को कच्चा माल मुहैया कराते हैं, जो अंततः अमेरिकी सैन्य उत्पादन में सहायक होता है। ईरान ने इसे अपने देश के औद्योगिक ढांचे पर हुए अमेरिकी-इजरायली हमलों का 'जवाबी हमला' करार दिया है। गौरतलब है कि पिछले दिनों ईरान के बुशेहर और खुजेस्तान प्रांतों में हवाई हमले हुए थे, जिसमें बुशेहर में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई थी और खुजेस्तान में एक महत्वपूर्ण जल सुविधा को नुकसान पहुंचा था। ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह अपनी संप्रभुता पर हुए किसी भी प्रहार को बर्दाश्त नहीं करेगा। इसके अतिरिक्त, ईरान के 'प्रेस टीवी' ने दावा किया है कि इस कार्रवाई के दौरान ईरानी बलों ने एक अमेरिकी MQ-9 रीपर ड्रोन को मार गिराया और एक इजरायली F-16 लड़ाकू विमान को भी सफलतापूर्वक निशाना बनाया है। ईरानी सेना और आईआरजीसी ने केवल औद्योगिक संयंत्रों तक ही अपनी कार्रवाई सीमित नहीं रखी। रिपोर्टों के अनुसार, इजरायल के भीतर भी महत्वपूर्ण सैन्य और रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया गया है। हाइफा बंदरगाह शहर में स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर और रडार सेंटर पर सटीक हमला किया गया, जिसे एक प्रमुख इजरायली रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी द्वारा संचालित किया जाता था। इसके अलावा, तेल अवीव के डेविड बेन गुरियन एयरपोर्ट पर एक बड़े ईंधन भंडारण केंद्र को भी निशाना बनाने की खबर है। यमन के हूती विद्रोहियों ने भी ईरान के समर्थन में मोर्चा खोल दिया है। हूतियों ने इजरायल की ओर कई मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं, जिसे उन्होंने फिलिस्तीन और ईरान के समर्थन में 'दूसरा चरण' बताया है।

शैक्षणिक संस्थान भी निशाने पर, बढ़ते क्षेत्रीय तनाव से दुनिया चिंतित

ईरान ने अब एक नई और विवादास्पद धमकी दी है। तेहरान ने चेतावनी दी है कि यदि इजरायल और अमेरिका ने अपनी आक्रामक गतिविधियां बंद नहीं कीं, तो वह मध्य पूर्व में स्थित अमेरिकी और इजरायली विश्वविद्यालयों को भी निशाना बना सकता है। ईरान का तर्क है कि ये संस्थान केवल शिक्षा के केंद्र नहीं हैं, बल्कि पश्चिमी खुफिया एजेंसियों और सैन्य थिंक-टैंक के लिए रणनीतिक केंद्र के रूप में काम करते हैं। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि खाड़ी क्षेत्र में एल्युमिनियम और ऊर्जा संयंत्रों पर हमला वैश्विक बाजार के लिए एक बड़ा झटका है। बहरीन की 'अल्बा' दुनिया के सबसे बड़े एल्युमिनियम स्मेल्टरों में से एक है। यदि यह संघर्ष लंबा खींचता है, तो विमानन और निर्माण क्षेत्र में कच्चे माल की किल्लत हो सकती है। फिलहाल, सुरक्षा परिषद और वैश्विक नेता तनाव कम करने की अपील कर रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध की ओर इशारा कर रही है।

संक्षिप्त-समाचार

नेपाल के पूर्व ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस के नेता तथा पूर्व ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का को आज सुबह पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। खड़का ओली सरकार में ऊर्जा मंत्री रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो ने की है। एक पुराने जमीन पर अवैध कब्जा के मामले में खड़का की गिरफ्तारी हुई है। नेपाल पुलिस की केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो ने खड़का को उनके निवास से गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की भी जांच चल रही है। जेन जी प्रदर्शन के दौरान दीपक खड़का के घर से बड़ी मात्रा में रकम बरामद हुई थी। खड़का पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउवा के करीबी हैं और ओली की सरकार में ऊर्जा मंत्री रहे। वो देउवा की पत्नी डॉ. आरजू राणा के बिजनेस पार्टनर भी हैं। काठमांडू के बूढानीलकण्ठ में उनका एक फाइव स्टार रिसोर्ट भी है। इसका मैनेजमेंट हॉलिडे इन ग्रुप करता है।

किशोरी की मौत मामले में आरोपित ट्यूटर गिरफ्तार

अलीपुरद्वार। शहर के कुलीपाड़ा इलाके में किशोरी की संदिग्ध मौत के मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। पुलिस ने आखिरकार आरोपित ट्यूटर आमिर अली को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, गुरुंग बस्ती निवासी आरोपित आमिर अली को शनिवार देर रात एक अन्य जिले से गिरफ्तार किया गया। उसे रविवार को सिलीगुड़ी लाया जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले सोमवार कुलीपाड़ा में किशोरी का शव फंदे से लटका हुआ मिला था, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी। आरोप है कि मृतका का किशोरी ट्यूटर के साथ प्रेम संबंध था। वह उसके घर ट्यूशन पढ़ने जाती थी। आरोपित पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं। मृतका के परिजनों का आरोप है कि ट्यूटर ने ही उनकी बेटी को आत्महत्या के लिए उकसाया। घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया और लोगों ने आरोपित की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इसी बीच, घटना सामने आते ही आरोपित अपनी पत्नी और बच्चों के साथ फरार हो गया था। जिसके बाद गुस्साए लोगों ने आरोपित के घर में तोड़फोड़ की थी। कई दिनों तक गिरफ्तारी न होने से लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा था, लेकिन आखिरकार पुलिस ने उसे पकड़ लिया। अब पूरे मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

रांची के 'लॉड्र्स ऑफ ड्रिंक्स' बार में पुलिस की छापेमारी

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में शनिवार देर रात पुलिस ने लॉड्र्स ऑफ ड्रिंक्स बार में छापेमारी की। हालांकि इस कार्रवाई के दौरान पुलिस को कोई आपत्तिजनक सामग्री या अवैध गतिविधि के सबूत नहीं मिले, लेकिन अचानक हुई इस रेड से बार में मौजूद लोगों और प्रबंधन के बीच हड़कंप मच गया। दरअसल, पुलिस को शिकायत मिली थी कि बार में देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा है, साथ ही ग्राहकों को ड्रग्स उपलब्ध कराने और अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्तता की आशंका जताई गई थी। इन सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस टीम ने बार के स्टॉक की जांच की और लाइसेंस से जुड़े दस्तावेजों का भी सत्यापन किया। इसके अलावा, वहां मौजूद लोगों से पूछताछ की गई और सुरक्षा के मद्देनजर सभी को घर जाने के निर्देश दिए गए। इस मामले पर कोतवाली पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) प्रकाश सोय ने रविवार को बताया कि पुलिस को देर रात तक डीजे बजाने और अवैध गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। इसी के आधार पर टीम मौके पर पहुंची और सभी पहलुओं की गहन जांच की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि छापेमारी के दौरान कोई भी संदिग्ध या अवैध सामग्री बरामद नहीं हुई। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है और भविष्य में ऐसी शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

बंदर के हमले के बाद मजदूर छत से गिरा, मौत

डेहरी आन सोन। रोहतास जिले के बद्दी थाना क्षेत्र के रायपुर चौड़ गांव में छत पर काम कर रहे एक मजदूर पर बंदर ने आज हमला कर दिया। इस हरबराहट में मजदूर छत से नीचे गिर गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक दिहल बिंद 38 साल के थे तथा रायपुर चौड़ के ही रहने वाले थे। बता दे की गांव में ही एक व्यक्ति के मकान का निर्माण कार्य चल रहा है। इसी दौरान छत के ऊपरी मंजिल पर वह कुछ काम कर रहे थे। इसी दौरान एक बंदर ने हमला कर दिया। बंदर से बचने के चक्कर में वह भागने लगे। लेकिन इसी बीच अफरा तफरी में छत से नीचे गिर गया और सिर में गंभीर चोट लग जाने के कारण उसकी की मौत हो गई। वह राम वशिष्ठ बिंद का पुत्र था। पुलिस भी मौके पर पहुंची तथा मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम के सदर अस्पताल भेज दिया है।

हाथियों का तांडव, किसानों की फसल बर्बाद

अलीपुरद्वार। जिले के फालाकाटा के बंशीधरपुर गांव में शनिवार देर रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब जलदापाड़ा नेशनल पार्क के जंगल से निकलकर 14 हाथियों का झुंड गांव में घुस आया। ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों ने गांव में घुसते ही जमकर तांडव मचाया और बीघों में फैली मक्का और धान की फसलों को पूरी तरह नष्ट कर दिया। जयंत अधिकारी और ईश्वर बर्मन सहित कई किसानों की करीब 15 बीघा मक्के की फसल बर्बाद हो गई। वहीं प्रदीप अधिकारी और प्राणेश्वर बर्मन के धान के खेत भी हाथियों के हमले से नहीं बच सके। मक्का इस समय किसानों के लिए एक प्रमुख नकदी फसल है। पहले से ही आलू की फसल में नुकसान झेल रहे किसानों के लिए यह नई मार बेहद भारी साबित हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में लगभग हर रात हाथियों का उत्पात जारी है, जिससे ग्रामीणों में भारी डर और नाराजगी का माहौल है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथियों को वापस जंगल की ओर खदेड़ दिया। वन विभाग ने आश्वासन दिया है कि सरकारी नियमों के अनुसार प्रभावित किसानों को जल्द मुआवजा दिया जाएगा।

घुसपैठ के मुद्दे पर ममता बनर्जी ने बदला रुख : घोष

खड़गपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं खड़गपुर सदर के प्रत्याशी दिलीप घोष ने घुसपैठ और अवैध मतदाताओं के मुद्दे पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा प्रहार किया है। रविवार सुबह खड़गपुर में मॉर्निंग वॉक के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि जब ममता बनर्जी विपक्ष की नेता थीं, तब वह स्वयं स्वीकार करती थीं कि घुसपैठियों के कारण बंगाल ही नहीं बल्कि पूरे देश की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है। दिलीप घोष ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर ममता बनर्जी के पुराने बयान का उल्लेख करते हुए उन्हें घेरते हुए कहा कि सत्ता में आने के बाद उनका रुख पूरी तरह बदल गया है।

दिल्ली के चांद बाग में बहुमंजिला मकान में लगी आग, चार लोगों ने लगाई छलांग

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र स्थित चांद बाग में आज तड़के एक बहुमंजिला मकान में आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग ग्राउंड फ्लोर की पार्किंग में खड़े दो स्कूटर और एक मोटरसाइकिल में लगी, जिसके बाद धुआं तेजी से फैल गया। धुएं से घबराकर पहली मंजिल पर मौजूद चार लोगों ने छलांग लगा दी, जबकि दमकल कर्मियों ने ऊपरी मंजिलों से चार अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

दमकल विभाग को घटना की सूचना रात करीब 2:30 बजे मिली। सूचना मिलते ही चार दमकल की गाड़ी मौके पर भेजी गईं। आग की गंभीरता को देखते हुए करीब 2:56 बजे मेक-4 घोषित किया गया, जिसके बाद अतिरिक्त दमकल गाड़ियां रवाना की गईं। कुल 11 दमकल वाहन मौके पर पहुंचे। दमकल अधिकारियों के मुताबिक, इमारत ग्राउंड प्लस पांच मंजिल की है और इसका क्षेत्रफल करीब 50 वर्ग गज है। आग से उठे धुएं ने ऊपरी मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे लोग फंस गए। दमकल कर्मियों ने राहत एवं बचाव अभियान चलाते हुए दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल से चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं चौथी मंजिल से एक बच्चे को भी सुरक्षित रेस्क्यू किया गया।

घटना के दौरान निकहत (22), राशिदा (50), सोनी (25) और दो वर्षीय आशिफ ने पहली मंजिल से छलांग लगा दी। सभी को तत्काल जग प्रवेश चंद अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। वहीं सुवेद (12), दुर्वेद (10), आरिफा (28) और फराह (14) को दमकल कर्मियों ने सुरक्षित बचा लिया।

सुबह करीब 6:20 बजे तक दमकल की सभी गाड़ियां वापस लौट गईं और आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। मौके पर एडीओ दीपक हुड्डा के नेतृत्व में राहत कार्य चलाया गया। फिलहाल दयालपुर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही हैं। शुरूआती जांच में आग लगने का कारण पार्किंग में खड़े वाहनों से जुड़ा माना जा रहा है। वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

जेन जी आंदोलन में मारे गए 27 छात्रों के परिजनों को सरकारी नौकरी

काठमांडू। नेपाल की बालेन्द्र शाह (बालेन) सरकार ने पिछले साल 08 सितंबर को हुए जेन जी आंदोलन में पुलिस की गोली लगने से मारे गए 27 छात्रों के परिजनों को सरकारी नौकरी देने का फैसला किया है। इस फैसले के तत्काल बाद सभी को बिजली विभाग में नौकरी देने का प्रस्ताव भेज दिया गया। बालेन सरकार के इस फैसले के बाद दिवंगत छात्रों निकटतम परिजनों को बिजली विभाग में नौकरी दे गई। नेपाल विद्युत प्राधिकरण ने इन सभी को नौकरी देने की अधिसूचना जारी कर दी है। इनको उनके गृह जिले में ही उनकी क्षमता और शैक्षणिक योग्यता के आधार पर नौकरी देने की प्रस्ताव किया गया है। प्राधिकरण ने विज्ञप्ति में कहा कि यह सभी लोग 35 दिनों के भीतर सभी औपचारिकताएं पूरी कर नियुक्ति पत्र प्राप्त कर लें। बालेन ने चुनाव घोषणा पत्र में मारे गए छात्रों के परिजनों को सरकारी नौकरी देने का वादा किया गया था।

मणिपुर में दो उग्रवादी संगठनों के दो कैडर एवं मादक पदार्थ के साथ दो ड्राइवर गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
इंफाल

मणिपुर पुलिस एवं सुरक्षा बलों द्वारा राज्य के अलग-अलग हिस्सों में चलाए जा रहे अभियानों के दौरान उग्रवादियों की गिरफ्तारी, हथियार एवं गोला-बारूद की बरामदगी के साथ ही मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले तस्करों की भी लगातार गिरफ्तारी जारी है। इसी कड़ी में दो उग्रवादियों की जहां गिरफ्तारी हुई है, वहीं भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया गया है।

फोटोः हि.स.

मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा रविवार को दी गयी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 28 मार्च को सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन यूपीपीके के एक सक्रिय कैडर खारीबाम बोयनाओ मैतेई उर्फ लमंगकपा (32) को उसके निवास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित को इंफाल पूर्वी जिले के सगोलमांग थानांतर्गत ईशिंगथेम्बी मपाल लीकाई का रहने वाला बताया गया है। वहीं एक अन्य बयान में इसी दिन सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन आरपीएफ/पीएलए के जबरन वसूली में शामिल एक सक्रिय कैडर थोकचोम खेलजीत मैतेई उर्फ कैनी (48) को इंफाल पूर्वी जिले पोरोम्पैट थानांतर्गत हप्ता कांगजीबुंग क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। आरोपित इंफाल पश्चिम जिले के लाम्फेल थानांतर्गत नाओरेमथोंग खुमानथेम लीकाई का निवासी बताया गया है। उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। इस बीच शनिवार को सुरक्षा बलों और एनसीबी की एक संयुक्त टीम ने चुराचांदपुर जिले के नगाथल मैदान इलाके से एक डीआई टाटा और एक स्कॉर्पियो को रोका और तलाशी के दौरान मिले मादक पदार्थ के बाद ड्राइवरों को गिरफ्तार किया गया।

राजधानी में दो पक्षों के बीच चले लाठी-डंडे, पुलिस ने संभाला मोर्चा

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

राजधानी रायपुर के आजाद चौक थाना क्षेत्र अंतर्गत मोमिन पारा और बढ़ई पारा इलाके में शनिवार देर रात धार्मिक जुलूस के दौरान दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई है, जिसे देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। थाने से मिली जानकारी के अनुसार, जुलूस के दौरान विवाद की शुरूआत मोटरसाइकिल टक्कर को लेकर हुई थी। बताया जा रहा है कि बढ़ई पारा के कुछ नाबालिग लड़कों की मोटरसाइकिल से टक्कर के बाद मोमिन पारा के युवकों से रात लगभग साढ़े 10 से 11 बजे के बीच विवाद हो गया।

यह विवाद इतना बढ़ गया कि इसमें बड़े भी शामिल हो गए। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे चले। इस हमले में तीन युवकों के सिर फट गए, जबकि दोनों पक्षों के करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। आरोप है कि इस दौरान धारदार हथियारों का भी इस्तेमाल किया गया। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग देर रात तक थाने में मौजूद रहे, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर 50 से अधिक पुलिस जवानों और अधिकारियों को तैनात किया गया। वहीं मामले में दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। इस पूरे मामले पर एसीपी आजाद चौक इशु अग्रवाल ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला गया। दोनों पक्षों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की विवेचना जारी है। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई करते हुए आरोपितों की गिरफ्तारी की जाएगी। इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए शनिवार रात से ही अतिरिक्त बल तैनात कर दिया गया है और स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है।

इतिहास

भारतीय सिनेमा का 'स्वर्णिम ऑस्कर' क्षण

सत्यजीत रे ने रचा इतिहास, मिला ऑस्कर सम्मान

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली/कोलकाता

कैलेंडर पर 30 मार्च की तारीख केवल एक अंक नहीं, बल्कि भारतीय कला और संस्कृति के विश्व विजय की गाथा है। आज से ठीक 34 वर्ष पहले, 1992 में इसी दिन विश्व सिनेमा के दिग्गज और भारत के अनमोल रत्न 'सत्यजीत रे' को फिल्म जगत के सबसे प्रतिष्ठित 'ऑस्कर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से नवाजा गया था। यह केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं था, बल्कि भारतीय सिनेमा की उस सादगी और गहराई की जीत थी, जिसने हॉलीवुड की चकाचौंध के बीच अपनी एक अलग पहचान बनाई।

सत्यजीत रे, जिन्हें प्यार से 'माणिक दा' कहा जाता था, उस समय काफी बीमार थे और कोलकाता के एक अस्पताल में भर्ती थे। ऑस्कर के इतिहास में यह दुर्लभ क्षण था जब एकेडमी के तत्कालीन अध्यक्ष खुद ऑस्कर की ट्रॉफी लेकर कोलकाता आए थे। अस्पताल के बिस्तर से दिए गए उनके संक्षिप्त लेकिन प्रभावी संबोधन ने पूरी दुनिया को भावुक कर दिया था।

सत्यजीत रेः कैमरे के पीछे का वह जादूगर जिसने 'पाथेर पांचाली' से दुनिया जीती

सत्यजीत रे का सिनेमाई सफर 1955 में 'पाथेर पांचाली' के साथ शुरू हुआ था। बिभूतिभूषण बंद्योपाध्याय के उपन्यास पर आधारित इस फिल्म को बनाने के लिए रे को अपनी पत्नी के जेवर तक गिरवी रखने पड़े थे। लेकिन जब यह फिल्म पर्दे पर आई, तो इसने कान फिल्म फेस्टिवल से लेकर न्यूयॉर्क तक तहलका मचा दिया। सत्यजीत रे केवल एक निर्देशक नहीं थे; वे एक कुशल पटकथा लेखक, संगीतकार, गीतकार और ग्राफिक डिजाइनर भी थे। उनकी 'अपु ट्रिलॉजी' (पाथेर पांचाली, अपराजितो और अपुर संसार) को आज भी विश्व के शीर्ष फिल्म स्कूलों में एक पाठ्यपुस्तक की तरह पढ़ाया जाता है। उन्होंने अपने करियर में कुल 37 फिल्मों का निर्देशन किया, जिनमें 'चारुलता', 'जल्साघर', 'शतरंज के खिलाड़ी' और बच्चों के लिए 'गुपी गाइन बाघा बाइन' जैसी उत्कृष्ट रचनाएं शामिल हैं। 1984 में उन्हें 'दादा साहब फाल्के' और 1992 में 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया, जो उनके कद को दर्शाता है।

30 मार्च का ऐतिहासिक फलकः अलास्का की खरीद से लेकर राजस्थान के उदय तक

30 मार्च का दिन केवल सिनेमा तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक राजनीति और भारतीय भूगोल के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। **वृहत्तर राजस्थान का गठनः**आज के दिन को पूरा देश 'राजस्थान दिवस' के रूप में मनाता है। 30 मार्च 1949 को जोधपुर, जयपुर, जैसलमेर और बीकानेर जैसी बड़ी रियासतों के विलय के बाद 'वृहत्तर राजस्थान संघ' अस्तित्व में आया था। सरदार वल्लभभाई पटेल की सूझबूझ से राजपूताना की शौर्य गाथा को एक प्रशासनिक सूत्र में पिरोया गया। **अलास्का डील (1867)ः** विश्व इतिहास की सबसे बड़ी भू-राजनीतिक घटनाओं में से एक आज ही के दिन हुई थी। अमेरिका ने रूस से 'अलास्का' को महज 7.2 मिलियन डॉलर में खरीदा था। उस समय इसे 'सीवार्ड की मूर्खता' कहा गया था, लेकिन बाद में वहां मिले सोने और तेल के भंडारों ने अमेरिका की किस्मत बदल दी। **विज्ञान और संघर्षः** 1953 में इसी दिन महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने अपने संशोधित 'एकीकृत क्षेत्र सिद्धांत' की घोषणा की थी। वहीं, 1981 में वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जानलेवा हमला हुआ था, जिसने पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया था।

विश्व नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने जीता मियामी ओपन 2026 का खिताब

'सनशाइन डबल' जीतने वाली बनीं पांचवीं खिलाड़ी

एजेंसी (हि.स.)
मियामी

विश्व टेनिस जगत में इस समय केवल एक ही नाम की गूंज है—आर्यना सबालेंका। बेलारूस की इस दिग्गज खिलाड़ी और वर्तमान विश्व नंबर-1 ने शनिवार रात मियामी ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में घरेलू उम्मीद कोको गॉफ को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए इस हाई-प्रोफाइल मुकाबले में सबालेंका ने गॉफ को 6-2, 4-6, 6-3 से पराजित किया।

इस जीत के साथ ही सबालेंका ने टेनिस के सबसे कठिन माने जाने वाले 'सनशाइन डबल' (एक ही कैलेंडर वर्ष में इंडियन वेल्स और मियामी ओपन जीतना) को पूरा कर इतिहास के पन्नों में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज करा लिया है। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली विश्व की केवल

कोको गॉफ को रोमांचक फाइनल में दी मात

पांचवीं महिला खिलाड़ी बनी हैं।

टेनिस शब्दावली में 'सनशाइन डबल' जीतना किसी ग्रैंड स्लैम जीतने जितना ही चुनौतीपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इसमें खिलाड़ी को लगातार चार सप्ताह तक अमेरिका की दो अलग-अलग परिस्थितियों (कैलिफोर्निया की गर्मी और मियामी की उमस) में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। सबालेंका ने इस जीत के साथ सिद्ध कर दिया है कि वह वर्तमान में 'हार्ड कोर्ट' की निर्विवाद रानी हैं। मियामी ओपन के पूरे टूनामेंट के दौरान उन्होंने जबरदस्त दबदबा बनाए रखा और फाइनल से पहले तक एक भी सेट नहीं गंवाया था। फाइनल में कोको गॉफ ने दूसरे सेट में

फोटोः हि.स.

उन्हें कड़ी टक्कर दी, लेकिन निर्णायक क्षणों में सबालेंका का अनुभव और उनकी 'पावर हिटिंग' भारी पड़ी। फाइनल मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा। पहले सेट में सबालेंका ने तूफानी शुरूआत की। उन्होंने गॉफ की सर्विस को शुरूआती गेम में ही ब्रेक कर 2-0 की बढ़त बना ली। गॉफ के पास सबालेंका के भारी-भरकम फोरहैंड का कोई जवाब नहीं था और बेलारूसी खिलाड़ी ने मात्र 34 मिनट में पहला सेट 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में अमेरिकी स्टार कोको गॉफ ने वापसी की। घरेलू दर्शकों के भारी समर्थन के बीच गॉफ ने अपनी रक्षात्मक शैली बदली और आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने सबालेंका की सर्विस पर दबाव बनाया और छठे गेम में ब्रेक हासिल कर सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। निर्णायक तीसरे सेट में सबालेंका ने फिर से अपना 'वर्ल्ड नंबर-1' वाला अवतार दिखाया। उन्होंने अपनी पहली सर्व पर 73 प्रतिशत अंक जीते और गॉफ को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। मैच का अंत गॉफ की एक बैकहैंड अनफोर्स्ड एरर (गलती) के साथ हुआ, जिसने सबालेंका को चैंपियनशिप पॉइंट दिला दिया। आंकड़ों के अनुसार, पूरे मैच में सबालेंका ने 32 विनर्स लगाए, जो गॉफ के 18 विनर्स के मुकाबले कहीं अधिक थे। सबालेंका के लिए साल 2026 अब तक किसी सपने जैसा रहा है। इस जीत के साथ उनका इस सीजन का जीत-हार का रिकॉर्ड 23-1 हो गया है। साल की उनकी एकमात्र हार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में कजाकिस्तान की एलेना राइबाकिना के खिलाफ आई थी। हालांकि, सबालेंका ने हार को हावी नहीं होने दिया और अगले दो बड़े टूनामेंटों में शानदार वापसी की। दिलचस्प बात यह है कि सबालेंका ने अपनी उस हार का बदला भी इसी महीने चुकता किया। उन्होंने पहले इंडियन वेल्स के फाइनल में और फिर मियामी के सेमीफाइनल में राइबाकिना को सीधे सेटों में हराकर अपनी बादशाहत साबित की। मियामी ओपन की ट्रॉफी उठाने के बाद सबालेंका ने कहा, ₹सनशाइन डबल पूरा करना मेरा हमेशा से सपना था।

ब्रेक से तरोताजा होकर वापसी में मदद मिली : विराट कोहली

एजेंसी (हि.स.)
बेंगलुरू

आईपीएल के 2026 सत्र की शुरूआत नाबाद अर्धशतक से करने वाले महान बल्लेबाज विराट कोहली का मानना है कि नियमित अंतराल पर खेल से ब्रेक लेने से उन्हें थकान से बचने और मानसिक रूप से तरोताजा होकर वापसी करने में मदद मिली। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल के इस सत्र के पहले मैच में गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को छह विकेट से मिली जीत में कोहली ने 38 गेंद में पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 69 रन बनाये। कोहली ने मैच के बाद कहा, वापिस यहां आकर अच्छा लग रहा है। आखिरी मैच मैने पिछले साल आईपीएल फाइनल खेला था लेकिन हाल ही में वनडे श्रृंखलाओं में जिस तरह से बल्लेबाजी की, उससे मुझे लय हासिल करने में मदद मिली।

अंतरराष्ट्रीय टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके कोहली ने कहा, मैं वह शॉट्स नहीं खेल रहा था जो आम तौर पर नहीं खेलता। मुझे पता है कि मैं लय में हूं और मैने फिटनेस पर

फोटोः हि.स.

भी काफी मेहनत की है तो प्रदर्शन अच्छा ही रहेगा। हमारे पास अच्छी शुरूआत का मौका था और हमने वही किया। सिर्फ एक ही प्रारूप खेलने के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, पिछले 15 साल से जिस तरह का कार्यक्रम रहा है और हमने जितनी क्रिकेट खेली है, मेरे लिये तैयारी की कमी की बजाय जरूरत से ज्यादा खेलने की थकान का जोखिम अधिक रहा है। इसलिये इन ब्रेक से तरोताजा होकर लौटने में काफी मदद मिली।

उन्होंने कहा, जब भी मैं खेलने आता हूं तो 120 प्रतिशत देने की कोशिश रहती है। कभी तैयारी के बिना नहीं आता। अतिरिक्त विश्राम से मुझे मानसिक रूप से तरोताजा होने में मदद मिली। अगर आप शारीरिक और मानसिक रूप से तरोताजा होकर खेलते हैं तो टीम के लिये योगदान दे सकते हैं और यही हर खिलाड़ी करना चाहता है।

देवदत्त पडिक्कल की 26 गेंद में 61 रन की पारी को शानदार बताते हुए उन्होंने कहा, मैं पावरप्ले में आक्रामक खेलना चाहता था लेकिन जब मैने उसे इस तरह खेलते देखा तो उसे अधिक स्ट्राइक देने की कोशिश की। उसने एक बेहतरीन पारी खेलकर मैच सनराइजर्स की जद से बाहर कर दिया।

2025 का प्रदर्शन बीती बात, हम कुछ बचाने के लिये नहीं खेल रहे : आरसीबी कप्तान पाटीदार

एजेंसी (हि.स.)
बेंगलुरू

कप्तान रजत पाटीदार ने कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू पिछले साल आईपीएल में मिली जीत को पीछे छोड़ चुकी है और अब फोकस इस साल फिर खिताब जीतने के लिये बेहतरीन प्रदर्शन पर है। आरसीबी ने इस सत्र के पहले मैच में शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद को छह विकेट से हराकर शानदार शुरूआत की।

पाटीदार ने हालांकि कहा कि वह टीम के अभियान को खिताब बचाने की मुहिम नहीं मानते। उन्होंने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हम इस मानसिकता के साथ नहीं खेल रहे हैं कि कुछ बचाना है। हमने 2025 में जो किया, वह बीती बात है। हम इस बार फिर खिताब जीतने के लिये सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के इरादे से खेल रहे हैं। आरसीबी की जीत में विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल और जैकब डफी का अहम योगदान रहा। पाटीदार ने कहा, लक्ष्य का पीछा करने में कोहली

नंबर एक हैं। मुझे हमेशा से उनकी बल्लेबाजी पसंद है और डगआउट से उन्हें खेलते देखना बहुत शानदार रहता है। उन्होंने कहा, कोच एंडी फ्लावर की तरह मुझे भी लगता है कि वह अपने खेल के शिखर पर है। उसकी पारी को बयान करने के लिये मेरे पास समय नहीं है। वह मेरे आदर्श है और मैने उन्हें नेट्स पर उसी ऊर्जा और तत्परता के साथ खेलते देखा है। मैं उन्हें नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखकर बहुत कुछ सीख रहा हूं। सनराइजर्स के शीर्ष तीन विकेट लेने वाले डफी के बारे में उन्होंने कहा, वह टी20 का विशेषज्ञ गेंदबाज है और हमें उस पर काफी भरोसा है। जिस तरह से वह खेल रहा है, जबर्दस्त है।

आईपीएल 2026: गुवाहाटी में 'अदला-बदली' का इम्तिहान

अपनी पूर्व टीमों के सामने होंगे संजू सैमसन और रवींद्र जडेजा

एजेंसी (हि.स.)
गुवाहाटी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का बिगुल बज चुका है और सोमवार को गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में एक ऐसा मुकाबला होने जा रहा है, जिसे देख प्रशंसक हैरान रह जाएंगे। इस बार का मुकाबला केवल चेन्नई सुपर किंग्स बनाम राजस्थान रॉयल्स नहीं है, बल्कि यह भावनाओं और वफादारी के बदले हुए रंगों का इम्तिहान है। पिछले एक दशक से राजस्थान रॉयल्स का चेहरा रहे संजू सैमसन अब चेन्नई की पीली जर्सी में नजर आएंगे, वहीं चेन्नई के 'सर' रवींद्र जडेजा अब गुलाबी शहर के 'रॉयल' बन चुके हैं।

इस सत्र की सबसे बड़ी चर्चा इन दोनों खिलाड़ियों की टीमों की अदला-बदली रही है। संजू सैमसन, जिन्होंने 2022 में रॉयल्स को फाइनल तक

पहुंचाया था, अब चेन्नई की टीम का मुख्य हिस्सा हैं। दूसरी ओर, जडेजा जो महेंद्र सिंह धोनी के सबसे भरोसेमंद सिपहसालार थे, अब रियान पराग की कप्तानी वाली राजस्थान टीम को मजबूती प्रदान करेंगे। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए यह मैच थोड़ा चुनौतीपूर्ण होने वाला है। टीम के मार्गदर्शक और पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी फिटनेस कारणों से कम से कम दो सप्ताह के लिए मैदान से बाहर हैं। वे टीम के साथ गुवाहाटी भी नहीं पहुंचे हैं। ऐसे में भारत की टी20 विश्व कप जीत के नायक रहे संजू सैमसन पर दोहरी जिम्मेदारी होगी। सैमसन न केवल कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के साथ पारी की शुरूआत करेंगे, बल्कि वे टीम के नेतृत्व समूह (कोर लीडरशिप) का भी अहम हिस्सा होंगे। सैमसन वर्तमान में बेहतरीन फॉर्म में हैं। हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्व कप के आखिरी तीन मैचों (वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के विरुद्ध) में उन्होंने लगातार अर्धशतक जड़कर अपनी उपयोगिता सिद्ध की है। चेन्नई की बल्लेबाजी इस बार काफी संतुलित नजर आ रही है। टीम के पास डेवाल्ड ब्रेविस के रूप में एक आक्रामक फिनिशर है, तो शिवम दुबे मध्यक्रम में स्पिनरों के लिए काल बनकर उभर रहे हैं। वहीं, युवा आयुष म्हात्रे पर भी सभी की नजरें होंगी कि वे आईपीएल के बड़े मंच पर खुद को कैसे साबित करते हैं।

राजस्थान रॉयल्स के लिए संजू सैमसन का जाना एक युग का अंत माना जा रहा है। अब टीम की कमान स्थानीय स्टार और घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाने वाले रियान पराग के हाथों में है। पराग अपने घरेलू मैदान (गुवाहाटी) से ही अपनी कप्तानी पारी का आगाज करेंगे, जो उनके लिए एक भावनात्मक पल होगा।

टीमें

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायेर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

चेन्नई सुपर किंग्स: रूतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, मैट हेनरी, अकील हुसैन, नूर अहमद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू शॉर्ट, खलील अहमद, जाक फोकेस, अंशुल कम्बोज, नाथन एलिस, सरफराज खान, राहुल चाहर, कार्तिक शर्मा, उर्विल पटेल, अमन खान, रामाकृष्णा घोष, प्रशांत वीर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह और मुकेश चौधरी।

मैच का समय: शाम 7 . 30 बजे से।

गेंदबाजी खराब रही, हमने देवदत्त, कोहली को रन बनाने के मौके दिये : सनराइजर्स कोच विटोरी

एजेंसी (हि.स.)
बेंगलुरू

फोटोः हि.स.

सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ अपनी टीम की गेंदबाजी को खराब बातते हुए कहा कि गेंदबाजों ने आईपीएल के पहले मैच में विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल को रन बनाने के काफी मौके दिये। सनराइजर्स ने सत्र के पहले मैच में नौ विकेट पर 201 रन बनाये लेकिन आरसीबी ने लक्ष्य 15.4 ओवर में ही हासिल कर लिया।

विटोरी ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, आपको गेंदबाजी से अच्छी शुरूआत की जरूरत थी जो फिल साल्ट का विकेट लेकर की भी, लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके। हमने अनुशासित गेंदबाजी नहीं की। विराट और पडिक्कल को रन बनाने के काफी मौके दिये जिन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि सनराइजर्स ने देखा कि आरसीबी के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने कैसे गेंदबाजी की लेकिन उनके गेंदबाज रणनीति पर अमल नहीं कर पाये। उन्होंने कहा, हमने आरसीबी की गेंदबाजी से काफी कुछ सीखा लेकिन उस पर अमल नहीं कर सके। आईपीएल में हर मैच काफी अहम होता है, खासकर शुरूआती मैच। ऐसे में कोताही नहीं बरती जा सकती।

दर्पण विशेष

धरती की पुकार और हमारी जीवनशैली: 'शून्य अपशिष्ट' के संकल्प से ही बचेगा भविष्य

अंतरराष्ट्रीय शून्य अपशिष्ट दिवस हर साल 30 मार्च को मनाया जाता है, जिसे 14 दिसंबर 2022 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 77वें सत्र में अपनाया गया था। इसका उद्देश्य सतत उत्पादन और खपत को बढ़ावा देना, कचरा कम करना और प्रदूषण पर अंकुश लगाना है। यह दिवस पर्यावरण सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए महत्वपूर्ण है।

कचरे का संकटः एक अदृश्य महामारी

प्रतिवर्ष मानवता अरबों टन कचरा पैदा कर रही है। आंकड़ों की भाषा में कहें तो, वैश्विक स्तर पर हर साल लगभग 2.1 बिलियन से 2.3 बिलियन टन नगरपालिका ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होता है। इसमें से एक बड़ा हिस्सा बिना किसी प्रबंधन के खुले में फेंक दिया जाता है या जला दिया जाता है, जो अंततः हमारी मिट्टी, वायु और जल स्रोतों को जहरीला बना रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हमारे महासागरों में हर मिनट एक ट्रक कचरा डाला जा रहा है। यदि यही गति रही, तो 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होगा। यह केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं है; यह सार्वजनिक स्वास्थ्य का संकट है। सूक्ष्म प्लास्टिक अब हमारे भोजन, नमक और यहां तक कि रक्त के प्रवाह में भी प्रवेश कर चुके हैं।

'जीरो वेस्ट' क्या है? यह केवल रीसाइक्लिंग नहीं है

अक्सर लोग 'शून्य अपशिष्ट' को केवल रीसाइक्लिंग (पुनर्चक्रण) समझ लेते हैं, लेकिन एक पत्रकार के रूप में जब हम इसकी गहराई में जाते हैं, तो पाते हैं कि यह उससे कहीं अधिक व्यापक दर्शन है। शून्य अपशिष्ट का अर्थ है—कचरे को पैदा ही न होने देना।

यह '5-आर' के सिद्धांत पर आधारित है

मना करना: उन चीजों को खरीदने से मना करना जिनकी हमें आवश्यकता नहीं है, विशेषकर सिंगल-यूज प्लास्टिक। **कम करना:** अपने उपभोग को कम करना और केवल जरूरी सामान का ही चयन करना। **पुन:** उपयोगः वस्तुओं को फेंकने के बजाय उन्हें दोबारा इस्तेमाल करने के तरीके खोजना। **नया रूप देना:** खराब हो चुकी चीजों को नए रचनात्मक कार्यों में लगाना। **पुनर्चक्रण:** यह अंतिम विकल्प होना चाहिए, जिसमें कचरे को कच्चे माल में बदला जाता है। शून्य अपशिष्ट का लक्ष्य 'चक्रीय अर्थव्यवस्था' का निर्माण करना है, जहां प्रकृति की तरह कुछ भी 'व्यर्थ' नहीं जाता।

महत्व

आज 'शून्य अपशिष्ट' कोई फैशन या शौक नहीं, बल्कि एक अनिवार्य जीवनशैली बन चुका है। इसके महत्व को निम्नलिखित बिंदुओं से समझा जा सकता है- **स्वास्थ्य सुरक्षा**: कचरे के ढेर बीमारियों का घर हैं। प्लास्टिक अब हमारे भोजन और रक्त तक पहुंच चुका है। शून्य अपशिष्ट का मतलब है एक स्वस्थ समाज। **आर्थिक लाभ**: जब हम चीजों को दोबारा इस्तेमाल करते हैं और कचरा कम करते हैं, तो कच्चे माल की लागत कम होती है और रोजगार के नए अवसर (रीसाइक्लिंग सेक्टर में) पैदा होते हैं। **प्राकृतिक संसाधनों का बचाव**: नई चीजें बनाने के लिए हमें पहाड़ खोदने पड़ते हैं और जंगल काटने पड़ते हैं। यदि हम पुरानी चीजों को ही 'री-परपज' करें, तो प्रकृति बची रहेगी। **जलवायु परिवर्तन पर लगाम**: कचरा प्रबंधन में सुधार करके हम वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में महत्वपूर्ण कमी ला सकते हैं।

इतिहास

शून्य अपशिष्ट दिवस का इतिहास बहुत पुराना नहीं है, लेकिन इसकी प्रासंगिकता सदियों पुरानी है। इस दिवस की नींव तुर्की और संयुक्त राष्ट्र महासभा के संयुक्त प्रयासों से पड़ी। **दिसंबर 2022**: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें 30 मार्च को 'शून्य अपशिष्ट के अंतरराष्ट्रीय दिवस' के रूप में घोषित किया गया। **तुर्की की भूमिका**: इस पहल का मुख्य श्रेय तुर्की की प्रथम महिला एमीन एर्दोआन द्वारा शुरू किए गए 'जीरो वेस्ट' प्रोजेक्ट को जाता है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर कचरा प्रबंधन की इस मुहिम को एक जन आंदोलन बनाया, जिसे बाद में संयुक्त राष्ट्र ने पूरी दुनिया के लिए एक अनिवार्य संकल्प के रूप में स्वीकार किया। **प्रथम आयोजन**: आधिकारिक तौर पर पहला अंतरराष्ट्रीय शून्य अपशिष्ट दिवस 30 मार्च 2023 को मनाया गया, जिसने दुनिया भर की सरकारों और नागरिकों का ध्यान 'चक्रीय अर्थव्यवस्था' की ओर खींचा।

उद्देश्य

एक पत्रकार के रूप में जब हम इस दिवस की गहराई को समझते हैं, तो इसके पीछे के उद्देश्य केवल सड़कों से कूड़ा उठाना नहीं, बल्कि उत्पादन और उपभोग के पूरे चक्र को बदलना है-**सतत उपभोग को बढ़ावा**: इसका प्राथमिक उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि वे केवल उतना ही खरीदें जितनी जरूरत हो। 'अति-उपभोग' ही कचरे की असली जड़ है। **कचरे को संसाधन बनाना**: शून्य अपशिष्ट का लक्ष्य ऐसी व्यवस्था बनाना है जहां कचरा 'व्यर्थ' न जाए, बल्कि उसे दोबारा कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। **प्रदूषण कम करना**: प्रतिवर्ष उत्पादित होने वाले अरबों टन कचरे से निकलने वाली मीथेन और अन्य जहरीली गैसें ग्लोबल वार्मिंग का बड़ा कारण हैं। इसे रोकना इस दिवस का बड़ा लक्ष्य है। महासागरों का संरक्षणः हर साल लाखों टन प्लास्टिक समुद्र में जा रहा है। 'जीरो वेस्ट' संकल्प के जरिए समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को बचाना अनिवार्य है।

वैश्विक प्रयास और भारत की भूमिका

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुर्की और संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में 'शून्य अपशिष्ट' का आंदोलन गति पकड़ रहा है। तुर्की की प्रथम महिला एमीन एर्दोआन द्वारा शुरू किया गया 'जीरो वेस्ट' प्रोजेक्ट आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन गया है। भारत भी इस दिशा में पीछे नहीं है। भारत सरकार का 'स्वच्छ भारत मिशन 2.0' अब केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका लक्ष्य शहरों को 'कचरा मुक्त' बनाना है। इंदौर जैसे शहरों ने साबित कर दिया है कि जनभागीदारी से कचरा प्रबंधन के असंभव लक्ष्यों को भी प्राप्त किया जा सकता है। आज भारत में गीले और सूखे कचरे को अलग करने की संस्कृति विकसित हो रही है, जो शून्य अपशिष्ट की दिशा में पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम है।

औद्योगिक क्षेत्र की जिम्मेदारीः 'एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी'

केवल व्यक्तिगत प्रयासों से दुनिया को कचरा मुक्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए बड़ी कंपनियों और औद्योगिक इकाइयों को अपनी जवाबदेही तय करनी होगी। 'एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी' के तहत अब उत्पादकों की यह जिम्मेदारी है कि वे अपने उत्पादों के उपयोग के बाद उनके कचरे (विशेषकर पैकेजिंग) का प्रबंधन करें। डिजाइन के स्तर पर बदलाव की आवश्यकता है। कंपनियों को ऐसे उत्पाद बनाने चाहिए जो लंबे समय तक चलें, आसानी से ठीक किए जा सकें और अंततः पूरी तरह से बायोडिग्रेडेबल हों। फैशन उद्योग, जो दुनिया के सबसे बड़े प्रदूषकों में से एक है, को 'फास्ट फैशन' की संस्कृति को छोड़कर टिकाऊ निर्माण की ओर बढ़ना होगा।

हमारी रसोई से शुरू हो सकता है बदलाव

एक अनुभवी पत्रकार के नाते मेरा मानना है कि सबसे बड़ी क्रांति घर की दहलीज से शुरू होती है। हमारी रसोई से निकलने वाला गीला कचरा (सब्जियों के छिलके, बचा हुआ भोजन) कचरे के पहाड़ों का 50% से अधिक हिस्सा होता है। यदि हर परिवार 'होम कंपोस्टिंग' (घर पर खाद बनाना) शुरू कर दे, तो कचरा गाड़ियों पर बोझ आधा हो जाएगा और हमें शुद्ध जैविक खाद भी मिलेगी। बाजार जाते समय कपड़े का थैला साथ रखना, पानी की अपनी बोतल ले जाना और कांच या स्टील के बर्तनों का अधिक उपयोग करना छोटे बदलाव लग सकते हैं, लेकिन करोड़ों लोगों द्वारा किए गए ये छोटे प्रयास ही बड़े बदलाव की नींव रखते हैं।

चंडीगढ़ में इंटरनेशनल यूथ कॉन्क्लेव का सफल आयोजन युवाओं के लिए नए अवसरों के लिए एमओयू हस्ताक्षरित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

युगांता ग्लोबल यूथ फेडरेशन, भारत द्वारा पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, सेक्टर-42, चंडीगढ़ के सहयोग से इंटरनेशनल यूथ कॉन्क्लेव का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को वैश्विक अवसरों से जोड़ना और अंतरराष्ट्रीय सहभागिता को बढ़ावा देना था।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रूसी हाउस, नई दिल्ली की चीफ कोऑर्डिनेटर (यूथ अफेयर्स) सुश्री अनास्तासिया इल्यूशिना उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने युवाओं को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और विशेष रूप से रूस में उपलब्ध करियर अवसरों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

यह कार्यक्रम डॉ. नेमी चंद, स्टेट लाइजनिंग ऑफिसर, नेशनल सर्विस स्कीम (ठरर), उच्च शिक्षा विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन तथा श्री विनय कुमार, जिला युवा अधिकारी, ट भारत केंद्र, चंडीगढ़, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित किया गया। इनके सहयोग ने कार्यक्रम को सफल और प्रभावशाली बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस कॉन्क्लेव की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि युगांता ग्लोबल यूथ फेडरेशन और पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, चंडीगढ़ के बीच समझौता ज्ञापन (ट्ङ्गव) का हस्ताक्षर होना रहा। इस समझौते के तहत दोनों संस्थाएं मिलकर युवाओं और विद्यार्थियों के विकास एवं सशक्तिकरण के लिए कार्य करेंगी, उन्हें नए अवसर प्रदान करेंगी, और अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर, नेतृत्व क्षमता तथा कौशल विकास के लिए मंच उपलब्ध कराएंगी।कार्यक्रम को संस्थान की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) बीनू डोगरा का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ, जिनके मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफल आयोजन संभव हो सका। इस कार्यक्रम में चंडीगढ़ के विभिन्न कॉलेजों से 200 से अधिक ठरर एवं ट भारत स्वयंसेवकों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कॉन्क्लेव ने प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा, एक्सचेंज प्रोग्राम्स और वैश्विक करियर अवसरों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की तथा भारत-रूस युवा संबंधों को और मजबूत किया।

इस अवसर पर युगांता ग्लोबल यूथ फेडरेशन के निदेशक रोहित कुमार ने कहा, हमारा उद्देश्य युवाओं को वैश्विक अवसरों से जोड़ना और ऐसे मंच तैयार करना है जहां उनकी क्षमता को नई दिशा मिल सके। यह कॉन्क्लेव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक पहल है जो युवाओं को आत्मविश्वासी, जागरूक और भविष्य के लिए तैयार वैश्विक नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है।ह्व

प्राचार्या प्रो. (डॉ.) बीनू डोगरा ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा, इस प्रकार के सहयोग हमारे विद्यार्थियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलते हैं। इस मंच ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोचने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। हम भविष्य में भी ऐसे प्रयासों का समर्थन करते रहेंगे। कार्यक्रम का समापन सकारात्मक वातावरण के साथ हुआ और यह युवाओं के अंतरराष्ट्रीय सहयोग, नेतृत्व विकास और भविष्य के अवसरों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

तीसरी रस्तोगी-दश क्लिनिकल केस कॉन्फ्रेंस GEP-NETs पर उच्च-प्रभाव वाली बहु-विषयक चचाओं के साथ संपन्न हुई

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

PGIMER में आयोजित तीसरी रस्तोगी-दश क्लिनिकल केस कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन उच्च-स्तरीय शैक्षणिक चचाएँ जारी रहीं, जिसमें गैस्ट्रो-एंटरो-पैंक्रियाटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के जटिल और बदलते पहलुओं पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया।दिन की शुरूआत केस-आधारित ज्ञानवर्धक चचाओं के साथ हुई, जिसमें न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के ऐसे मामले शामिल थे जो कार्सिनॉइड सिंड्रोम से विकसित होकर एक्टोपिक कुशिंग सिंड्रोम का रूप ले लेते हैं; साथ ही, कुशिंग सिंड्रोम से जुड़े मीडियास्टिनल मासेस (छाती के मध्य भाग में गांठें) जैसी विभिन्न चुनौतीपूर्ण नैदानिक स्थितियों पर भी चर्चा हुई। इन सत्रों ने एंडोक्राइन चिकित्सा पद्धति में नैदानिक सतर्कता और गतिशील नैदानिक तर्क-शक्ति के महत्व को रेखांकित किया।

नैदानिक प्रगति पर आधारित बाद के सत्रों में वास्तविक दुनिया की चुनौतियों पर जोर दिया गया, जिसमें छिपे हुए हाइपोग्लाइसीमिया (रक्त शर्करा की कमी) का पता लगाना और मेटास्टेटिक फंक्शनल NETs का प्रबंधन शामिल था। जटिल इंसुलिनोमा मामलों और रोग के दीर्घकालिक प्रक्षेप-पथों पर चर्चा की गई, जिससे व्यक्तिगत उपचार रणनीतियों की आवश्यकता पर बल मिला।

नीदरलैंड के रॉटरडैम से आए डॉ. वाउटर विलेम डी हर्डर के मुख्य व्याख्यान ने शैक्षणिक चर्चा को और भी समृद्ध किया, जिसमें न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के प्रबंधन पर वैश्विक दृष्टिकोण प्रस्तुत किए गए। उपचारात्मक प्रगति इस दिन का एक प्रमुख आकर्षण रही; इसमें Lu-177-आधारित पेप्टाइड रिसेप्टर रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी विशेष रूप से MEN1-संबंधित GEP-NETs के संदर्भ में–तथा इंसुलिनोमा के लिए एवर-निर्देशित रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन जैसे उभरते हुए इंटरवेंशनल (हस्तक्षेपीय) दृष्टिकोणों पर चर्चा की गई। मेटास्टेटिक रोग में PRRT बनाम सोमैटोस्टैटिन एनालॉग्स की तुलनात्मक अंतर्दृष्टि, और हृदय संबंधी जटिलताओं वाले कार्सिनॉइड सिंड्रोम के प्रबंधन पर हुई चचाओं ने उपचारात्मक परिदृश्य के बढ़ते विस्तार को और भी स्पष्ट किया।

पूरे दिन के दौरान, वक्ताओं ने GEP-NETs के रोगियों में उपचार के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण–जिसमें एंडोक्रिनोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, रेडियोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन और सर्जिकल विशेषज्ञता का समन्वय शामिल है–की महत्वपूर्ण भूमिका पर लगातार जोर दिया।

पंचकूला शतरंज चैंपियनशिप 2026 का सफल आयोजन, तरुण भंडारी ने किया शुभारंभ

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

सेक्टर-8 स्थित टिंकरबेल स्कूल (जूनियर ब्रांच ऑफ द भारत स्कूल) में रविवार को पंचकूला शतरंज चैंपियनशिप 2026 का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन चेस एसोसिएशन पंचकूला द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हरियाणा के मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी ने बतौर मुख्य अतिथि किया।इस अवसर पर कार्यक्रम में चेस एसोसिएशन पंचकूला के अध्यक्ष प्रदीप गोयल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष तेजिंदर गुप्ता टोनी, नरेश शर्मा, रविंद्रलाल गौड़, रोहित गर्ग, रोहित शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

विद्यालय की डायरेक्टर-प्रिंसिपल श्रीमती गीतिका सैनी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और अपने प्रेरणादायक संबोधन में विद्यार्थियों को खेलों के माध्यम से मानसिक विकास, अनुशासन और एकाग्रता का महत्व बताया। प्रतियोगिता में ट्राइसिटी क्षेत्र से लगभग 150 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह चैंपियनशिप अंडर-9, अंडर-13 और ओपन वर्ग में आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी रणनीति, धैर्य और शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों ने शतरंज के प्रति अपनी गहरी समझ और बेहतरीन एकाग्रता से सभी को प्रभावित किया। मुख्य अतिथि तरुण भंडारी ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि शतरंज केवल एक खेल नहीं, बल्कि बुद्धिमत्ता, धैर्य, अनुशासन और दूरदर्शिता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज के युवा यदि खेलों, विशेषकर शतरंज जैसी मानसिक खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं, तो इससे उनकी निर्णय क्षमता, आत्मविश्वास और नेतृत्व कौशल मजबूत होता है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, पंचकूला के बच्चों और युवाओं में अद्भुत प्रतिभा है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों ने जिस आत्मविश्वास, एकाग्रता और खेल भावना का परिचय दिया है, वह सराहनीय है। ऐसे आयोजन न केवल प्रतिभाओं को मंच देते हैं, बल्कि बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते हैं। हार-जीत खेल का हिस्सा है, लेकिन असली जीत सीखने, धैर्य और निरंतर प्रयास में होती है।

पर्यावरण जागरूकता की ओर अग्रसर युवा : पंजाब विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं का नेचर कैंप थापली में तीन दिवसीय भ्रमण

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आज पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के छात्र-छात्राओं ने नेचर कैंप थापली में तीन दिवसीय शैक्षिक एवं पर्यावरणीय भ्रमण में भाग लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय पारिस्थितिकी तंत्र विषय पर एक विशेष जागरूकता सत्र प्रदान किया गया। युवा कल्याण संयोजक नरेंद्र सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत नेचर कैंप थापली में आयोजित यह तीन दिवसीय विशेष शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक सिद्ध हो रहा है।

उन्होंने कहा कि इस कैंप के दौरान छात्र-छात्राएं प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण संरक्षण के व्यावहारिक पहलुओं को निकट से समझेंगे। इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं में प्रकृति के प्रति जागरूकता, जिम्मेदारी और संरक्षण की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सत्र के दौरान डिप्टी रेंज अफसर विजय नेहरा ने जलवायु परिवर्तन के वैश्विक एवं स्थानीय प्रभावों, जैव विविधता संरक्षण, वन संपदा के महत्व तथा सतत विकास की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विषयों पर सक्रिय सहभागिता करते हुए प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपने विचार भी व्यक्त किए। कार्यक्रम के दूसरे दिन छात्र-छात्राएं प्रकृति की गोद में ट्रैकिंग गतिविधि में भाग लेंगे, जिसके माध्यम से वे प्राकृतिक वनस्पतियों, जैव विविधता और पहाड़ी पारिस्थितिकी तंत्र को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अनुभव प्राप्त करेंगे।

यह गतिविधि विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क एवं पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी।

संक्षिप्त-समाचार

ड्राफ्ट कलेक्टर रेट जिला प्रशासन पंचकूला की वेबसाइट पर अपलोडः सतपाल शर्मा

पंचकूला। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि वर्ष 2026-27 के जिला पंचकूला के सभी तहसीलों एवं सब-तहसीलों के ड्राफ्ट कलेक्टर रेट जिला प्रशासन पंचकूला की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। आमजन को अवगत करवाया जाता है कि उक्त के संदर्भ में वे अपनी आपत्तियां वेबसाइट या दस्ती तौर पर लघु सचिवालय, सैक्टर-1 पंचकूला के कमरा नंबर 325 में प्रातः 9 बजे से सांय 5 बजे तक 31 मार्च 2026 को प्रातः 11 बजे तक दे सकते हैं। जिला पंचकूला की कलैक्टर रेट के लिये गठित कमेटी इन आपत्तियों का निस्तारण करेगी। इसके उपरांत 1 अप्रैल 2026 से कलैक्टर रेट को प्रभावी तौर पर लागू कर दिया जायेगा।

एनआईएनई, पीजीआई ने 28 मार्च 2026 को अपना 23वां स्थापना दिवस मनाया

चंडीगढ़। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एजुकेशन पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ ने 28 मार्च 2026 को अपने 23वें स्थापना दिवस का उत्सव बड़े उत्साह और उल्लास के साथ NINE ऑडिटोरियम में मनाया। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एजुकेशन की स्थापना मूल रूप से 1964 में विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से कॉलेज ऑफ नर्सिंग फॉर पोस्ट बेसिक एजुकेशन प्रोजेक्ट, इंडिया के रूप में की गई थी, जो उस समय पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. श्री प्रताप सिंह कैरों की दूरदर्शिता का परिणाम था। वर्ष 2003 में, कॉलेज ऑफ नर्सिंग को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एजुकेशन का दर्जा प्राप्त हुआ, जो देश में अपनी तरह का अनूठा संस्थान है। डॉ. सुखपाल कौर ने स्वागत भाषण दिया और संस्थान द्वारा वर्षों में प्राप्त की गई प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी साझा किया कि ठक्कए हर वर्ष अत्यंत दक्ष नर्सों को तैयार करता है, जो अपनी योग्य और समर्पित फैकल्टी के मार्गदर्शन में मानव सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहती हैं। उन्होंने संस्थान के भविष्य की दृष्टि साझा की, जिसमें नर्स प्रैक्टिशनर कोर्सेज और नर्सिंग विशेषज्ञताओं में फेलोशिप कार्यक्रम शुरू करने की योजना शामिल है। संस्थान के निदेशक, प्रो. विवेक लाल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि नर्सें स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं और अस्पतालों की कार्यप्रणाली का अहम हिस्सा हैं। उन्होंने उत्साही नर्सिंग छात्रों की करुणा और समर्पण की सराहना की। कार्यक्रम में प्रो. विपिन कौशल, मेडिकल सुपरिन्टेंडेंट; श्री रविंदर सिंह, वक्ष&अर, वित्त सलाहकार तथा श्री उमीद माथुर, रजिस्ट्रार, पीजीआई भी उपस्थित रहे। इस अवसर की शोभा बढ़ाने के लिए इनकम टैक्स विभाग की संयुक्त आयुक्त, सुश्री ज्योतिंदर कौर बाजवा, वक्ष्र, जो संस्थान की पूर्व छात्रा हैं, भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए नर्सिंग पेशे के योगदानों की सराहना की। उन्होंने नर्सिंग के मौन किंतु गहन प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि नर्सें स्वास्थ्य सेवा की वास्तविक आधारशिला हैं। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि समर्पण, धैर्य और आत्मविश्वास के साथ कोई भी व्यक्ति कुछ भी हासिल कर सकता है। कार्यक्रम में ठक्कए के छात्रों द्वारा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। पूर्व फैकल्टी सदस्यों की उपस्थिति ने इस अवसर में गर्व और विरासत की अनुभूति को और प्रबल किया। समारोह के दौरान NINE के मेधावी छात्रों को सम्मानित करने हेतु पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किया गया। संस्थान के छात्रों ने विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों, वेस्टर्न डांस, कविता पाठ और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अत्यंत उत्साहपूर्वक भाग लिया।

तीसरी रस्तोगी दस क्लीनिकल समारोह का समापनउच्च-स्तरीय विचार-विमर्श के साथ

चंडीगढ़। PGIMER में आयोजित तीसरी रस्तोगी दस क्लीनिकल कांफ्रेंस के दूसरे दिन भी उच्च-स्तरीय शैक्षणिक गतिविधियाँ जारी रहीं, जिनमें गैस्ट्रोझएंटेरोझपैंक्रियाटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के जटिल और विकसित होते पहलुओं पर केंद्रित विचार-विमर्श शामिल थे। दिन की शुरूआत केस-आधारित चचाओं से हुई, जिनमें ऐसे न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर प्रस्तुतियाँ शामिल थीं, जो कार्सिनॉइड सिंड्रोम से एक्टोपिक कुशिंग्स सिंड्रोम में विकसित हुईं, साथ ही कुशिंग्स सिंड्रोम से जुड़े मेडियास्टाइनल मास जैसे चुनौतीपूर्ण नैदानिक परिदृश्य भी शामिल थे। इन सत्रों ने एंडोक्राइन अभ्यास में क्लिनिकल सतर्कता और गतिशील नैदानिक तर्क के महत्व को रेखांकित किया।आगे के सत्रों में नैदानिक प्रगति पर चर्चा की गई, जिनमें वास्तविक दुनिया की चुनौतियों–जैसे अज्ञात हाइपोग्लाइसीमिया का स्थानीयकरण और मेटास्टेटिक फंक्शनल ठएळ२ के प्रबंधन–पर जोर दिया गया। जटिल इंसुलिनोमा मामलों और दीर्घकालिक रोग प्रगति पर भी चर्चा की गई, जिसने रोगी-विशिष्ट उपचार रणनीतियों की आवश्यकता को रेखांकित किया। रॉटरडैम, नीदरलैंड्स से आए डॉ. वाउटर विलेम डे हर्डर द्वारा दिए गए प्लेनरी व्याख्यान ने शैक्षणिक विमर्श को और समृद्ध किया और न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर प्रबंधन पर वैश्विक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। दिन की प्रमुख विशेषताओं में उपचार संबंधी प्रगति शामिल थी। इसके साथ ही इंसुलिनोमा के लिए एवर-गाइडेड रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन जैसी उभरती इंटरवेंशनल तकनीकों पर भी विचार-विमर्श हुआ। पूरे दिन वक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि GEP-NETs के रोगियों के सर्वोत्तम उपचार परिणाम सुनिश्चित करने के लिए एंडोक्राइनोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, रेडियोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन और सर्जरी सहित कई विशेषज्ञताओं का एकीकृत बहु-विषयक दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है। सम्मेलन का समापन वैलेटिक्ट्री सत्र के साथ हुआ, जिसने दो दिनों तक चले गहन शैक्षणिक संवाद, केस-आधारित शिक्षण और सहयोगपूर्ण चचाओं को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

पंचकूला शतरंज चैंपियनशिप 2026 का तरुण भंडारी ने किया शुभारंभ

पंचकूला। सेक्टर-8 स्थित टिंकरबेल स्कूल (जूनियर ब्रांच ऑफ द भारत स्कूल) में रविवार को पंचकूला शतरंज चैंपियनशिप 2026 का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन चेस एसोसिएशन पंचकूला द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के राजनीतिक सलाहकार तरुण भंडारी ने बतौर मुख्य अतिथि किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में चेस एसोसिएशन पंचकूला के अध्यक्ष प्रदीप गोयल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष तेजिंदर गुप्ता टोनी, नरेश शर्मा, रविंद्रलाल गौड़, रोहित गर्ग, रोहित शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

स्टार्ट-अप फंडिंग, आइडियेशन और लीडरशिप पर केंद्रित रहा आईडिया फोर्ज-26 का दूसरा दिन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) द्वारा आयोजित आईडिया फोर्ज ह्ल26 के दूसरे दिन स्टार्टअप फंडिंग, आइडियेशन और फाउंडर इनसाइट्स पर विशेष फोकस किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के प्रिंसिपल एवं आईआईसी के अध्यक्ष डॉ. अजय शर्मा के नेतृत्व में किया गया, जबकि आईडिया फोर्ज ह्ल26 के तीसरे संस्करण के संयोजक डॉ. विक्रम सागर के मार्गदर्शन में सत्रों का सफल संचालन हुआ। दूसरे दिन के सत्रों में प्रतिभागियों को स्टार्टअप के लिए फंडिंग के विभिन्न पहलुओं, नए विचारों के विकास और सफल उद्यमियों के अनुभवों से अवगत कराया गया।

दूसरे दिन स्टार्टअप इकोसिस्टम के महत्वपूर्ण पहलुओं पर केंद्रित सत्र आयोजित किए। इन सत्रों में स्टार्टअप फंडिंग, वित्तीय प्रबंधन, आइडियेशन और वास्तविक उद्यमिता अनुभवों जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए। सत्रों के सफल संचालन में इनोवेशन एंबेसडर्स डॉ. पूजा मोहन, डॉ. ओशीन शर्मा और डॉ. मालविका वालिया का विशेष सहयोग रहा।

वर्कशॉप में प्रमुख वक्ताओं के रूप में डॉ. चारु ठाकुर, आदिराज आहलूवालिया, सौरभ मुंजाल (सीईओ, लाहौरी जीरा) और अनुराधा चावला ने भाग लिया। उन्होंने स्टार्टअप की चुनौतियों, अवसरों और सफलता के व्यावहारिक पहलुओं पर अपने अनुभव साझा करते हुए प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया। सत्रों के दौरान युवाओं को नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने और अपने विचारों को सफल स्टार्टअप में बदलने के लिए प्रेरित किया गया।

दिन की शुरूआत डॉ. चारु ठाकुर के ज्ञानवर्धक सत्र से हुई, जिसका विषय था स्टार्ट-अप्स के लिए पूंजी जुटाना और वित्तीय प्रबंधनह्व। इस सत्र में विद्यार्थियों को विभिन्न फंडिंग स्रोतों–जैसे बूटस्ट्रैपिंग, वेंचर कैपिटल, एंजेल इन्वेस्टर्स और बैंक लोन–के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।दिन का प्रमुख आकर्षण लाहौरी जीरा के सीईओ सौरभ मुंजाल का फाउंडर टॉक रहा, जिसमें उन्होंने अपनी उद्यमिता यात्रा और ब्रांड के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण अनुभव साझा किए।उन्होंने स्टार्टअप की सफलता में निरंतरता, गुणवत्ता और स्थानीय संस्कृति से जुड़ी मजबूत ब्रांड पहचान के महत्व पर जोर दिया। सौरभ मुंजाल ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि उद्यमिता में केवल आइडिया ही नहीं, बल्कि उसे सही रणनीति और दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है। इसके बाद आदिराज आहलूवालिया द्वारा समस्या-समाधान और आइडियेशन पर एक रोचक बूटकैंप आयोजित किया गया। इस सत्र में उन्होंने वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान, प्रभावी मार्केट रिसर्च और समाधान तैयार करने की प्रक्रिया पर विशेष जोर दिया। दिन के अंतिम सत्र में अनुराधा चावला ने स्टार्टअप से जुड़े कानूनी और नैतिक पहलुओं, लीडरशिप माइंडसेट तथा टीम-बिल्डिंग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि किसी भी उद्यम की सफलता के लिए सही सोच, जुनून और सही लोगों की टीम सबसे महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बाहरी फंडिंग की तलाश से पहले एक मजबूत आधार तैयार करना बेहद जरूरी है, जिससे स्टार्टअप लंबे समय तक टिकाऊ और सफल बन सके।

सबकी बिगड़ी तू ही बनाये, बिगड़ी मेरी भी बना दो न

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

से. 29 स्थित श्री साईं धाम में श्री रामनवमी मनाई गई। मंदिर कमेटी के सचिव मनीष गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रसिद्ध गायक पेजी शाहकोटी ने इस अवसर पर साईं संध्या के तहत साईं बाबा के भजनों का गुणगान किया, जिसमें उन्होंने सबकी बिगड़ी तू ही बनाये बिगड़ी मेरी बना दो न, साईं तेरे नाम के दीवाने, ओ शिरडी के साईं बाबा एक झलक दिखा दो आदि दिल को छू लेने वाले भजन गाकर भक्तों को निहाल कर दिया। इससे पहले रोजाना की भांति सुबह कांकड़ आरती हुई व तत्पश्चात साईं जी का मंगल स्नान हुआ जिसमें पुरुष भक्तजनों ने अपने हाथों से बाबा को मंगल स्नान करवाया। उसके बाद बाबा का श्रृंगार हुआ व बाबा को नाश्ता भोग अर्पण के बाद महिला भक्तों द्वारा बाबा को पुष्पांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात 8 घंटे का लगातार साईं सच्चरित्र का पाठ हुआ। मंदिर में सुबह से भक्तजन लाइनों में लग गए थे व सारा दिन बाबा के दर्शनों के लिए भक्तों का ताँता लगा रहा। मंदिर को आकर्षक लाइटों एवं फूलों से सजाया गया था। देर शाम को बाबा को भोग के बाद भक्तों के लिए अटूट भंडारे का आयोजन भी किया गया था।

युवाओं, बच्चों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया

पंचकूला में अश्विनी गुप्ता मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा नौवां विशाल रक्तदान शिविर आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

स्वर्गीय श्री अश्विनी गुप्ता की स्मृति में अश्विनी गुप्ता मेमोरियल ट्रस्ट, पंचकूला द्वारा आज सेक्टर-16 स्थित अग्रवाल भवन में नौवें विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में युवाओं, बच्चों सहित समाज के सभी वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और रक्तदान कर समाज सेवा के इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दिया। रक्तदान शिविर में राज्यसभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा, हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं ट्रस्ट के चेयरमैन श्री ज्ञानचंद गुप्ता, आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक श्री प्रेम गोयल, श्री रमाकांत भारद्वाज, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव श्री तरुण भंडारी, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बंटो कटारिया, सम्पूर्णानंद ब्रह्मचारी, अमृता दीदी, प्रदेश युवा मोर्चा के अध्यक्ष श्री योगेंद्र शर्मा, प्रदेश युवा मोर्चा के कोषाध्यक्ष श्री अमित गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने स्वर्गीय अश्विनी गुप्ता को श्रद्धांजलि अर्पित की और रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया।

स्वर्गीय श्री अश्विनी गुप्ता के सुपुत्र एवं अश्विनी गुप्ता मेमोरियल ट्रस्ट के महामंत्री श्री पार्थ गुप्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए ट्रस्ट की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2006 में श्री ज्ञान चंद गुप्ता द्वारा अपने सुपुत्र स्वर्गीय अश्वनी गुप्ता की स्मृति में इस ट्रस्ट की स्थापना की गई थी। ट्रस्ट प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर, नेत्र चिकित्सा शिविर, गरीब एवं पिछड़े वर्ग के बच्चों के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा अन्य सामाजिक सेवा कार्य आयोजित करता है। इसके अतिरिक्त, ट्रस्ट युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेल गतिविधियों को बढ़ावा देता है और समय-समय पर बैडमिंटन, क्रिकेट एवं कबड्डी जैसी जिला व राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है, ताकि युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिल सके और वे राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक श्री प्रेम गोयल ने कहा कि रक्तदान जैसे आयोजन समाज में सेवा भावना को प्रोत्साहित करते हैं। रक्तदान एक ऐसा महान कार्य है, जो समाज में एकता और समरसता को बढ़ाता है तथा देश को सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत का विश्व में डंका बज रहा है और वह दिन दूर नहीं जब भारत पुनः विश्वगुरु बनेगा। अति विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा ने कहा कि विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता द्वारा वर्षों से किए जा रहे सामाजिक कार्य सराहनीय हैं। उन्होंने रक्तदान को महादानह्व बताते हुए कहा कि यह जाति, धर्म और वर्ग से ऊपर उठकर समाज को जोड़ने का कार्य करता है। समाज के सशक्त होने से देश भी मजबूत और शक्तिशाली बनता है। उन्होंने लोगों को अंगदान के लिए भी प्रेरित करते हुए कहा कि इससे किसी जरूरतमंद को नया जीवन मिल सकता है।

इस अवसर पर श्रीमती रेखा शर्मा और श्री ज्ञानचंद गुप्ता ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम के अंत में ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती रुचि गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने रक्तदाताओं, स्वयंसेवी संगठनों तथा पीजीआई चंडीगढ़ और सिविल अस्पताल से आई डॉक्टरों की टीम का सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। शिविर में पीजीआई चंडीगढ़ और सिविल अस्पताल की टीमों द्वारा कुल 176 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।